सूर्योदय : 6:47
सूर्यास्त : 5:15
अधिकतम तापमान : 23.0
न्यूनतम : 6.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-178 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, गुरुवार, 19 दिसम्बर 2024
16 जमादिउस्सानी 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

नौसेना की नाव यात्री जहाज से टकराई, 13 लोगों की मौत

मुंबई में दिल दहलाने वाला हादसा

- **13 मृतकों में 10 नागरिक और 3 नौसेना के जवान**
- **नाव में सवार थे करीब 110 लोग**

मुंबई। मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के पास नौसेना जहाज के एलीफेंटा द्वीप जा रहे नीलकमल नामक एक यात्री जहाज से टकराने से बड़ा हादसा हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि अभी तक इस हादसे में तीन नौसेने के जवान समेत कुल 13 लोगों की मौत होने की खबर सामने आ रही है।

वहीं 101 अन्य यात्रियों को बचाए जाने की बात कही जा रही है। जबकि कई लोगों की तलाश अभी भी जारी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा मुंबई के पास बुचर द्वीप पर नौसेना की एक नाव दोपहर करीब 3.55 बजे नीलकमल यात्री जहाज से टकरा गई। शाम 7.30 बजे तक की जानकारी के अनुसार 101 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है और 13 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि लापता लोगों के बारे में अंतिम जानकारी कल सुबह उपलब्ध होगी। जानकारी के अनुसार नौका में लगभग 110 लोग सवार थे, हालांकि सटीक संख्या की पुष्टि नहीं हो पाई है। यह नौका मुंबई के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल एलीफेंटा द्वीप की ओर जा रही थी, जब करीब शाम 4 बजे एक छोटी नाव उससे टकरा गई और इसके बाद नौका पलट गई। घटना के तुरंत बाद जारी वीडियो में बचाव अभियान चलता हुआ दिखाया गया।

5-5 लाख आर्थिक सहायता की घोषणा

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बोट हादसे में मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता घोषित की है। उन्होंने कहा कि यह राशि मुख्यमंत्री सहायता निधि से प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस घटना की विस्तृत जांच होगी। नौसेना के साथ पुलिस भी मामले की जांच करेगी। 13 मृतकों में 10 नागरिक और 3 नौसेना के जवान हैं। उन्होंने कहा कि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें नौसेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 11 क्राफ्ट और 4 हेलीकॉप्टरों का उपयोग करते हुए नौसेना, तटरक्षक और पुलिस ने बचाव अभियान चलाया है।

कांग्रेस खुद संविधान आंबेडकर विरोधी : शाह

- **कांग्रेस ने तथ्यों को तोड़ रखा, आंबेडकर विवाद पर अमित शाह की सफाई**

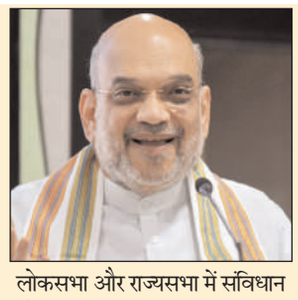

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान डॉ. बीआर आंबेडकर को लेकर दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष लगातार शाह से इस्तीफा मांग रहा है। अब गृह मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों में संविधान की गौरव गाथा पर चर्चा होनी थी।

संसद में जब चर्चा होती है तो एक बात कॉमन होती है कि तथ्यों पर बात होनी चाहिए। मगर कांग्रेस कल से तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। यह निंदनीय है। उन्होंने शुरुआत में कहा, विगत सप्ताह में संसद में लोकसभा और राज्यसभा में संविधान को स्वीकार किए हुए 75 साल के मौके पर संविधान की रचना, संविधान निर्माताओं के योगदान और संविधान में प्रस्थापित किए गए आदर्शों पर एक गौरवमयी चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा में 75 साल की देश की गौरव यात्रा, विकास यात्रा और उपलब्धियों की भी चर्चा होनी थी। ये तो स्वाभाविक है कि जब लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष होते हैं, तो हर मुद्दे पर लोगों का, दलों का और वक्ताओं का नजरिया अलग-अलग होता है। मगर संसद जैसे देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक फोरम में जब चर्चा होती है, तब इसमें एक बात कॉमन होती है कि बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कल से कांग्रेस ने जिस प्रकार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर रखने का प्रयास किया है वो निंदनीय है।

मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं। ये इसलिए हुआ क्योंकि भाजपा के वक्ताओं ने संविधान पर, संविधान की रचना के मूल्यों पर और जब-जब कांग्रेस या भाजपा का शासन रहा, तब शासन ने संविधान के मूल्यों का किस तरह से मूल्यांकन, संरक्षण और संवर्धन किया, इस पर तथ्यों और अनेक उदाहरण के साथ भाजपा के वक्ताओं ने विषय रखे।

न्यूज डायरी

पीएम मोदी जाएंगे कुवैत

नई दिल्ली। कुवैत राज्य के अमीर महामहिम शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 21-22 दिसंबर 2024 को कुवैत का दौरा करेंगे। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की कुवैत की पहली यात्रा होगी। इस महीने की शुरुआत में पीएम मोदी ने कुवैत के विदेश मंत्री एच.ई. से मुलाकात की थी. अब्दुल्ला अली अल-याहया। सितंबर में न्यूयॉर्क में कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ अपनी मुलाकात को याद करते हुए पीएम ने द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ती गति पर संतोष व्यक्त किया।

पीएम मोदी से मिले शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के हाथों भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की हार के कुछ सप्ताह बाद हुई। पवार और पश्चिमी महाराष्ट्र के फलटन के दो किसानों ने प्रधानमंत्री को अपने खेत से अनार का एक डिब्बा भेंट किया। वरिष्ठ नेता ने हाल ही में मोदी को पत्र लिखकर उन्हें फरवरी में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाले 98वें मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि, पवार ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपनी मुलाकात के दौरान साहित्य सम्मेलन के विषय पर चर्चा नहीं की।

उमर खालिद को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने बुधवार को जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को यूएपीए मामले में अंतरिम जमानत दे दी, जिसमें 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित एक बड़ी साजिश का आरोप लगाया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने परिवार में एक शादी में शामिल होने के लिए खालिद को 7 दिनों की अंतरिम जमानत दी। अंतरिम जमानत की शर्तें हैं कि खालिद मामले से जुड़े किसी भी गवाह और किसी भी व्यक्ति से संपर्क नहीं करेगा। कोर्ट ने खालिद को अंतरिम जमानत अवधि के दौरान सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करने का भी निर्देश दिया है। साथ ही, वह केवल अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और दोस्तों से ही मिलेंगे, वह अपने घर या उन जगहों पर रहेंगे जहां शादी की रस्में होंगी

वन नेशन-वन इलेक्शन बिल के लिए जेपीसी का गठन

- **अनुराग ठाकुर और प्रियंका गांधी समेत 31 सदस्य शामिल**

नई दिल्ली। वन नेशन-वन इलेक्शन बिल के लिए जेपीसी का गठन हो गया है। इसमें अनुराग ठाकुर और प्रियंका गांधी समेत कई सांसद शामिल होंगे। कमेटी में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्यों के नाम हैं। जेपीसी में लोकसभा के 21 सदस्य हैं। इसमें पी.पी. चौधरी, सी.एम. रमेश, बांसुरी स्वराज, पुरुषोत्तमभाई रुपाला, अनुराग ठाकुर, विष्णु दयाल राम, भतृहरि महताब, संबित पात्रा, अनिल बलूनी, विष्णु दत्त शर्मा, प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी, सुखदेव भगत, धर्मेंद्र यादव, कल्याण बनर्जी, टी.एम. सेल्वागणपति, जी.एम. हरीश बालयोगी, सुप्रिया सुले, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, चंदन चौहान और बालशौरी वल्लभानेनी के नाम शामिल हैं। संसद में पास करना होगी अगली चुनौती खबर के मुताबिक, मोदी सरकार की अगली चुनौती इसे संसद से पास कराने की होगी। इस विधेयक को पारित करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता है। अनुच्छेद 368 (2) ऐसे संशोधनों के लिए प्रत्येक सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत को अनिवार्य बनाता है। जेपीसी को विधेयक पर गहन चर्चा करने और सरकार को सिफारिशें देने से पहले विभिन्न हितधारकों और विशेषज्ञों से परामर्श करने का काम सौंपा गया है।

किसानों का पूरे पंजाब में रेल रोको आंदोलन

किसानों का एलान, 30 दिसंबर को करेंगे पंजाब बंद, सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं बहाल रखेंगे

- **किसानों ने तीन घंटे रोकी ट्रेनें**
- **किसानों के आंदोलन के कारण 12 ट्रेनें की गई रद**

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा की सीमा पर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहा किसान आंदोलन तेज होगा। बुधवार को किसानों ने पूरे पंजाब में रेल रोको आंदोलन किया। दोपहर 12 से 3 बजे तक कई जगह ट्रेनें रोकी गईं।

वहीं अब किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने 30 दिसंबर को पंजाब बंद की घोषणा की है। केंद्र पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत किसान नेताओं ने 30 दिसंबर को पंजाब बंद करने का एलान किया है। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि इमरजेंसी सेवाएं बहाल रखेंगे। हम दुकानदारों, धार्मिक संस्थाओं, व्यापार मंडल और ट्रेड यूनियनों से मीटिंग करेंगे। उनसे मांग करेंगे कि वह पंजाब बंद में सहयोग दें। इससे पहले आज पंजाब में किसानों ने तीन घंटे रेल पटरियों पर बैठ कर धरना दिया और जगह-जगह ट्रेनें रोकी। ट्रेनों का संचालन थमने से यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। पंधेर ने कहा कि किसान जत्थेबंदियों की सभी धार्मिक संस्थानों के प्रमुखों समेत पंजाब के गायकों, अन्य नामचीन हस्तियों से अपील है कि वह सोशल मीडिया के जरिये या फिर अपने कार्यक्रमों में 30 दिसंबर के पंजाब बंद को सफल बनाने के लिए लोगों से अपील करें। अगर पंजाब का खेतीबाड़ी सेक्टर बचेगा, तो ही कारोबार व व्यापार चलेगा। क्योंकि पंजाब की आर्थिकता खेतीबाड़ी से ही जुड़ी है। पंधेर ने इस मौके पर जत्थेबंदियों से जुड़े सभी किसानों, नौजवानों से अपील की कि वह ट्रैक्टर-ट्रालियों पर स्पीकर लगाकर गली-मोहल्लों, गांव व शहरों में 30 दिसंबर के पंजाब बंद को लेकर लोगों को जानकारी दें और इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करें। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने साफ किया कि इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं जारी रहेंगी। उन्होंने पंजाब बंद के इस आह्वान को सफल बनाने के लिए व्यापारियों से लेकर दुकानदारों, मुलाजिमों, ट्रांसपोर्टरों, वकीलों, आम जनता समेत मीडिया को भी किसानों का साथ देने की अपील की। साथ ही बाकी किसान संगठनों को भी बंद में उनका साथ देने की अपील की।

पांच साल बाद भारत-चीन के विशेष प्रतिनिधियों की हुई बैठक

चीन में डोभाल का कमाल, मान गया ड्रैगन

- **नाथुला सीमा व्यापार को बढ़ावा देने पर सहमति**
- **छह बड़े मुद्दों पर बनी बात**

विकास में नई ऊर्जा डालने के लिए तैयार है

डोभाल ने कहा कि पांच साल बाद सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक फिर से शुरू होना दोनों देशों के नेताओं द्वारा लिए गए निर्णयों को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि भारत चीन के साथ रणनीतिक संवाद को मजबूत करने, परस्पर लाभकारी सहयोग का विस्तार करने और द्विपक्षीय संबंधों के विकास में नई ऊर्जा डालने के लिए तैयार है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की चीन यात्रा के दौरान भारत और चीन ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए छह बिंदुओं पर सहमति बनाई। इन सहमतियों में सीमा पार पर्यटन (तिब्बत जैसे क्षेत्रों में), सीमा पार नदियों पर सहयोग और नाथुला सीमा व्यापार को बढ़ावा देना शामिल है।

डोभाल ने पांच साल के अंतराल पर आयोजित भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए 23वें विशेष प्रतिनिधि वार्ता में भाग लिया। पिछली बैठक 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। चीन के विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह बैठक बुधवार को बीजिंग में आयोजित की गई। यह पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच पहली बैठक थी. कजान बैठक में दोनों देशों के नेताओं द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के आधार पर, चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग यी और भारत के विशेष प्रतिनिधि अजीत डोभाल ने सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा की और छह सहमतियां बनाई। बैठक का मुख्य उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को हल करना और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था. दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने सीमा विवाद पर हुई प्रगति की सकारात्मक समीक्षा की और इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक दिशा-निर्देशों का पालन करने पर सहमति व्यक्त की. दोनों पक्षों ने यह भी माना कि सीमा मुद्दों को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए ताकि यह संबंधों को प्रभावित न करे। उन्होंने 2005 में तय किए गए राजनीतिक दिशानिर्देशों के अनुसार, निष्पक्ष, तार्किक और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

उत्तराखंड में जनवरी 2025 से लागू होगा यूसीसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जनवरी 2025 से समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को सचिवालय में उत्तराखंड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की बैठक के दौरान सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने संकल्प के अनुसार, समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में होमवर्क पूरा कर चुकी है।

सीएम धामी ने कहा कि मार्च 2022 में प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति, गठित करने का निर्णय लिया गया था। इस क्रम में सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। समिति की रिपोर्ट के आधार पर 07 फरवरी, 2024 को राज्य विधान सभा से समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया गया। इस विधेयक पर राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद 12 मार्च, 2024 को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसी क्रम में अब समान नागरिक संहिता, उत्तराखण्ड 2024 अधिनियम की नियमावली भी तैयार कर ली है। इस तरह उत्तराखंड अब जनवरी से समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत मामले में एफआईआर दर्ज

- **बेहोश हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय**
- **कांग्रेस नेताओं को किया गया हाउस अरेस्ट**

लखनऊ। यूपी विधानसभा घेराव के लिए बुधवार को किए गए प्रदर्शन में कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई। कार्यकर्ता प्रभात पांडेय प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लखनऊ आया था। उसके शव को सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां कुछ देर बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी पहुंचे। अजय राय के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी सिविल अस्पताल पहुंचे।

वहीं, विधानसभा का घेराव करने के लिए लखनऊ कूच की तैयारी में लगे कांग्रेस नेताओं को बुधवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में ही रोक लिया गया और वरिष्ठ नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर पहुंचे कांग्रेसियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और इको गार्डेन में जाकर छोड़ दिया। वहीं, जिन नेताओं ने भी विधान भवन पहुंचने का प्रयास किया पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस पार्टी के विधानसभा घेराव के दौरान एक कार्यकर्ता की मौत मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। प्राप्त सूचना के अनुसार प्रभात के चाचा की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ की हुसैनगंज कोतवाली में यह रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सूचना के अनुसार प्रभात पांडेय की मौत के मामले में उनके चाचा विज्ञान खंड गोमतीनगर निवासी मनीष ने हुसैनगंज थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। मनीष के मुताबिक प्रभात एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने पीजी में रहते थे। बुधवार शाम को 4:15 बजे उनके पास कांग्रेस दफ्तर से फोन आया था।

बताया गया कि आपके भतीजा कांग्रेस दफ्तर में दो घंटे से बेहोश पड़े हैं। मनीष ने फौरन अपने परिचित संदीप को प्रभात के पास कार्यालय भेजा। घेराव करने जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। धक्का-मुक्की के दौरान वो कुछ देर के लिए वह बेहोश हो गए। प्रदर्शन से लौटने के बाद अजय राय सिविल अस्पताल पहुंचे। इसके पहले बुधवार सुबह जैसे ही कांग्रेसी नेताओं का लखनऊ पहुंचना शुरू हुआ।

सीबीआई का एक्शन : दो आईआरएस अधिकारी समेत सात गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में बुधवार को सीबीआई के भ्रष्टाचार मामले में एक्शन देखेने को मिला। जहां मुंबई के सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन (एसईईपीजेड) में तैनात भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के दो अधिकारियों समेत सात लोगों को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई मंगलवार को शुरू हुई थी, जिसमें आईआरएस के संयुक्त विकास आयुक्त सीपीएस चौहान और उप विकास आयुक्त प्रसाद वरवंतकर के साथ-साथ दो सहायक विकास आयुक्तों और तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। बता दें कि गिरफ्तार लोगों पर आरोप है कि इन्होंने बिचौलियों के समूह से अवैध रूप से पैसे लिए थे। सीबीआई ने चौहान के पास से 25 संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 40 करोड़ रुपये बताई जा रही है। साथ ही, सीबीआई ने सात संदिग्धों के घरों की तलाशी ली। इसमें करीब 50 लाख रुपये बरामद हुए। इसमें से 40 लाख रुपये सहायक विकास आयुक्त रेखा नायर के घर से मिले। हालांकि अभी तक गिरफ्तार किए गए लोगों के जानने वालों से किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

सुझाव और मांग के लिए कोर्ट के दरवाजे हमेशा खुले : सुप्रीम कोर्ट

किसानों द्वारा बातचीत से इनकार करने पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

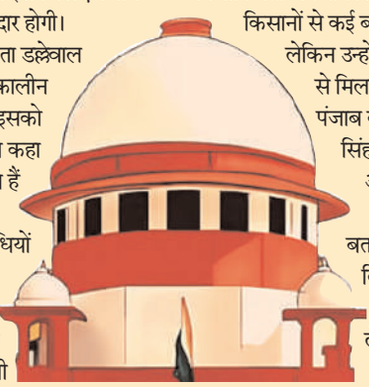

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को लेकर पंजाब सरकार को चेताया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि अगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के साथ कुछ भी अनहोनी हुई तो इसके लिए पंजाब सरकार जिम्मेदार होगी।

बता दें कि किसान नेता डल्लेवाल 23 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हुए हैं। इसको लेकर कोर्ट ने बुधवार को कहा कि हम साफ करना चाहते हैं कि अदालत के दरवाजे किसानों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा किसी भी मांग या सुझाव के लिए हमेशा खुले हैं। साथ ही कोर्ट ने डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर भी संज्ञान लिया और पंजाब सरकार से जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता देने को कहा। पंजाब सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसानों से कई बार बातचीत की गई, लेकिन उन्होंने उच्चस्तरीय समिति से मिलने से इंकार कर दिया। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ को बताया कि समिति ने 17 दिसंबर को किसानों को बैठक में बुलाया था, लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हुए।

खीरी में पीसीएस प्री परीक्षा की तैयारियां पूरीः 19 केंद्रों पर 22 दिसंबर को होगी परीक्षा, 7596 अभ्यर्थी होंगे शामिल

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी । लोक सेवा आयोग की तरफ से आयोजित पीसीएस प्री की लिखित परीक्षा 22 दिसंबर को जिले के 19 केंद्रों पर दो पाली में होगी। इसमें कुल सात हजार पांच सो छियानवे अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रथम पाली सुबह 9¬30 से 11¬30 बजे तक होगी। प्रवेश सुबह आठ बजे होगा तथा द्वितीय पाली दोपहर 2¬ 30 बजे से 4¬30 बजे तक होगी। प्रवेश एक बजे से होगा। परीक्षा समय से 45 मिनट पूर्व गेट बंद हो जाएगा। पीसीएस एग्जाम की तैयारी को लेकर बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में सेक्टर, स्टैटिक, जोनल मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोक सेवा आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। आयोग द्वारा प्रतिबंधित सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र के अंदर लेकर न जाने पाए। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। डीएम ने स्टैटिक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि परीक्षा के जो नियम और शर्तें हैं, उनके अनुरूप ही परीक्षा कराई जाए। किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी संज्ञान में आई तो व्यक्तिगत रूप से जवाबदेही जिम्मेदार अधिकारियों की होगी। सभी स्टेटिक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक व केन्द्र सहायक पहले ही यह देख लें कि किसी भी केंद्र पर कोई कमी न रह जाए डीएम ने बताया कि गाइडलाइन के अनुसार ही परीक्षा को संपादित करना है। इसलिए गाइडलाइन को अच्छे से पढ़ ले। ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि ना हो। परीक्षा के दौरान कक्षा में अभ्यार्थियों को सीटिंग प्लान के अनुसार ही बैठाएं। उन्होंने बताया कि सभी के परीक्षा के दौरान आईडी होना बेहद जरूरी है। निर्देश दिए कि परीक्षा को लेकर किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए बैठक की शुरुआत में एडीएम संजय कुमार सिंह ने परीक्षा प्रारंभ होने से लेकर और समाप्ति तक के सभी बिंदुओं के बारे में बैठक में शामिल सभी को अवगत कराया। आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। सभी अधिकारियों को परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के निर्देश दिए। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा चालू रखें और सीटिंग प्लान बोर्ड पर चस्पा करें। केंद्र में प्रकाश की व्यवस्था होना चाहिए। एएसपी पूर्वी पवन गौतम ने कहा इन परीक्षाओं पर पुलिस की भी पैनी नजर रहेगी। स्पेशल सेल एक्टिव रहेगा। इसलिए इन परीक्षाओं की संवेदनशीलता को समझते हुए आप में से कोई भी किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतेगा।

प्रत्येक अभ्यर्थी की तलाशी के साथ होगी बायोमेट्रिक जांच : समन्वयी पर्यवेक्षक

बैठक में उप्र लोक सेवा आयोग से नियुक्त जनपदीय समन्वयी पर्यवेक्षक अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस की तलाशी के अलावा आयोग द्वारा नियुक्त संस्था द्वारा प्रत्येक अभ्यर्थी की बायोमेट्रिक जांच की जाएगी। इसके पश्चात ही प्रवेश मिलेगा। बैठक में उन्होंने मौजूद अफसरो की परीक्षा से जुड़ी छोटी बड़ी जानकारियां दी और उनके प्रश्नों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

गरीब, असहाय, रिक्शा चालकों व मुसाफिरों को डीएम ने बांटा कम्बल

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व शासन के निर्देश पर अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय तथा कमज़ोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुँचाये जाने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को देर रात्रि नगर क्षेत्र अन्तर्गत रोडवेज़ बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन के सामने ओवर ब्रिज के नीचे स्थापित किए गए रैन बसेरों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। मौजूद अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये डीएम ने स्वयं न केवल रैन बसेरों की व्यवस्थाओं को परखा बल्कि श्रमिकों, जरूरतमंदों को संवेदना की गरमाहट भी दी। रैन बसेरे में ठहरे लोगों ने बातचीत में बताया कि अधिक ठंड लग रही है तो डीएम ने अपने हाथों से कंबल ओढ़ाया। डीएम ने एक-एक कर सभी से बातकर सुविधाओं के बारे में पूछा। रैन बसेरे में सभी ने व्यवस्था को अच्छा बताया डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने रात्रि नगर क्षेत्र का भ्रमण कर नगर क्षेत्र में जलाये गये अलावों को देखा तथा इस दौरान रोडवेज़, रेलवे स्टेशन तथा संकटा देवी चौराहे पर गरीब मुसाफिरों, रिक्शा चालकों, जरूरतमंदों को कम्बल ओढ़ाया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधि.अधि. नगर पालिका परिषद को निर्देश दिया कि नगर क्षेत्र में अलाव प्वाईन्ट्स को बढ़ा दिया जाय।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना गोला पुलिस द्वारा मु0 नं0 13057/2023 धारा 60 आबकारी अधि0 से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त राजेन्द्र पुत्र हुलासी नि0 ग्राम रसूलपनाह थाना गोला जनपद खीरी को गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है।

लव जिहाद के प्रकरण में जांच करेंगे सीओ धौरहरा

लखीमपुर-खीरी। ग्राम पंचायत बसहा माफी ब्लाक फूलबेहड़ परगना श्रीनगर बेवा सुनीता के मामले में सुनीता की पुत्री के लव जिहाद के प्रकरण में जांच धौरहरा सीओ करेंगे मामले को हल्के में ले रही है खीरी पुलिस। पीड़िता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक खीरी से मिलने गई जहां पुलिस अधीक्षक नहीं मिले हताश ज़रूर मिली पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मौजूद पुलिसकर्मियों द्वारा उसे यह बताया गया लड़की शादीशुदा है उसमें मैं कुछ नहीं कर सकता पीड़िता का कहना है कि छोटी पुत्री के साथ अश्लीलता हुई।पीड़िता से विपक्षी भूरे कह भी चुका है तुम्हारा पति मर चुका है।मेरे पास बैठ जाओ इस तरह की झेल रही पीड़िता क्योंकि जब पीड़िता अपनी व्यथा बताती है तो उसकी आंखों से आंसुओं की धार बहती है उसके आंशुओ का भी सौदा करने वाले कम कतार में नहीं खड़े हैं हालात यह है कि पीड़िता ने घर के आगे बोर्ड लगा दिया है कि मकान बिकाऊ है उसने गांव छोड़ने का भी प्रण कर लिया है।

सरकारी स्कूल में तैनात शिक्षक की दिल का दौरा पड़ने से मौत

लखीमपुर खीरी। पलिया क्षेत्र के गदनिया सरकारी स्कूल में तैनात शिक्षक प्रशांत यादव की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि प्रशांत अपने कमरे पर थे। अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा। हालत बिगड़ने पर स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 35 साल के प्रशांत यादव मूल रूप से हाथरस जनपद के निवासी थे। वह गदनिया के सरकारी स्कूल में अध्यापक पद पर तैनात थे। बताया गया कि प्रशांत बुधवार सुबह अपने कमरे पर थे। तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। किसी तरह उन्होंने पड़ोसियों को सूचना दी। आनन-फानन प्रशांत को सीएचसी लाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। प्रशांत की मौत की खबर मिलने पर बड़ी संख्या में शिक्षकों की भीड़ सीएचसी में जमा रही। उनके परिजनों को सूचना दे दी गई।

नाबालिग से दुष्कर्म के अभियुक्त को 20 साल के कारावास की सजा

सहारनपुर। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश एडेजे-13 ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में अभियुक्त को 20 साल के कारावास व 30 हजार रूपये के अर्थदंड की सजा सुनायी है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता संजय मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 फरवरी 2021 को थाना नानौता क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी अपने मकान की छत पर बैठी थी, जब वह शाम के समय शौच के लिए मकान के निचले हिस्से में आयी, तो उसके घर के सामने ही रहने वाला युवक उसके घर में घुस गया और आरोपी युवक ने नाबालिग का मुंह बंद कर उसे जबरन अपने घर में खींचकर ले गया। जहां उसके साथ दुराचार किया गया। घटना के बाद किशोरी डरी सहमी अपनी चाची के पास पहुंची और उसके साथ हुयी दरिंदगी की पूरी घटना की जानकारी दी। लोगो के इकट्ठा होने पर आरोपी घर से फरार हो गया था। थाना नानौता में दोषी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी थी, जिसके कुछ दिन बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया था। पुलिस ने जांच के बाद अदालत में चार्ज शीट दाखिल की। बुधवार को मामले की सुनवाई में विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट की अदालत ने साक्ष्यों और गवाहो के आधार पर दोषी युवक को 20 साल के कारावास की सुजा सुनायी है और 30 हजार रूपये का अर्थदंड लगाया है।

संदिग्ध हालात में एक महिला की मौत

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। फूलबेहड़ थाना क्षेत्र में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने उसे कच्ची शराब बनाने के आरोप में पकड़ा था। थाने से छूटने के 18 घंटे बाद घर पर ही संदिग्ध हालात में उसकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस की पिटाई से मौत का आरोप लगाया। बुधवार सुबह गांव में शव रख हंगामा शुरू कर दिया। आरोपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के बाद ही परिजन शव का पोस्टमार्टम कराने पर अड़े हैं। पुलिस मनाने में जुटी है फूलबेहड़ थाने की पुलिस ने दो महिला कांस्टेबल के साथ सोमवार को अवैध शराब के धंधे की सूचना पर खमरिया गांव में दबिश दी थी। शराब बनाने और बेचने के आरोप में गांव निवासी पंकज की पत्नी सुरजाना को हिरासत में लेकर थाने ले गई। बताते हैं कि उसी दिन दोपहर बाद मुचलके पर महिला को छोड़ दिया गया। शाम को महिला घर पहुंची। मंगलवार देर शाम उसकी मौत हो गई मृतका के परिजनों ने बुधवार को पुलिस की पिटाई से मौत होने का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक आलोक धीमान मौके पर पहुंचे। परिजनों को समझाया और पोस्टमार्टम के लिए शव को कब्जे में लेने की कोशिश की। इस पर परिजन और गांववाले बिगड़ गए। आरोपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के बाद ही शव को हाथ लगाने को कहा। एहतियातन अन्य थानों की पुलिस भी गांव में पहुंची है सुरजाना का पति पंकज मजदूरी करता है। वह कुछ दिनों से बीमार है। देवरानी माधुरी ने गांव के ही कुछ लोगों पर धनबल के बलबूते पुलिस से पकड़वाना और पिटाई कराने का आरोप लगाया है। पंकज को एक आवास मिला है। बताते हैं कि वह भी अधूरा है। महिला झोपड़पट्टी में रह गुजर बसर कर रही थी। मृतका के दो बच्चे हैं। एक लड़की और दो छोटे लड़के हैं।

गरजते बुलडोजर के शोर के बीच मलबे के ढेर में बदलते जा रहे हैं भवन

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। गोला गोकर्णनाथ में शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण को लेकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई तेजी से हो रही है। इस बीच ध्वस्तीकरण को लेकर नगर के दुकानदारों में विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं। मंगलवार को प्रदर्शन भी हुआ। रात करीब 3:00 बजे से ही स्थानीय प्रशासन ने नगरपालिका की दुकानों का ध्वस्तीकरण शुरू कराया। इस दौरान भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई बुधवार को सूरज उगने के बाद भी जारी रही। एसडीएम गोला विनोद कुमार गुप्ता का कहना है कि कॉरिडोर के लिए जो प्रस्तावित नक्शा है, उसके अनुसार ही ध्वस्तीकरण का कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही निर्माण कार्य भी शुरू होगा छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में गरजते बुलडोजर के शोर के बीच भवन मलबे के ढेर में बदलते जा रहे हैं। शिव मंदिर परिसर में तीन दिन के अंदर जिला पंचायत की 13 दुकानें और एक घर ध्वस्त कर दिया गया है। मंगलवार को शिव मंदिर के मुख्य मार्ग माली वाली गली का ध्वस्तीकरण शुरू हुआ। छोटी काशी में कॉरिडोर बनने की खुशी के बीच दुकान और आशियाने उजड़ जाने से लोगों में उदासी है। मंगलवार को प्राचीन शिव मंदिर के उत्तर ध्वस्तीकरण के लिए लाल निशान लगे मकान की देहरी पर महिला उदास बैठी दिखाई दी। उसके चेहरे पर आशियाना उजड़ने की चिंता साफ दिख रही थी शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण चार चरणों में पूरा होगा। इसके पहले चरण में ध्वस्तीकरण, मार्ग एवं नाली निर्माण कराया जा रहा है। दूसरे चरण में समतलीकरण, तीसरे चरण में कॉरिडोर का निर्माण और चौथे चरण में सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। अभी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चल रही है जिला पंचायत की दुकानें और नगर पालिका परिषद के भवन ढहाए जा रहे हैं। वहीं नगर पालिका परिषद की सात दुकानों, आवासीय भवनों एवं धर्मशालाओं अंगद धर्मशाला, बरेली धर्मशाला, रामपुर धर्मशाला, महादेव धर्मशाला सहित 12 निर्माणों का ध्वस्तीकरण होना है। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के जेई अक्षय आनंद सिंह ने बताया कि अभी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही चल रही है।

नोटिस मियाद पूरी होने के बाद भी प्रशासन खाली नहीं करा सका भूमि

लखीमपुर खीरी। पाकिस्तान गए खातेदार की 116 बीघा जमीन अमेठी ग्राम पंचायत में थी, जिस पर अवैध रूप से धौरहरा कस्बे के ही लोगों ने कब्जा कर रखा है। दो माह पूर्व चकबंदी अधिकारी ने उस भूमि को राज्य सरकार में निहित किया था। इसके बाद बेदखली नोटिस तहसीलदार ने जारी किया था। लेकिन नोटिस मियाद पूरी होने के बाद भी प्रशासन भूमि खाली नहीं करा सका। जिससे नाराज अधिवक्ताओं ने तहसील में प्रदर्शन करते हुए भूमि खाली कराने की मांग की। धौरहरा तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत अमेठी में 116 बीघा शत्रु संपत्ति पर लोग लंबे अरसे से काबिज है। यह जमीन भारत पाकिस्तान बंटवारे के बाद पाकिस्तान गए खातेदार मोहम्मद सद्दीक वारिद हाल पाकिस्तान के नाम ही अब तक खतौनी में अंकित रही। जब कब्जेदारों ने चकबंदी अधिकारी के समक्ष वरासत का दावा प्रस्तुत किया, तो इसका खुलासा हुआ। 28 अक्टूबर को चकबंदी अधिकारी ने उक्त वरासत के दावे को बलहीन बताते हुए भूमि को राज्य सरकार में निहित कर दिया अब बारी थी राज्य सरकार की जमीन से कब्जेदारों को बेदखल करना। लेकिन तहसील प्रसाशन ने इधर ध्यान नहीं दिया। बीते 28 नवंबर को अधिवक्ताओं के साथ हिंदू संगठनों ने शत्रु संपत्ति से कब्जेदारों को बेदखल करने के लिए एसडीएम राजेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। जिस पर बेदखली आदेश के बाद तहसीलदार आदित्य विशाल ने 16 दिसंबर तक भूमि खाली करने का अंतिम नोटिस जारी किया नोटिस की मियाद पूरी होने पर भी प्रशासन भूमि खाली नहीं करा सका। इस पर बुधवार को तहसील में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए जल्द भूमि खाली कराने की मांग की। तहसीलदार आदित्य विशाल ने बताया कि पलिया में चुनाव के चलते पुलिस बल नहीं मिलने की वजह से देरी हुई है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू वर्मा ने किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मण्डी कोतवाली प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार को सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक के नेतृत्व में जुलूस के रूप में रेलवे स्टेशन के लिए कूच किया, परन्तु टोपिया सराय में पुलिस ने उन्हे रोक लिया। जिस पर उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार को सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों में भारतीय किसान यूनियन वर्मा के प्रदेश सचिव डॉ.परविंदर मलिक, मंडल प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, हाजी बुद्धू हसन, रविंद्र चौधरी, हरपाल सिंह, सुधीर चौधरी आदि मौजूद रहे।

फड़ दुकानदारों से निर्धारित शुल्क ही लिया जायेगाः नगरायुक्त

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगरायुक्त संजय चौहान ने कहा है कि फड़ दुकानदारों से ठेकेदार द्वारा निर्धारित शुल्क ही लिया जायेगा, लेकिन यह शुल्क बढ़ाकर न लिया जाए यह सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मेला गुघाल स्थल के लकड़ी व्यापारी शुक्रवार को मंगल बाजार लगाने का सुझाव दे रहे हैं। इस सम्बंध में जिला प्रशासन,श्रम विभाग व अन्य पक्षों से वार्ता कर निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने आगामी एक पखवाड़े में यह सब सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां वेंडिंग जोन बन रहे है वहां पूरी तरह साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल व शौचालयों की व्यवस्था की जाए। नगरायुक्त उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। नगरायुक्त ने उद्योग-व्यापार बंधु के पदाधिकारियों को बताया कि शहर में प्रभावी ढंग से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाने के लिए रणनीति बना ली गयी है। अभियान में तकनीक का भी उपयोग किया जायेगा। उन्होंने बताया कि शहर में लगाये गए 800 कैमरों का उपयोग अतिक्रमण हटाने के लिए भी किया जायेगा। किसी भी स्थान से अतिक्रमण हटाने के बाद कैमरों से यह देखा जायेगा कि वहां दोबारा तो अतिक्रमण नहीं किया गया है। यदि अतिक्रमण पाया जायेगा तो आईसीसीसी से ही अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए पुनः कहा जायेगा और तीन बार कहने के बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो अतिक्रमण हटाओ दस्ते द्वारा सारा सामान जब्त कर नगर निगम लाया जायेगा और उस पर भारी जुर्माना लगाया जायेगा। व्यापारी नरेश गोयल ने मण्डी समिति के निकट चिलकाना रोड पर अतिक्रमण की ओर ध्यान दिलाया। जिस पर नगरायुक्त ने अतिक्रमण प्रभारी को चिलकाना रोड पर भी अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो वेंडर चिलकाना रोड पर बनाये गए वेंडिंग जोन में शिफ्ट नहीं हो रहे है उन्हें पहले वहां स्थानांतरित करने के लिए कहा जाए और यदि स्थानांनतरित नहीं होते हैं तो उनके आवंटन रद्द कर दिए जाएं। इसके अलावा व्यापारियों ने चिलकाना रोड, दिल्ली रोड, रायवाला, जनता रोड की समस्याओं तथा दालमण्डी पुल के निकट बने पुलों आदि की समस्याओं को उठाया। नगरायुक्त ने उनके निदान का आश्वासन दिया। गत बैठक में उठाये गए बिंदुओं के सम्बंध में स्क्रीन पर फुटेज दिखाते हुए की गयी कार्रवाई से भी व्यापारियों एवं उद्यमियों को अवगत कराया।

कम्पनी बाग शौचालय की अव्यवस्था के सम्बंध में अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने बताया कि शौचालयों का संचालन करने वाली एजेंसी को नोटिस दिया गया है और दो सफाई निरीक्षकों का वेतन रोकने के अलावा उन्हें प्रतिकूल प्रविष्टि देने के साथ ही उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। सभी उद्यमियों एवं व्यापारियों ने नगर निगम कार्यप्रणाली की सराहना की। बैठक में मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. एएस मलिक, पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा, अधिशासी अभियंता आलोक श्रीवास्तव व वी बी सिंह, सहायक नगरायुक्त शिवराज सिंह, एई स्वप्निल जैन, अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा, जेडएसओ राजीव चौधरी सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

संविधान को बदलना चाहती है भाजपाः अखिलेश

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकारों पर आरोप लगाया कि वह लोगों की सुनना नहीं चाहते है, सिर्फअपनी सुनना चाहते है तथा यह देश प्रदेश को संविधान से नहीं, बल्कि मन विधान से चलाना चाहते है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश व प्रदेश में अल्पसंख्यकों को सम्मान से रखना चाहिए, उनका विश्वास जीते, इस तरह का व्यवहार देश और प्रदेश में अल्पसंख्यकों के साथ होना चाहिए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज यहां एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आये हुए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि संविधान निर्माता डॉ.अम्बेडकर के खिलाफ इस सरकार द्वारा इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है। हम लोग बाबा साहब के संविधान को मानने वाले लोग हैं। बाबा साहब के बने संविधान से हम सभी को जो सम्मान मिला है, लेकिन उनके सम्मान में जिस भाषा का प्रयोग हुआ है। उन्होंने कहा कि

यह वही लोग हैं जो संविधान को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र वह है, जो हम लोगों की बात सुने। हर इंसान को जोड़कर लोकतंत्र बनता है। लेकिन यह लोग मन विधान से चल रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी की हालत इससे भी खराब है। हमारे मुख्यमंत्री की भाषा इतनी खराब है कि वह शायद डेमोक्रेटिक नहीं है। यह सम्मान की भाषा नहीं लगती है। राइट टू स्पीच है तो हमें राइट टू सम्मान की भी बात करनी पड़ेगी। भाषा का इस्तेमाल ऐसा होना चाहिए जिससे सम्मान हो। वही स्थिति आज बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यूपी के किसी भी सीएचसी पीएचसी में गरीब को इलाज नहीं मिल पा रहा है। इसके साथ ही सरकार प्राइमरी स्कूल भी बंद करने जा रही है। जितनी लापरवाही इस सरकार में देखने को मिल रही है, इतनी लापरवाही आज तक किसी भी सरकार में देखने को नहीं मिल रही है। संभल हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि देश को तरक्की और खुशहाली में लाने के लिए हम लोग रास्ते खोजते हैं। हम लोग खोदने वाले नहीं हैं, हम लोग नए रास्ते खोजने वाले हैं। हम ऐसे रास्ते खोजना चाहते हैं, जिससे हमारा देश मजबूत हो। जहां तक की संभल की घटना का सवाल है जब भी जांच होगी, तब सरकार कटघरे में होगी। अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें यह नहीं पता कि दूसरा दल किसके साथ खड़ा है। वन नेशन वन इलेक्शन, वन नेशन वन राशन। इनका इलाज एक ही है वह है वोट। हमारी रीजनल पार्टी की अपनी एक वैल्यू है। जो प्रदेश बने थे वह कहीं ना कहीं सूझबूझ के साथ बनाए गए थे। यह हमारी आइडेंटिटी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हमारी आइडेंटिटी बची रहे, इसलिए फेडरल सिस्टम है। इसराइल और फिलीस्तीन को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री इस बात को मान रहे हैं कि यहां का युवा इसराइल और फिलिस्तीन में जाकर नौकरी कर रहा है व गरीब बच्चे अपना घर परिवार छोड़कर अपने सगे संबंधियों और बच्चों को छोड़कर किन परिस्थितियों में क्या नौकरी कर रहे होंगे। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी कौने में आप चले जाएं, लेकिन जो नौकरी आप अपने घर के पास काम करके सम्मान पा सकते हैं वह दूसरे कौने में नहीं पा सकते हैं।

बिना अनुमति थाईलैंड-नेपाल घूमना पड़ा भारी, आगरा के डीआईजी स्टांप निलंबित

अवधनामा संवाददाता

आगरा। अधिकारी चाहे कोई हो या किसी भी पद पर हो। योगी सरकार में अनुशासनहीन बर्दास्त नहीं किए जाते, यह कहना शायद गलत नहीं होगा। दरअसल आगरा मंडल के डीआईजी (उप महानिरीक्षक) स्टांप राम अकबाल सिंह को शासन ने बिना अनुमति थाईलैंड और नेपाल की सैर करने पर निलंबित कर दिया है। स्टांप एवं निबंधन विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने निलंबन का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में उन्हें मुख्यालय प्रयागराज से संबद्ध किया गया है। जानकारी अनुसार, आगरा में तैनात राम अकबाल सिंह ने शासन से बिना परमिशन लिए विदेश यात्राएं कीं। इस मामले में अगस्त 2024 में उन्हें हटाया गया था। इसके बाद राम अकबाल सिंह इस कार्रवाई के विरुद्ध हाईकोर्ट चले गए, जहां से उन्हें स्टे मिल गया। मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी ने भी शासन को शिकायत भेजी थी। अब राम अकबाल सिंह पर जांच में सहयोग नहीं करने और पासपोर्ट जमा नहीं करने को लेकर कार्रवाई की गई है। विदेश यात्रा में पासपोर्ट महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है जिसके खो जाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई जाती है। लेकिन, डीआईजी ने जांच अधिकारी को पासपोर्ट उपलब्ध नहीं कराया और न ही खोने की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं। जिसके बाद यह कार्यवाही हुई। बता दें कि 31 दिसंबर को राम अकबाल सिंह सेवानिवृत्त होने वाले थे। निलंबन के बाद भी डीआईजी स्टांप पर बैक डेट में स्टांप कमी के मामलों का निस्तारण करने के आरोप हैं। शासन ने डीआईजी स्टांप को सरकारी सेवक आचरण नियमावली के उल्लंघन का दोषी माना।

भारतीय हिन्दू महासभा द्वारा हनुमान मंदिर में आरती संग्रह पुस्तिका वितरण कार्यक्रम आयोजित

आगरा। भारतीय हिन्दू महासभा द्वारा लंगड़े की चौकी हनुमान मंदिर में आरती संग्रह पुस्तिका वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर के महंत गोविंद गुरु जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान तकरीबन 850 आरती संग्रह पुस्तिका वितरित करी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण कोहली का कहना है कि सनातन धर्म एवं हिन्दू धर्म को एकजुट करने के लिए एवं ईश्वरीय प्रेम आस्था जगाने के लिए आगरा के समस्त मंदिरों में एवं घर घर पद यात्रा के माध्यम से आरती संग्रह पुस्तिका वितरित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण कोहली, कुमार पुष्कर, मनोज चौधरी, राकेश चौधरी, नाथू राम , अवनीश , अजय आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दिलायी पर्यावरण संरक्षण की शपथ

सहारनपुर। पायस एजुकेशनल ग्रुप द्वारा संचालित पीजी पायस इंटर कॉलेज एवं मोन्ट फोर्ट स्कूल के विद्यार्थियों ने पर्यावरण जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से कंपनी बाग का भ्रमण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।

भ्रमण के दौरान कम्पनी बाग की उपनिदेशक श्रीमती पूजा ने पेड़ पौधो के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि संपूर्ण विश्व ग्लोबल वार्मिंग से गुजर रहा है और इससे बचाव का एकमात्र रास्ता पेड़ पौधे लगाना है हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे अपने आसपास लगाने चाहिए। उन्होंने बच्चों को उद्यान में लगे हुए मुगलकालीन 300 साल पुराने साइकस के पेड़, चंदन, कपूर व रुद्राक्ष के पेड़ों को दिखाकर उनके संबंध में जानकारी प्रदान की। प्रबंधक पंकज गर्ग ने कहा कि आज समय की आवश्यकता है कि हमें अपने आसपास ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त रखना है।

आगरा में नहीं रुक रही पुलिस की वसूली, 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

अवधनामा संवाददाता

आगरा। आगरा कमिश्नरेट में पुलिस की वसूली पर रोक नहीं लग पा रही है। अब कमिश्नरेट पुलिस पर एक बार फिर वसूली के आरोप लगे हैं। कुछ दिन पूर्व ही हमारे समाचार पत्र द्वारा थाना एत्मादपुर क्षेत्र की छलेसर चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल द्वारा कटान को जा रही पशुओं की गाड़ियों से अवैध वसूली का खुलासा किया गया था। इस बार शाहगंज थाने के दरोगा समेत 4 पुलिसकर्मियों ने रेस्टोरेंट में युवक संग खाना खाने पहुंची किशोरी को पकड़ लिया। पुलिसकर्मी दोनों को पुलिस चौकी ले गए। जहां पर करीब 4 घंटे तक अवैध हिरासत में रखा। किशोरी को रेस्टोरेंट लाने पर युवक को जेल भेजने की धमकी दी। डरा धमका कर युवक से 11 हजार रुपये वसूल लिए। वसूली का मामला आगरा पुलिस कमिश्नर और डीसीपी सिटी तक पहुंचा तो महकमे में खलबली मच गई। डीसीपी सिटी सूरज राय ने प्रशिक्षु आईपीएस को जांच दी। प्रारंभिक जांच में पुलिस पर लगे वसूली और अवैध हिरासत में लेने के आरोप सही पाए गए। जिस पर डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने सोमवार देर रात चौकी पर तैनात एक दारोगा, मुख्य आरक्षी और दो सिपाही निलंबित कर दिए। बाद में इन चारों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया।

बता दें कि मामला शाहगंज थाना का सोमवार दोपहर दो बजे का है। सराय ख्वाजा चौकी पर तैनात दारोगा जितेंद्र सिंह, मुख्य आरक्षी जावेद और आरक्षी आकाश व किशोर सोमवार दोपहर जैक एंड जिल रेस्टोरेंट पहुंचे। जहां खाना खाने पहुंचे नगला मोहन के तुफैल और किशोरी को पकड़ लिया। पुलिस ने तुफैल और किशोरी से कहा कि अपने माता-पिता को फोन करके बुलाएं। इससे युवक और किशोरी डर गए। जिसके बाद पुलिस दोनों को सराय ख्वाजा चौकी पर ले आई। पुलिसकर्मियों ने तुफैल को धमकाया। कहा कि नाबालिग के साथ खाना खाने क्यों आया था। अब जेल जाएगा। जेल भेजने की धमकी से तुफैल डर गया। ये देखकर पुलिसकर्मियों ने धमकी देकर उससे बड़ी रकम की डिमांड की। उसे घंटो तक पुलिस चौकी पर अवैध हिरासत में रखा और धमकाकर पुलिसकर्मियों ने 11 हजार रुपये वसूल कर छोड़ दिया।

जानकारी अनुसार डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय के पास सोमवार शाम पुलिस चौकी पर युवक को अवैध हिरासत में रखने और वसूली का मामला पहुंचा। एक व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज करके पुलिसकर्मियों की वसूली की पूरी घटना की जानकारी दी। जिस पर डीसीपी सिटी सूरज राय ने मामले की जांच प्रशिक्षु आइपीएस आलोक राज नारायण को सौंपी। प्रशिक्षु आईपीएस आलोक राज नारायण की प्रारंभिक जांच में घटना की पुष्टि हुई।

डीसीपी सिटी सूरज राय के पास शिकायत पहुंचने पर आरोपी पुलिसकर्मी हरकत में आ गए। जांच अधिकारी की रिपोर्ट पर डीसीपी सूरज कुमार राय ने दारोगा जितेंद्र कुमार, मुख्य आरक्षी जावेद, आरक्षी आकाश और किशोर को निलंबित कर दिया। डीसीपी सूरज राय ने बताया कि प्रकरण की विस्तृत जांच एसीपी सदर विनायक भोसले को दी गई है। चारों पर शाहगंज थाने में मुकदमा भी दर्ज किया गया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

आगरा कमिश्नरेट पुलिस पर दाग पहली बार नहीं लगा है। पहले करोड़ों की जमीन पर कब्जा बोदला जमीन कांड में पुलिस फंस चुकी है। जिसमें तत्कालीन एसओ जितेंद्र कुमार को जेल भेजा गया था। बिल्डर सहित अन्य पर मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके साथ ही शाहगंज पुलिस पर टप्पेबाजों को छोड़ने के आरोप लगे थे। इसके बाद सिपाही पर जुआ लूटने का आरोप लगा था। वही कुछ दिन पूर्व ही हमारे समाचार पत्र द्वारा थाना एत्मादपुर क्षेत्र की छलेसर चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल द्वारा कटान को जा रही पशुओं की गाड़ियों से अवैध वसूली का खुलासा किया गया था और अब ये मामला सामने आया है।

जाम की समस्या के दृष्टिगत मुख्य मार्गों का अतिक्रमण हटायें : डीएम

अवधनामा संवाददाता

- जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न
- शुकरूल्लापुर ओवरब्रिज की कमियां तत्काल करें दूर

फर्रुखाबाद। डा वीके सिंह, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की गयी। एआरटीओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत द्वारा समिति को बताया गया कि माह नवम्बर 2024 में 41 सड़क दुर्घटनाओं में 25 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है तथा 37 व्यक्ति घायल हुये हैं, जबकि माह नवम्बर 2023 में 19 सड़क दुर्घटनाओं में 11 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी तथा 04 व्यक्ति घायल हुये थे।

क्रमिक रूप से माह नवम्बर 2024 तक 354 सड़क दुर्घटनाओं में 190 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है तथा 273 व्यक्ति घायल हुये हैं, जबकि माह नवम्बर 2023 तक 362 सड़क दुर्घटनाओं में 181 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी तथा 238 व्यक्ति घायल हुये थे। जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक दुर्घटना के कारणों का विश्लेषण करने के निर्देश पुलिस विभाग एवं एआरटीओ को दिये गये। नवम्बर माह में सड़क दुर्घटना में अत्यधिक बढ़त को देखते हुये सभी सम्बन्धित विभागो को सुरक्षात्मक दृष्टि से तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

शुकरूल्लापुर ओवरब्रिज की जांच हेतु गठित समिति द्वारा आख्या में बिन्दुवार अंकित कमियो को दूर करने के तत्काल निर्देश ब्रिज कार्पोरेशन के अधिकारियों को दिये गये साथ ही सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित सुझाये गये उपायों को तत्काल अमल में लाये जाने के निर्देश जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा बरेली इटावा हाईवे पर चैनेज 44 में संकरी पुलिया पर सुरक्षात्मक दृष्टि से एन0एच0ए0आई0 द्वारा कराये गये कार्य का सत्यापन एन0एच0ए0आई0 एवं सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को संयुक्त रूप से करने के निर्देश दिये गये। पांचाल घाट पुल के निकट बरेली इटावा हाइवे पर 100-150 मी0 अवशेष कार्य को तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। लोक निर्माण विभाग एवं एन0एच0ए0आई0 को निर्देशित किया गया कि शीत ऋतु एवं कोहरे के दृष्टिगत सभी मार्गों पर जंक्शन पर सुरक्षात्मक दृष्टि से अवशेष रह गयी सुधारात्मक कार्यवाही को आगामी 15 दिवस में पूर्ण कराया जाये। जनपद में जाम की समस्या के दृष्टिगत मुख्य मार्ग पर नगर पालिका क्षेत्र में, मुख्य चौराहों के निकट, मसेनी चौराहे एवं सेन्ट्रल जेल चौराहे के निकट नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग एवं एन0एच0ए0आई0 की जमीन पर जहाँ-जहाँ अतिक्रमण है उसको तत्काल दूर कराने के निर्देश दिये गयें। जनपद के सभी चौराहों पर सुधारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य कराने के निर्देश लोक निर्माण विभाग एवं नगर पालिका को दिये गये।

अब अलीगढ़ के मुस्लिम बहुल इलाके में सालों पुराना मंदिर मिला

अलीगढ़ अवधनामा संवाददाता। अलीगढ़ के बन्ना देवी थाना क्षेत्र के सराय रहमान इलाके में एक मंदिर जर्जर अवस्था में मिला है। बताया जा रहा है कि यह मंदिर सालों से बंद पड़ा था। हाल ही में प्रशासन की देखरेख में दोबारा खोला गया है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और लगभग 45 सालों से भी अधिक पुराना बताया जा रहा है। मंदिर के आसपास मुस्लिम समुदाय के घर होने की वजह से यह मामला धार्मिक और सामाजिक संवेदनशीलता का विषय बन गया था. स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मंदिर सालों से बंद था। इस मंदिर के आसपास का इलाका मुस्लिम बहुल है और समय के साथ मंदिर उपेक्षा का शिकार हो गया। करणी सेना और हिंदूवादी संगठनों ने आरोप लगाया कि मंदिर के आसपास के क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के जरिये अवैध कब्जा किया गया है। मंदिर के लंबे समय से बंद होने और इसके आसपास की भूमि पर मुस्लिम आबादी होने को लेकर हिंदूवादी संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया. हिंदूवादी संगठनों का आरोप है कि मंदिर की कथित मूल भूमि पर कब्जा किया गया है। हिंदूवादी संगठनों ने आरोप लगाया कि मंदिर की जानबूझकर उपेक्षा की गई, जिससे यह समुदाय के धार्मिक महत्व को कम कर सके।

इमामबाड़ा मुस्लिम गर्ल्स इण्टर कालेज में जलसा मिलादुन्नबी का हुआ आयोजन

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। इमामबाड़ा मुस्लिम गर्ल्स इण्टर कालेज में जलसा मिलादुन्नबी आयोजित किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती गज़ाला शाह रही। प्रधानाचार्या आयशा हक एवं गाइड की कलर पार्टी द्वारा अपने विशेष अतिथि का शानदार स्वागत किया गया। किरअत से मीलाद का आगाज़ हुआ। विद्यालय की छात्राओं और शिक्षिकाओं ने बढ़ चढ़ कर भागीदारी निभाई, सलाम और दुआ के बाद मीलाद खत्म हुई। आखिर में छात्राओं और मेहमानो ने विद्यालय की छात्राओं द्वारा लगाए गये स्टाल पर खाने की चटपटी वस्तुओं का स्वाद लिया। प्रधानाचार्या श्रीमती आयशा हक ने कहा कि प्रोग्राम को आयोजित करने के पीछे मकसद है कि दुनियावी तालीम के साथ दीनी तालीम में भी छात्राएं दिलचस्पी ले और दीन की रोशनी में अपने मुस्तकबिल को बेहतर बनाएं।

हरिवंशपुर के शिक्षकों ने किया सम्मानित

पौली अवधनामा संवाददाता। पौली विकास क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय हरिवंशपुर में मंडलीय बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को विद्यालय में शिक्षकों ने स्वागत कर सम्मानित किया। विद्यालय के बच्चे योगासन और सौ मीटर की दौड़ में सिद्धार्थनगर को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा बनाया। योगासन में प्रवीण कुमार, अरुण कुमार, हरिओम, प्रियांशू, अखिलेश, राज और रामवीर शामिल रहे। विद्याल के होनहार छात्र हरिओम ने 100 मीटर की दौड प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक व 200 मीटर की दौड में कास्य पदक जीत कार पौली ब्लाक का नाम रोशन किया। टीम इंचार्ज व विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनीराम मौर्य ने बच्चों को मिठाई खिला कर उत्साह बर्धन किया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि बच्चे अब प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी में जुट गए है। पढ़ाई के साथ-साथ तैयारी भी कर रहे है। शिक्षक भागवत प्रसाद गौड़, बशिष्ठ कुमार, दीपक कुमार व राजपती ने भी बच्चों का उत्साह बर्धन किया।

छात्राओं ने चलाया स्वास्थ्य शिक्षा प्रसार अभियान

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में बेसिक बीएससी नर्सिंग सातवीं सेमेस्टर में अध्ययनरत छात्राओं ने ओंकार नगर, सोनबरसा बालापार में सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा प्रसार अभियान चलाया। छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो मॉडल और चार्ट प्रस्तुति की मदद से घर में दुर्घटनाओं की रोकथाम, परिवार नियोजन, वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम पर स्वास्थ्य शिक्षा दी। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि रसोई में आग और गर्म बर्तनों से बचाव के लिए बच्चों को रसोई से दूर रखें। गैस का पाइप सही तरीके से जुड़ा हुआ हो और आग बुझाने वाला यंत्र पास में रखें। घर में बिजली के तारों और उपकरणों को नियमित रूप से चेक करें। परिवार नियोजन के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए छात्राओं ने बताया कि परिवार नियोजन का उद्देश्य परिवार के आकार को नियंत्रित करना और स्वस्थ जीवन जीने के लिए उचित समय पर संतान की योजना बनाना है। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए बताया कि घर मे और आसपास सफाई रखें। मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें।अभियान के दौरान शिक्षिकाओं खुशबू, गरिमा, श्रद्धा और हर्षिता ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

हत्या में पुलिस ने महिला के दो भाइयों को पकड़ा

उरई (जालौन)। ग्राम खजुरी के पास माइनर में अज्ञात महिला का शव का कोतवाली पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या में पुलिस ने महिला के दो भाइयों को पकड़ा है जबकि पति फरार है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त बांका, शव को माइनर में फेंकने के लिए ले जाने में प्रयोग किये गए ऑटो व महिला का मोबाइल बरामद किया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खजुरी गांव के पास माइनर में एक महिला का शव मिला था। महिला के शव की शिनाख्त ज्योति बेलदार (35) पत्नी अमित कुमार निवासी गणेशजी के रूप में की गई थी। महिला की शिनाख्त होने के बाद पुलिस हत्या के मामले को तलाश रही थी। घटना का खुलासा करते हुए एएसपी प्रदीप कुमार ने बताया कि मृतका के पति अमित को पत्नी ज्योति के चरित्र पर शक था। जिसके बाद उसने पत्नी के भाई रामप्रकाश व जीतेन्द्र उर्फ जीतू पुत्रगण मानसिंह निवासी उमरारखेड़ा उरई के साथ मिलकर 7 व 8 दिसंबर की रात को ज्योति की हत्या कर दी थी।

धर्म समाज महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सत्र 2024-25 के तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। दिनांक 18 दिसंबर 2024 को धर्म समाज महाविद्यालय अलीगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना के सत्र 2024-25 के तृतीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन राय वद्रीप्रसाद भवन के कमरा संख्या 13 में किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों ,कार्य प्रणाली आदि के बारे में विस्तार से सभी स्वयंसेवकों व सेविकाओं को बताया गया। साथ ही आज के शिविर का मुख्य लक्ष्य सरकार की मिशन शक्ति योजना , माय भारत योजना, विकसित भारत योजना तथा अन्य योजनाओं के प्रति जागरूक करना था।

आज के शिविर में भारत सरकार के नीति आयोग से पंजीकृत संस्था एक्स्क्लेयर स्किल एण्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन जोकि सरकार की मत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति को साकार करने के लिए कार्य कर रही है ने प्रतिभाग किया और शिविर में प्रतिभाग करने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवकों व सेविकाओं को रोजगार के प्रति प्रेरित किया। सर्वप्रथम प्राचार्य प्रो मुकेश कुमार भारद्वाज ने आज के शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी को सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक किया। महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ शरद चौहान , शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ सचिन वर्मा वाणिज्य विभाग के डॉ गिरीश वार्ष्णेय ने भी सरकार की योजनाओं के बारे में अपने-अपने विचार रखे। नीति आयोग से पंजीकृत संस्था ए एस डी एफ एन जी ओ के ट्रस्टी महावीर ट्रेनिंग कोच अनूप कुमार विष्ट मिशन शक्ति योजना के प्रति जागरूक करते हुए अपनी संस्था के द्वारा प्रदान की जा रहे शादी अनुदान, कन्या जन्म अनुदान, गरीब परिवार अनुदान, विधवा पेंशन अनुदान आदि के बारे में विस्तार से बताया। प्रतिभाग करने वाले सभी स्वयंसेवकों व सेविकाओं आज के शिविर में मत्वपूर्ण सहयोग रहा। आज के कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका तनु चौधरी ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजीव कुमार शर्मा, डॉ कृष्ण कुमार व डॉ रेखा तौमर ने आज के शिविर में प्रतिभाग करने वाले सभी अतिथियों व स्वयंसेवकों व सेविकाओं का धन्यवाद अदा किया।

कार्यदायी संस्था पर भड़के कर्मियों ने दिया धरना

अंबेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। नगर पालिका अकबरपुर में 12 वार्ड में कूड़ा उठान करने वाली निजी संस्था के कर्मी मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर आंदोलन पर उतर गए। 50 से अधिक कर्मचारी कई सभासदों के साथ कलेक्ट्रेट के निकट 11 सूत्री मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए।शहर के 25 वार्ड में से 10 वार्डों के हर घर से कूड़ा एकत्र कराने की जिम्मेदारी निकाय प्रशासन ने वेद एसोसिएट झांसी की संस्था को दे रखा है। इसके एवज में उसे हर माह तीन से चार लाख रुपये का भुगतान भी होता है। कर्मचारियों का आरोप है कि संस्था ने चार घंटे प्रतिदिन कार्य लेने की बात कहकर उन्हें नौकरी दी थी। अब ऐसा न करके सुबह छह बजे से 12 बजे तक कूड़ा एकत्र करने का कार्य लिया जाता है। इसके बाद तीन बजे तक सूखा और गीला कूड़ा पृथक कराने का काम लिया जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक की ओड़वारा नवीनीकृत शाखा का उद्घाटन

बस्ती अवधनामा संवाददाता। मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती एवं एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड अजय गुप्ता ने बैंक की ओड़वारा नवीनीकृत (मॉडिफाइड) शाखा का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक पंकज चौधरी, क्षेत्रीय प्रबंधक करूणा सागर त्रिपाठी, शाखा प्रबंधक बस्ती संतोष शुक्ला आदि मौजूद रहे। इससे पहले शाखा प्रबंधक एवं जोनल हेड ने पुष्पगच्छ भेंट कर मुख्य राजस्व अधिकारी का स्वागत किया। शाखा प्रबंधक ने ग्राहकों को बैंक की सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा उच्चकोटि की सेवाओं के लिये देशभर में एचडीएफसी एक भरोसेमंद ब्राण्ड है। यहां के संतुष्ट ग्राहक ही बैंक की लोकप्रियता का प्रमाण हैं। उन्होने इस अवसर पर आये तमाम अतिथियों के प्रति आभार जताया। जोनल हेड अजय गुप्ता ने बताया कि एचडीएफसी के पास संतुष्ट ग्राहकों का एक बड़ा समूह है। वे हमें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

बिजली विभाग के ठेकेदार द्वारा खुले ट्रांसफार्मरों के आसपास सेम ईटों का प्रयोग कर बनाई जा रही दीवारें दुर्घटनाओं को जन्म देने की ओर अग्रसर

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद की कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र स्थित जिला अस्पताल के अलावा कई जगह अन्य स्थानों पर बिजली विभाग के ठेकेदार द्वारा से सेम ईंटों का खुलेआम प्रयोग किया जा रहा है इसके अलावा खुले ट्रांसफार्मरों से बढ़ रही दुर्घटनाओं के लिए ट्रांसफार्मरों के चारों तरफ दीवार खड़ी कर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बिजली विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से काम कराया जा रहा है जिसमें ठेकेदार अपनी मन मर्जी मुताबिक ईंटों का इस्तेमाल कर दुर्घटनाओं को रोकने के बजाए नई घटनाओं को जन्म दे रहे हैं जिम्मेदार अधिकारी मामले से पुरी तरह अनजान बने हुए हैं आपको बताते चलें कि शहर में खुले ट्रांसफार्मरों के चारों तरफ दीवार खड़ी कर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए काम चल रहा है जिसमें घटिया सामग्री प्रयोग की जा रही है जिस तरह से ठेकेदार काम कर रहे हैं उससे तो यही प्रतीत होता है कि कभी भी दीवारें गिर सकती हैं और कोई भी घटना घटित हो सकती है जब मामले की पड़ताल की गई तो पता चला कि ठेकदार पर किसी अधिकारी का कोई अंकुश नहीं है वह धड़ल्ले से सेम ईंट, बालू का उपयोग कर रहे हैं और तो और दीवार खड़ी करने के लिए कोई एक फूट नींव तक नहीं खोदी जा रही है आखिर नींव ना होने पर दीवार कैसे रुकेगी ये तो भगवान ही जाने।

जनपद में 17 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है

बस्ती। आगामी 22 दिसम्बर (रविवार) को लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पी.सी.एस. (प्रारम्भिक) परीक्षा 2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में उक्त निर्देश देते हुए उन्होने जनपद के संबंधित अधिकारियों एवं केन्द्र व्यवस्थापक से कहा कि लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाये । उन्होने बताया कि जनपद में कुल 17 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है तथा 17-17 सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गये है। उन्होने सभी सेक्टर/स्टैटिक मजिस्टेउटो को अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया हैं।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज की टीम के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

अवधनामा संवाददाता

- कॉलेज के शुरुआती सत्र में ही वाह्य विशेषज्ञ के बगैर डॉक्टरों ने की जटिल माउथ कैंसर की सफल सर्जरी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) ने कॉलेज संचालन के शुरुआती दौर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की आंतरिक टीम ने किसी वाह्य विशेषज्ञ के बगैर, माउथ कैंसर से पीड़ित एक मरीज की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक करके उसे नवजीवन दिया है। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज की इस उपलब्धि का सबसे बड़ा लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही बिहार और नेपाल तक के मरीजों को मिलेगा, अब उन्हें कैंसर की जटिल सर्जरी के लिए बड़े महानगरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। माउथ कैंसर की जटिल सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले कैंसर सर्जन डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि खलीलाबाद के रहने वाले राममिलन का माउथ कैंसर काफी गंभीर स्थिति में पहुंच गया था। उनके जबड़े में ट्यूमर भी बन गया था। कैंसर का असर गर्दन तक पहुंचने लगा था। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा के निर्देश पर राममिलन को गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। जरूरी प्रारंभिक जांचों के बाद बुधवार को मरीज के जबड़े की हेमीमैंडीब्युलेक्टोमी की गई। साथ ही रेडिकल नेक डिससेक्शन, पेक्टोरेलिस मेजर मायोक्यूटनेस फ्लैप, ट्रेकेस्टोमी प्रक्रिया के साथ करीब तीन घंटे तक चली सर्जरी में मरीज का विकार दूर कर दिया गया। डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि मरीज माउथ कैंसर के एडवांस स्टेज में था। सर्जरी के बाद मरीज को एक तरह से नया जीवन मिल गया है। सर्जरी करने वाली टीम में एनेस्थीसिया की विशेषज्ञ डॉ. नेहा पंवार और ईएनटी सर्जन डॉ. आकांक्षा रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जबकि ऑपरेशन थिएटर के इंचार्ज दीपक पाठक, शुभ पांडेय, माधुरी साहनी और अरविंद चौरसिया ने पूरी मुस्तैदी से डॉक्टरों की टीम को मदद पहुंचाई।

सूचना

मैं मुरसलीन पुत्र यासीन नि. माटकी झरौली, बेहट रोड़, थाना बेहट, जिला सहारनपुर अपने पुत्र शौकीन के गलत आचरण और संगत से तंग आकर उसे अपनी कुल चल अचल संपत्ति से बेदखल कर उससे सभी संबंध विच्छेद कर रहा हूं। मेरा परिवार भी शौकीन के कुकृत्य से तंग आकर उससे पूर्ण रूप से अलग है। भविष्य मैं अपने किसी भी कार्य और लेन देन हेतु शौकीन खुद ही ज़िम्मेदार होगा।

सूचना

मैं जोगिंद्र सिंह पुत्र पूर्ण चंद नि. शिव कॉलोनी, छुटमलपुर, देहरादून रोड़, थाना फतेहपुर, जिला सहारनपुर अपने पुत्र रजत चौधरी एवं पुत्र वधु श्रीमति दीपांशी के रोज़ रोज़ के झगड़े और गाली गलौज से तंग आ गया हूं। दोनों मेरे कहने सुनने में नहीं रहे। अतः दोनों से अपने सभी संबंध विच्छेद कर उन्हें अपनी कुल चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं भविष्य मैं अपने किसी भी कार्य और अपने लेन देन हेतु वोह दोनों खुद ज़िम्मेदार होंगें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय सिंह को पत्रकारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कायमगंज / फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय सिंह कुशवाहा दिनांक 08/12/2024 को आकस्मिक निधन हो गया था। कायमगंज स्थित बंधन गेस्ट हाउस में शमसाबाद, कम्पिल व कायमगंज के लगभग आधा सैकड़ा पत्रकारों ने शोक सभा में विनय सिंह कुशवाहा के पत्रकारिता जीवन पर प्रकाश डालते हुए नम आंखों के साथ उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। सभी दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की कि उनके परिवारिजनों को दुःख सहन करने की क्षमता प्रदान करें। कार्यक्रम में पहुंचे उनके भाई अनुराग एवम् मनोज ने कहा कि मुझे भाई खोने का दुःख है लेकिन आज यह एहसास भी हुआ है कि मेरे भाई ने परिवार की जिम्मेदारी के साथ - साथ जो वट वृक्ष रोपा है वह वास्तव में बहुत विशाल है। आप लोग इस वृक्ष की देखभाल करते रहे। जहां भी मेरा सहयोग होगा मैं अपने भाई की भांति आपके साथ रहूंगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार महेश वर्मा, संजय शर्मा,महेश वर्मा शमसाबाद, मधु सूदन अरोरा,ताहिर खा बज्जू,मोहन लाल गौड़, मनोज जौहरी, विनय सक्सेना, यतेन्द्र मिश्रा, फहमी,रियाज खान, आतिफ, जमाल अली, आदिल अमान, शाहनवाज खान,ज्ञानचंद्र राजपूत, रोहित गंगवार, सोनू मिश्रा, शिसैन अली, रईस इदरीसी , जन्मेजय द्विवेदी, अनुराग गंगवार, सुचित वर्मा, अरविंद कुमार, अनिल शर्मा, सुधीर कुमार शाक्य, जितेन्द्र तिवारी,उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष सुबोध गुप्ता उर्फ मंशाराम एवं ऑल इंडिया मीडिया क्लब राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व 4टीवी जिला संवाददाता एवं हिन्दी/उर्दू दैनिक अवधनामा ब्यूरो चीफ ब्यूरो समीउल्लाह खान एवं हिंदी दैनिक रीडर मैसेंजर के शोएब हुसैन हिंदी दैनिक प्रभत भेदी ब्यूरो चीफ अल्ताफ उल्ला खान हिंदी दैनिक ई एन आई ब्यूरो चीफ अंकित कुमार मिश्रा बीबीसी लंदन टीवी चैनल एम ए इदरीशी सहित लगभग आधा सैकड़ा पत्रकारों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

ओवरटेक करने के चक्कर में दो ऑटो की टक्कर

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। उरई मार्ग पर ओवरटेक करने के चक्कर दो ऑटो में टक्कर हो गई। हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हो गए हैं। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें उच्च संस्थान रेफर किया गया है। शाम को करीब चार बजे दो ऑटो जालौन से उरई की ओर जा रहे थे। उरई जालौन मार्ग पर अकोढ़ी दुबे के पास तेज गति से ओवरटेक करने के चक्कर में दोनों में भिड़ंत हो गई। जिसमें ऑटो सवार खितौनी (35) पत्नी माखन निवासी कुसमरा, माखन (40) पुत्र नत्थू निवासी कुसमरा, रमाशंकर पांडेय (55) पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी जीपुरा, हेमादेवी (50) पत्नी प्रमोद कुमार निवासी सुशील नगर उरई, सौरभ पुत्र प्रमोद कुमार निवासी सुशील नगर उरई, नैतिक (15) पुत्र देवेन्द्र व वंदना (30) पत्नी देवेन्द्र निवासीगण कछोरन घायल हो गये। घटना की सूचना पुलिस मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी।

कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक : 799(ii)/न0पं0कपि0सि0नगर/2024-25 दिनांक : 17-12-2024

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर में नगरीय झील/तालाब/पोखर संरक्षण योजना के अन्तर्गत शासनादेश सं0-423/2024/नौ-5-2024/001.Com.No.1871415-NP, नगर विकास अनुभाग-5, दिनांक 25 नवम्बर 2024 एवं सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत शासनादेश संख्या-418/2024/ नौ-5-2024/001. Comp. No. 1871403 नगर विकास अनुभाग- 5 लखनऊ दिनांक 25 नवम्बर, 2024 के क्रम में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति की धनराशि से नगर पंचायत कपिलवस्तु जनपद सिद्धार्थनगर में निम्नलिखित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई-निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। निर्माण कार्य से संबंधित निविदा दिनांक 18.12.2024 से दिनांक 28.12.2024 तक आनलाईन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर पूर्वान्ह 11:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। ई-निविदा व अन्य के संबंध में निविदादाता कार्यालय समय में किसी भी कार्यदिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकतें हैं। उक्त निविदा दिनांक 28.12.2024 को पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद खोली जायेगी, जिसे संबंधित वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखा जा सकता हैं। जिसका विवरण निम्नवत है -

A	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	18.12.2024 अपरान्ह 01:00 बजे
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि/समय	18.12.2024 अपरान्ह 01:00 बजे से
C	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा/बिड अपलोड की तिथि/समय	18.12.2024 अपरान्ह 02:00 बजे से
D	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा/बिड अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	28.12.2024 पूर्वान्ह 11:00 बजे तक
E	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि/समय	28.12.2024 पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कपिलवस्तु
जनपद- सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत कपिलवस्तु
जनपद- सिद्धार्थनगर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास और निर्माण सम्बंधी योजनाओं की आयोजित हुई समीक्षा बैठक

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में विकास और निर्माण सम्बंधी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री कमाण्ड सेन्टर द्वारा जारी सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग के आधार पर विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदनों का सत्यापन और प्रचार-प्रसार बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग को सिल्ट सफाई की समीक्षा के लिए आदेश दिए और जल जीवन मिशन से जुड़े अधिकारियों को समय पर लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अस्पतालों में आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा, जिलाधिकारी ने सड़कों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण, निराश्रित गोवंश के लिए आश्रय स्थल सुनिश्चित करने और आईजीआरएस शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। बैठक में विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की समीक्षा भी की गई, जिसमें ऊर्जा, कृषि, जलापूर्ति, शिक्षा, और समाज कल्याण से जुड़ी योजनाओं का समावेश था। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

चीफ फार्मासिस्ट और तीमारदार के बीच विवाद, दवा काउंटर पर हुआ विवाद

अयोध्या। जिला चिकित्सालय में फार्मासिस्ट और तीमारदार के बीच एक विवाद सामने आया है, जहां चीफ फार्मासिस्ट ने तीमारदार के साथ अभद्रता की और दवा की पर्ची को फर्जी बता दिया। घटना में फार्मासिस्ट ने चिकित्सक द्वारा लिखी पर्ची को नकारते हुए तीमारदार को काउंटर से भगा दिया, जिससे मामला तूल पकड़ गया। घटना के अनुसार, ग्राम सरियावां निवासी समाजसेवी प्रमोद कुमार तिवारी अपनी पत्नी और बेटे का इलाज कराने जिला चिकित्सालय आए थे। उन्हें स्किन रोग विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी श्रीवास्तव ने दवा की पर्ची दी और काउंटर नंबर 4 से निःशुल्क दवा लेने को कहा। जब प्रमोद तिवारी काउंटर पर गए, तो चीफ फार्मासिस्ट प्रभा शंकर दूबे ने पर्ची पर डॉक्टर के हस्ताक्षर न होने की बात उठाई। इसके बाद प्रमोद तिवारी पुनः डॉक्टर के पास गए और पर्ची पर PS लिखवाकर वापस काउंटर पर आए, फिर भी फार्मासिस्ट ने दवा देने से इंकार कर दिया। इससे विवाद बढ़ गया, और तीमारदार और फार्मासिस्ट के बीच गाली-गलौज की स्थिति उत्पन्न हो गई। चिकित्सक डॉ. पल्लवी भी काउंटर पर पहुंची, लेकिन फार्मासिस्ट ने उनकी बात भी अनसुनी कर दी। इस बीच, फार्मासिस्टों की एकजुटता से स्थिति शांत कराई गई।आखिरकार, चीफ फार्मासिस्ट ने सीएमएस को पत्र लिखकर तीमारदार के खिलाफ कार्यवाही की मांग की और डॉक्टर के हस्ताक्षर की जांच की अपील की।

गोसाईगंज में 2 जोड़ी महाकुंभ स्पेशल ट्रेन का ठहराव दिए जाने पर सभासद ने रेल मंत्री का जताया आभार

अवधनामा संवाददाता

गोसाईगंज-अयोध्या। 10 जनवरी से 28 फ़रवरी तक चलने वाले कुंभ मेले में स्नान ध्यान के लिए आने जाने वाले रेल यात्रियों को कोई परेशानी न हो,इसके लिए रेल प्रशासन ने गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर अप/डाउन साइड की दो जोड़ी ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित किया है।दोनों गाड़ियों का ठहराव गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर दिए जाने पर गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं श्री सीताराम जी विराजमान मंदिर सेवा ट्रस्ट कस्बा दिलासीगंज की सदस्य श्रीमती आरती जयसवाल ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव सहित मुख्य परिचालन प्रबंधक बड़ोदरा हाउस नई दिल्ली का आभार व्यक्त किया है। 12 कोच वाली महाकुंभ स्पेशल ट्रेन 547 किमी0 की दूरी लगभग 12 घंटे में पूरी करते हुए 21 स्टेशनों पर रुकेगी व जंघई-जौनपुर-अकबरपुर-गोसाईगंज-अयोध्या धाम,सुल्तानपुर-मां बेल्हा धाम(प्रतापगढ)-होकर प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। गोसाईगंज स्टेशन अधीक्षक महेंद्र नाथ मिश्र ने बताया कि 10 जनवरी को गाड़ी संख्या 04111 सुबह 06 बजे प्रयागराज जंक्शन से चलकर रामबाग स्टेशन पर 0610 बजे, झुसी में-0628, हंडिया खास पर-0650, ज्ञानपुर रोड-सवा 7 बजे, माधो सिंह- 0733, बनारस-0810, भदोही- 0913, जंघई जं-0955, मडियाहूं-1033, जफराबाद जं0- 11 बजे, जौनपुर जं0-सवा 11 बजे, शाहगंज जं0-1155, अकबरपुर- 1248, गोशाईंगंज-दोपहर सवा 1 बजे, अयोध्या धाम जं0-2 बजे, अयोध्या कैंट जं0-ढाई बजे, सुल्तानपुर-साढ़े 3 बजे, प्रतापगढ़ जं0-साढ़े 4 बजे, मऊआइमा-सवा 5 बजे, फाफामऊ जं0-साम 6 बजे, प्रयाग जं0-1820 एवं प्रयाग राज जं0 पर साम-1850 पर जहां पहुंचेगी वहीं गाड़ी संख्या 04112 सुबह साढ़े 6 बजे प्रयागराज जंक्शन से चल कर प्रयाग जं0 पर 0643 बजे, फाफामऊ जं0-0655, मऊआइमा-0740, प्रतापगढ़ जं0-0825, सुल्तानपुर-0920, अयोध्या कैंट जं0-साढ़े 10 बजे, अयोध्या धाम जं0-1050, गोशाईंगंज- 1150, अकबरपुर जं0-1218, शाहगंज जं0- 1310, जौनपुर जं0-1350, जफराबाद जं0- 1408, मड़ियाहूँ-1435, जंघई जं0-साढ़े 3 बजे, भदोही- 1613, बनारस-साम 5 बजे, माधोसिंह-सवा 6 बजे, ज्ञानपुर रोड-1848, हंडिया खास-1948, झुसी-साम सवा 8 बजे, प्रयागराज रामबाग-रात साढ़े 8 बजे एवं प्रयागराज जं0 रात 9 बजे पहुंचेगी। एस एस श्री मिश्रा ने बताया कि दूसरी स्पेशल ट्रेन 04113 प्रयागराज जं0 से साम साढ़े 5 बजे चलकर वाराणसी 1940, जफराबाद 2240, शाहगंज 2335, गोसाईगंज रात 0055, अयोध्या कैंट रात ढाई बजे, सुल्तानपुर 335, मां बेल्हा धाम (प्रतापगढ़) सुबह 440, प्रयागराज जं0 पर जहां पौने 8 बजे पहुंचेगी वहीं गाड़ी संख्या 04114 प्रयागराज जं0 से साम पौने 6 बजे छूटकर प्रतापगढ़ 1940, सुल्तानपुर 2035, अयोध्या कैंट 2145, गोसाईगंज रात 1105, शाहगंज 0025, जफराबाद 123, वाराणसी सुबह सवा 4 बजे एवं प्रयागराज सुबह 8 बजकर 20 मि0 पर पहुंचेगी।

फैजाबाद अधिवक्ता संघ अयोध्या के अध्यक्ष बने एसएन सिंह महामंत्री गिरीश चंद्र तिवारी

अयोध्या। देश के अति विशिष्ट माने जाने वाले फैजाबाद अधिवक्ता संघ अयोध्या के अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह महामंत्री गिरीश चंद्र तिवारी वर्ष 2025 के पदाधिकारी चुने गए। उच्च न्यायालय के निर्देश पर गठित एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष जोखू प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण ढंग से अधिवक्ता संघ का चुनाव संपन्न हो गया। 2353 मतदाताओं ने 12 पदों के पदाधिकारी का चयन किया। चुनाव परिणाम में अध्यक्ष पद पर सूर्य नारायण सिंह 712 मत और उपाध्यक्ष चंद्रभान सिंह 620 मत महामंत्री गिरीश चंद्र तिवारी 739 मत कोषाध्यक्ष वीरेंद्र मिश्रा 621 मत पाकर विजई घोषित हुए। संयुक्त मंत्री प्रथम पद पर ऋषि कुमार मिश्र संयुक्त मंत्री द्वितीय पद पर राजीव तिवारी कार्यकारिणी ए पद पर पूर्णिमा सिंह दिलीप मिश्र कार्यकारिणी सी पद पर अरविंद पाण्डेय ममता सिंह कार्यकारिणी सी पद पर माधव कृष्णा पांडे उर्फ लकी एवं मयंक तिवारी विजय घोषित किए गए। अधिवक्ता संघ के निर्वाचित पदाधिकारी को अधिवक्ताओं ने बधाई दी और फूल मालाओं से लादकर सबका भव्य स्वागत किया गया उनके समर्थकों ने लड्डू बाँटकर खुशियां मनाई। निर्वाचित पदाधिकारी को एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष जेपी तिवारी वरिष्ठ सदस्य बाबू प्रियनाथ सिंह विजय कुमार श्रीवास्तव गिरीश प्रताप सिंह अरविंद कौल ने शुभकामनाएं दी। जीते हुए पदाधिकारी को पूर्व अध्यक्ष पंडित कालिका प्रसाद मिश्र सहित अधिवक्ताओ ने बधाई दिया।

खेल महोत्सव का आयोजन: बच्चों में जोश और उत्साह, भविष्य के निर्माण की प्रेरणा

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। ओ एन अकादमी में आज खेल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के जोश और उत्साह ने माहौल को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र कुमार दूबे ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ÷खेलकूद केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास का आधार है। यह बच्चों में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देता है। विद्यालय का यह प्रयास सराहनीय है, जो शिक्षा के साथ-साथ खेलों के महत्व को भी बढ़ावा दे रहा है।÷विद्यालय प्रबंधक धर्मपाल पांडेय ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा, ÷बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, और खेल उनके शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। हमारे प्रशिक्षक, जो स्वयं राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी रह चुके हैं, अपनी मेहनत और अनुभव से बच्चों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। उनका यह योगदान अत्यंत प्रेरणादायक है।÷कार्यक्रम में खेल संयोजक रविंद्र कुमार पांडे, पत्रकार ज्ञानेंद्र मिश्रा, खेल प्रशिक्षक बृजेश कुमार मिश्रा और अमित कुमार यादव के समर्पण और प्रबंधन कौशल की सराहना की गई। उनके प्रयासों ने बच्चों के हुनर को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।खेल महोत्सव में बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। ग्रीन हाउस की टीम विजेता रही, और उनकी कोऑर्डिनेटर किरण ओझा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंत में विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया, जिससे उनका उत्साह और बढ़ा। विद्यालय के इस आयोजन की सराहना सभी अतिथियों और अभिभावकों ने की और ऐसे प्रेरणादायक आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

युवती को मनचले युवक द्वारा घर में घुस कर जबरन बनाया हवस का शिकार पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

अवधनामा संवाददाता

मिल्कीपुर-अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवती को मनचले युवक द्वारा घर में घुस कर जबरन बनाया।हवस का शिकार बनाए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर केस दर्ज करके मामले में तत्परता दिखाते हुए घटना के कुछ घंटे बाद ही युवती व आरोपी युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार आरोपी युवक को भेजा जेल। इनायत नगर थाना की पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया है कि मंगलवार को पति-पत्नी दोनों भेंड़ चराने गये थे। घर में उनकी बेटी को अकेली देख गांव निवासी अशोक कुमार यादव उनके घर में घुस आया और बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म किया तथा बेटी को घटना की जानकारी किसी से न बताने की धमकी देते हुए दीवाल कूद कर भाग गया। शाम को जब पति-पत्नी वापस घर आये तो बेटी ने मां से रो-रोकर अपने साथ हुई घटना की आपबीती के बारे में बताया। जिसके बाद युवती की मां इनायत नगर थाने पहुंच कर अशोक कुमार यादव के खिलाफ तहरीर देते हुए मामले में प्रभावी कार्यवाही किए जाने की मांग की, जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने मामले में बिना देरी किये केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दिया। पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए घटना के कुछ घंटे बाद ही खड़भडिया तिराहे से आरोपी को दबोच कर गिरफ्तार कर लिया है। वही पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। आरोपी दो बच्चों का पिता भी है,प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी के खिलाफ इनायत नगर थाने में पहले से भी छेड़खानी का केस दर्ज है। जिसमें बीते 7 जुलाई 2024 को आरोप पत्र दाखिल किया गया है। प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि आरोपी अशोक कुमार यादव के खिलाफ पूर्व में भी छेड़छाड़ के मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया

17 साल से फरार चल रहा गैंगेस्टर एक्ट का आरोपी चढ़ा जीआरपी के हत्थे

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक रेलवे, लखनऊ प्रशांत वर्मा के निर्देश पर इनामिया, वांछित व वारंटी अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी थाना बाराबंकी की पुलिस टीम ने 17 साल से फरार चल रहे गैंगेस्टर एक्ट के आरोपी रमजानी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जीआरपी थाना प्रभारी देवेन्द्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रथम अमित कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में उ0नि0 संजय अग्निहोत्री , हे0का0 यादवेन्द्र सिंह व का0 विनोद कुमार यादव द्वारा 17 साल से न्यायालय से गैरहाजिर चल रहे गैंगेस्टर एक्ट व आर्म्स एक्ट के मुकदमे के आरोपी रमजानी पुत्र हजारी कवडिया निवासी मौजा रुदैन थाना जरवलरोड जिला बहराइच को मौजा रुदैन थाना जरवलरोड जिला बहराइच से गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि वारंटी की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय द्वारा कई बार एनबीडब्लू वारंट जारी किया गया लेकिन वारंटी न पुलिस के हत्थे चढ़ रहा था और न ही न्यायालय के सम्मुख हाज़िर हो रहा था। श्री द्विवेदी ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायालय कोर्ट नं0 09 जनपद बाराबंकी द्वारा जारी एनबीडब्लू के अनुपालन में गिरफ्तार वारंटी को दिनांक 19-12-2024 को न्यायालय के सम्मुख पेश किया जाएगा।

एक मुश्त समाधान जमा करने के लिये विद्युतकर्मी ने लगाया कैम्प

जैदपुर बाराबंकी। सरकार द्वारा चलायी गयी विद्युत बकाया बिल जमा करने हेतु एक मुश्त समाधान योजना के अंतर्गत जैदपुर उपकेंद्र के एसडीओ संदीप सिंह के नेतृत्व में आम जनता को जागरूक करने व ओटीएस को लेकर कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कैम्प लगाकर विद्युत उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने के लिये प्रेरित लगातार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बुधवार को एसडीओ संदीप सिंह के नेतृत्व में आलाधिकारियों के आदेशानुसार ग्राम पंचायत अजपुरा में कैम्प लगाकर ओटीएस के सुझाव देने के साथ तमाम फायदों के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी दी गयी। वहीं 15 से लगातार कभी गुलहरिया तो कभी शेखपुर मझियावां सहित अन्य ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर ओटीएस करने के साथ बकाया बिल जमा कराने का कार्य विभाग के लोगों द्वारा जारी है। इस संबंध में एसडीओ संदीप सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा बकायादारों की सुविधा व बियाज में भारी छूट हेतु एक मुश्त योजना से काफी राहत मिलेगी, जिसे लेकर ओटीएस रजिस्ट्रेशन लगभग 700 हो चुके हैं। और लगभग 27 लाख रुपए से अधिक की वसूली अबतक जेई मिर्जा परवेज हुसैन व सहयोगियों द्वारा की गयी है।

अज्ञात चोरों ने घर को बनाया निशाना, नगदी समेत जेवरात चोरी

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। जैदपुर कस्बा में मोहल्ला आजाद नगर में बीती रात घर से नगदी सहित जेवरात की चोरी होने के आरोप लगाये गये है मौके पर पहुंची जैदपुर पुलिस, जांच पड़ताल में जुटी है। मामला ज़ैदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बा जैदपुर के मोहल्ला आजाद नगर का है। जहां पर बीती मंगलवार व बुधवार की रात्रि को एक घर में चोरी होने के आरोप लगाते हुए घर के सदस्य मोहम्मद कैफ ने बुधवार करीब 10 बजे जानकारी दिया है। जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि बीती रात को अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर के अंदर बक्से में रखे नगदी सहित जेवरात को चोरी कर लिया गया है। जिसकी जानकारी होने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई है। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। जबकि लोग हैरत में हैं कि चोरी जिस कमरे बक्से का ताला खोलकर की गयी उसमें परिवार के सदस्य सो रहे थे और चोर बड़ी आराम से बक्से का ताला खोलकर चार सोने के जेवरात एक चांदी की पायल दस हजार नकद चुरा ले गया, जिसकी जानकारी बक्सा खुला देख परिवार के लोगों को हुयी।

सदन में उठी सरदार पटेल अन्तर्राष्ट्रीय शोध संस्थान खोले जाने की मांग,

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में आज बीजेपी एमएलसी अवनीश कुमार सिंह ने सरदार पटेल के नाम पर सूबे में अन्तर्राष्ट्रीय शोध संस्थान खोले जाने की मांग रखी. नियम 115 के तहत मांग रखते हुए अवनीश सिंह ने कहा कि सरदार पटेल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को अजर-अमर बनाने के लिए और उनके बारे में नई पीढ़ी को जागरूक करने के लिए बेहतर होगा कि पार्कों और सड़कों को सरदार पटेल के नाम से जाना जाए. गौरतलब है कि साल 2025 को देश पटेल के 150 वें जन्म जयंती वर्ष के तौर पर मना रहा है।

जनपद का रैंक गिराने वाले अधिकारी सुधर जाएः डीएम

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में कर करेत्तर, राजस्व संग्रह एवं प्रर्वतन कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गयी। जिलाधिकारी ने आबकारी, व्यापार, विद्युत ,परिवहन, जीएसटी एवं अलौह खनन वसूली में प्रगति की जानकारी लेते हुए लक्ष्य के सापेक्ष कर एवं राजस्व प्राप्ति को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड पर कम रैंक वाले अधिकारियों को रैंक बढ़ाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जनपद की बदनामी हेतु रैंक गिराने वाले अधिकारी संभल जाये और अपने कार्यशैली मे बदलाव लाये अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक, बाट माप अधिकारी, गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया कि माह नवम्बर में प्राप्त रैंक से आगे बढ़ने एवं और अच्छा करने हेतु और बेहतर कार्य करें। इसीप्रकार कर करेत्तर की समीक्षा में समस्त ईओ को वसूली बढ़ाने हेतु निर्देशित किया।

महिलाओ और किशोरियों को हाइजीन के लिए किया गया जागरूक

सिसवा(महराजगंज)। कस्बे के सेनानी नगर वार्ड मे माणिद्वीप फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे महिलाओं, युवतियों, किशोरियों को सेनेटरी पैड व आइरन कैल्शियम की दवाए वितरित कर उनके स्वास्थ्य हाइजीन के लिए किया गया जागरूक। मणिद्वीप फाउंडेशन के निर्देशक उत्कर्षा मल्ल ने बताया कि इस संस्था के निदेशक ऋचा परासर ने कोविड महामारी के दौरान समाज मे सहयोग के भावना के साथ संस्था का शुरुआत की गईं थी । उसी क्रम मे बुधवार को नगर के दलित बस्ती मे महिलाओ के लिये सेनेटरी पैड व ज़रूरी दवाओं को वितरित किया गया इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य सलाहकार सुनैना चौरसिया ने मासिक धर्म के दौरान साफ सफाई और सुरक्षित पैड का प्रयोग पर जोर दिया।

महिला आयोग की सदस्य ने की सुनवाई

महराजगंज। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य जनक नंदिनी ने बुधवार को पीडब्लूडी निरीक्षण भवन धनेवा धनेई में महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर जनसुनवाई किया गया। जिसमें कुल 13 मामले आये जो घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, पारिवारिक कलह व पारिवारिक पेंशन से सम्बंधित रहे। नंदिनी द्वारा जनसुनवाई के दौरान दूरभाष पर पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित थानाध्यक्ष से मामले के त्वरित निस्तारण हेतु फोन पर वार्ता की। अन्य मामलों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर एसडीएम सदर रमेश कुमार, सीओ पुलिस सदर आभा सिंह, एसीएमओ डॉ राकेश कुमार, डीपीओ शान्त प्रकाश श्रीवास्तव , सीडीपीओ सदर विजय प्रकाश चौधरी व काउंसलर प्रियंका सिंह उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन के चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

महाराजगंज (मिठौरा)। चौक थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बे के वार्ड नंबर सात में महाराणा प्रताप निवासी 68 वर्षीय लक्षण गुप्ता को किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे मौके पर ही लक्षण गुप्ता ने दम तोड़ दिया। घटना स्थल पर काफी भीड़ जुट गई। मौके पर पुलिस भी पहुंचकर कार्यवाही में जुटी रही। जानकारी के अनुसार एक राहगीर ने एक व्यक्ति को रास्ते के उत्तर की तरफ गड्ढे में तड़पते हुए देखा तो अगल-बगल के खेत में काम कर रहे लोगों को चिल्ला कर बुलाया। तड़पते व्यक्ति को दिखाया । लोगों ने इनकी पहचान लक्षण गुप्ता के रूप में की समय देवी के पश्चिम लक्षण गुप्ता के बड़े पुत्र जयप्रकाश (48)उनका निजी मकान बन रहा था किसी ने इसकी सूचना उनके बड़े लड़के को दिए प्रकाश को दिए। सूचना पाकर परिजन घटना स्थल पर पहुंचे।

चोखराज इंटर कालेज में प्रधानाचार्या बनी खुशी गुप्त

सिसवा बाजार (महराजगंज)। स्थानीय चोखराज तुलस्यान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर मीडिएट कालेज के बारहवीं की छात्रा खुशी गुप्त अपने ही विद्यालय में एक दिन के लिए प्रधानाचार्या पद का कार्यभार सभाला, इस दौरान शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन आदि पर सुधार के लिए आदेश दिया। इस विद्यालय की छात्रा खुशी गुप्त पिछले दिनों संपन्न हुए विद्यालय की अर्धवार्षिक परीक्षा और विद्यालय आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर इस कार्य के लिए चयनित की गई। इस विद्यालय में आज की प्रधानाचार्या खुशी गुप्त ने अध्यापक को समय से कक्षाओं में पहुंचे,अध्यापक विषय को समय से पूरा कराये, परीक्षा संबंधी प्रश्न पत्र चेक करने का निर्देश दिए, इसके अलावा उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण कर छात्रों से उनकी समस्या को सुनी और उनके निराकरण की। उन्होंने इस दौरान बिना ड्रेस के विद्यालय आए छात्र को वापस घर भेज दिया,एक छात्र मोबाइल के साथ पकड़े जाने पर अभिभावक को साथ लेकर विद्यालय आने का आदेश दिया। विद्यालय में लाइब्रेरी बनाने के लिए प्रबंधक कमेटी को सुझाव भी दिए । खुशी गुप्त के एक दिवसीय प्रधानाचार्य के कार्यकाल की विद्यालय प्रबंध तंत्र के हरिराम भलोटिया, प्रधानाचार्य, शिवाजी सिंह आदि ने सराहना करते हुए कहा कि उक्त छात्रा में प्रशासनिक दायित्वों का निर्माण करने की क्षमता है।

उप्र प्रधानाचार्य परिषद जनपदीय इकाई ने किया जिला सम्मेलन एवं शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

जोगिया सिद्धार्थनगर। महात्मा गौतम बुद्ध उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोगिया में उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद जनपदीय इकाई सिद्धार्थनगर द्वारा जिला सम्मेलन एवं शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश संरक्षक श्रीनिवास शुक्ल, विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री डॉ रवीन्द्र त्रिपाठी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि दयाशंकर यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

जिला मंत्री एवं आयोजक प्रधानाचार्य बृजेश कुमार द्विवेदी द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण बैज तथा अंग वस्त्र से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए हुए प्रधानाचार्यों ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सुधार की अपेक्षा,तथा नई शिक्षा नीति पर अपने-अपने विचार रखे। जिला संरक्षण मंत्री डॉक्टर शेषनारायण पाण्डेय ने विद्यालयों की समस्याओं और उसके निराकरण पर, प्रधानाचार्य तिलक इंटरमीडिएट कॉलेज बांसी धर्मेंद्र मिश्र ने नई शिक्षा नीति और उसकी खूबियों की चर्चा किया। प्रधानाचार्य रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज चकचई द्वारा विद्यालयों में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग सूचना प्रणाली तथा प्रधानाचार्य के समक्ष उपस्थित व्यावहारिक कठिनाइयों पर चर्चा किया। जिला अध्यक्ष रमाकांत द्विवेदी ने जिले की शैक्षिक व्यवस्था,अपार आई डी पर तथा संगठन द्वारा जिला स्तर पर किए गए प्रयास की चर्चा किया तथा सबको संगठित रहने का आह्वान किया, प्रदेशीय महामंत्री डॉ रविंद्र त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में प्रधानाचार्य परिषद द्वारा 14 सूत्री मांग तथा उस पर कृत कार्यवाही से सबको अवगत कराया कि वर्तमान में सरकार और अधिकारियों द्वारा मांग के संबंध में व्यवहारिक और सैद्धांतिक सहमति होते हुए भी हीलाहवाली की जा रही है। प्रदेशीय संरक्षक श्रीनिवास शुक्ल ने बताया कि संगठन 48 वर्षों से प्रधानाचार्य को हितों के लिए लगातार समर्पित रहा है। हम लोगों को जो भी उपलब्धियां मिली है संघर्षों के बदौलत मिली हैं। प्रदेश के सभी प्रधानाचार्यों को संगठित होकर परिषद का साथ देना चाहिए तथा संगठन का जब भी आह्वान हो अधिकारियों और शासन के समक्ष अपनी एकता प्रदर्शित करें, अंत में राष्ट्रगान द्वारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संरक्षक नलिनी कांत मणि त्रिपाठी ने तथा संचालन सच्चिदानंद शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में कार्यकारी जिला अध्यक्ष गोरखपुर राम बहाल त्रिपाठी, मंडलीय मंत्री भानु प्रताप मिश्रा, मंडलीय उपाध्यक्ष आलोक त्रिपाठी, कार्यकारी जिला अध्यक्ष गोपेश्वर चौबे, इंतेजार हुसैन, दीप नारायण सिंह, उदय प्रकाश मौर्य, विजय मिश्र, विक्रम प्रसाद, नंदकिशोर गुप्त, दीपक पाण्डेय, अरविंद चौधरी, राजेश चौधरी, पद्माकर शुक्ल, मनोज कुमार सरोज, विजय वर्मा, रविंद्र उपाध्याय, संयुक्त मंत्री जयराम यादव, प्रकाश सिंह, रवीन्द्र श्रीवास्तव, इरशाद अहमद, तेज बहादुर चौधरी, वीरेंद्र सिंह, रामकृष्ण द्विवेदी, अंजू मिश्रा, सीमा वर्मा, जिला उपाध्यक्ष विजय वर्मा, जिला संगठन कमिश्नर स्काउट गाइड हरिश्चंद्र यादव उपस्थित रहे।

डीएम ने किया वृहद निर्माण/50 लाख से ऊपर की परियोजनाओं से सम्बन्धित निर्माण कार्यो की समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। वृहद निर्माण/50 लाख से ऊपर की परियोजनाओं से सम्बन्धित समस्त कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी डा राजागणपति आर ने कार्यदायी संस्थाओ के संबधित अधिकारियो से जनपद में चल रहे निर्माण कार्यो के प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के परीक्षा हाल, आईटीआई इटवा एवं पर्यटन विभाग की परिसम्पत्ति का उपयोगिता प्रमाण-पत्र भेजने का निर्देश दिया। सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि शासन स्तर से पत्राचार कर 1 माह में बजट आवन्टित कराये। जिन परियोजनाओ में बजट आवंटन में पत्र द्वारा मना किया जा रहा है। उसको सीएसआर मद से धनराशि आवन्टित कराने का निर्देश दिया। प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत 28 विद्यालयों में 17 को छोड़कर राजकीय इन्टर कालेज में मरम्मत कार्य, टाइलीकरण, छत मरम्मत आदि का कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा जनपद में कराये जा रहे निर्माण कार्यो को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराये जाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देश दिया कि भूमि से संबधित किसी भी कार्यदायी संस्था का प्रकरण लम्बित चल रहा हो तो उसके निस्तारण के संबध में कार्यवाही संबधित उपजिलाधिकारी से मिलकर सुनिश्चित कराये। सीएनडीएस विभाग के अधूरे कार्यो को पूर्ण कराने का निर्देश दिया। आवास विकास परिषद, सी.एन.डी.एस., यूपी सिडको, यूपीआरएनएसएस, मण्डी परिषद, आरईडी व अन्य सभी कार्यदायी संस्थाओ के कार्यो की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं अधिशासी अभियन्ताओ को निर्देश दिया जो भी कार्य चल रहा है उसे समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराये। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुशवाहा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 एके झा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बी.एस.यादव, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय, अधिशासी अभियन्ता कमल किशोर, इटवा आशीष भारद्वाज, बांसी विवेक राय, तथा समस्त संबधित कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं अधिशासी अभियन्ता, व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधायक ने 50 बेड के अस्पताल के लिए सीएम से की मुलाकात

अवधनामा संवाददाता

- विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर भगवान हनुमान जी की प्रतिमा भेंट की
- शोहरतगढ़ में जमीन मिलने के बाद भी फायर स्टेशन नहीं बनने की किया शिकायत

बढ़नी सिद्धार्थनगर। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने मंगलवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर भगवान हनुमान जी की प्रतिमा भेंट की। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने सीएम योगी आदित्यनाथ को शोहरतगढ़ में फायर स्टेशन के लिए जमीन मिलने के बाद भी निर्माण न होने की शिकायत भी की और उन्होंने बढ़नी में 50 बेड के अस्पताल बनाने का अनुरोध भी किया।

विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मुलाकात के दौरान सौंपे दो पत्रों में बताया कि 14 अगस्त 2023 को जिला मुख्यालय के एनआईसी सेन्टर में जिले के सभी जनप्रतिनिधियों व डीएम समेत सभी आला अधिकारियों की मौजूदगी में मैंने बढ़नी में 50 बेड के अस्पताल की मांग आपसे की थी। क्योंकि बढ़नी भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है। ब्लाक क्षेत्र के 77 ग्राम पंचायतों की कुल आबादी ढाई लाख है। इलाज के लिए बढ़नी में चार बेड की पीएचसी है, जो कि इतनी आबादी के इलाज के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए वहां 50 बेड का अस्पताल होना चाहिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव चिकित्सा व डीएम को 50 बेड की स्वीकृति प्रदान कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। विधायक ने मुख्यमंत्री से शिकायत की कि उनके दिये गये निर्देशों के बावजूद भी अब तक कोई कार्रवाई न होने से क्षेत्रीय जनता को स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जबकि वहां पर्याप्त भूमि भी उपलब्ध है। सीएम उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ ने आश्वासन दिया कि ये दोनों कार्य पूरे होंगे। ये दोनों परियोजनाएं मुख्यमंत्री की ओर से पहले ही स्वीकृत हो चुकी हैं।

संगोष्ठी हिंदुत्व राष्ट्र की संचेतना आज

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे सियाराम मैरेज हॉल रोडवेज बांसी में आयोजित संगोष्ठी हिंदुत्व राष्ट्र की संचेतना है इस पर प्रहार महाप्रलय को आमंत्रण है विषयक संगोष्ठी कार्यक्रम को लेकर भनवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पण्डित लवकुश ओझा प्रमुख प्रतिनिधि मिठवल डॉ दशरथ चौधरी ने दर्जनों भाजपा हियुवा के निवर्तमान पदाधिकारियों संग कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया इसके उपरान्त प्रमुख लोगों के साथ बैठक कर कार्यक्रम भव्य हो इसके लिए समाज के प्रबुद्ध वर्ग शिक्षकों अधिवक्ताओं वरिष्ठ व्यापारियों नागरिकों की ज्यादा से ज्यादा सहभागिता हो इसके लिए सभी लोगों को युद्धस्तर पर जी जान से जुट जाने को कहा पण्डित लवकुश ओझा ने कहा कि उक्त कार्यक्रम के माध्यम से सोए हुए हिंदू समाज को जगाने और गरीब हिंदुओं को धर्मांतरण के विरुद्ध आवाज बुलन्द कर हिंदू समाज को जागरुक करना हमारा प्रमुख उद्देश्य है। क्षेत्र के डॉ दशरथ चौधरी ने हिंदू समाज के प्रबुद्ध वर्ग का आवाहन करते हुए उक्त कार्यक्रम में ज्यादे से ज्यादा लोगों की सहभागिता हो इसके लिए आमंत्रित किया।कार्यक्रम संयोजक महंत संजय तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा इसके लिए हम सभी जी जान से लग चुके हैं।इस दौरान हियुवा निवर्तमान नगर प्रभारी आलोक अग्रहरी,ओम प्रकाश मोदनवाल, भाजपा मिठवल मण्डल अध्यक्ष रमेशधर द्विवेदी, दिनेश चौधरी, संजय शर्मा, शंभू कश्यप, मंटू जयसवाल, पप्पू मौर्या, रामाकांत आजाद सहित दर्जनों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन

- सभी पात्र लाभार्थियों को मिलना चाहिए सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ : डीएम

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में बुधवार को अम्बेडकर सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वप्रथम जिला कृषि अधिकारी द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्त को पढ़ा गया, जिसमें अधिकांश शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है। जिलाधिकारी ने किसान दिवस में उपस्थित किसानों की समस्याओं को सुना। जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिया कि किसानो द्वारा की जा रही मांग को समय से पूर्ण कराये। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थियों के खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि प्रेषित कराने का निर्देश दिया गया। कोई भी दुकानदार कालाबाजारी न करने पाये। सभी अधिकारी किसानों की समस्याओं का शत प्रतिशत निस्तारण करायें। जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों को संबधित अधिकारियों को प्रेषित करके उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराये। भारत सरकार/उप्र सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिलना चाहिए। जिला कृषि अधिकारी द्वारा बैठक में आए हुए समस्त अधिकारीगण व सम्मानित कृषको को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त उप कृषि निर्देष अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, जिला कृषि अधिकारी मो0 मुजम्मिल, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक दूबे, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह तथा किसान यूनियन के समस्त पदाधिकारी एवं किसान व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। ब्लाक संसाधन केंद्र अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौहनिया राज में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉक्टर सफीक अहमद, डॉक्टर तेज कंवर, गीता चौधरी, और दिलीप कुमार ने बच्चों की स्वास्थ्य जांच की। इस दौरान बच्चों में 41 प्रकार की बीमारियों से संबंधित जांच की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समय पर निदान करना और उनके उपचार की दिशा में कदम उठाना था। शिविर में छात्रों को उचित परामर्श और आवश्यकता अनुसार उपचार की सिफारिशें भी दी गईं। यह आयोजन छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए किया गया। शिक्षकों और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद आरिफ उस्मानी, अर्जुन प्रसाद, कुलदीप कुमार एवं विजय प्रकाश गौतम, राजेश आदि लोग मौजूद रहे।

मदरसा निदा ए हक़ मे अल्पसंख्यक दिवस पर गोष्ठी

जलालपुर अम्बेडकरनगर। नगर के उर्दू बाजार स्थित मदरसा दारुल उलूम निदा-ए-हक में अल्पसंख्यक दिवस पर अल्पसंख्यकों के विकास एवं उनकी समस्याओं पर चर्चा हुई। मुफ्ती मोहम्मद इमामुद्दीन ने सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं उससे लाभान्वित होंगे की अपील की। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों को योजनाओं की जानकारी कर लाभ उठाना चाहिए जिससे देश के नवनिर्माण में अहम योगदान दे सकें। मदरसा के प्रधानाचार्य मौलाना हबीबुर्रहमान नूरी ने कहा कि अल्पसंख्यक दिवस पर मुस्लिम समाज के अलावा सिख,ईसाई जैन, पारसी धर्म के लोगों को जागरूकता अभियान में शामिल कर देश के नवनिर्माण में आगे आना चाहिए जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज के दौर में अल्पसंख्यक समुदाय हतोत्साहित है।

दिव्यांगता मेडिकल असेसमेंट शिविर में हुई 70 बच्चों की जांच

जांच उपरांत 60 बच्चों का प्रमाण पत्र बनने के लिए हुआ स्वीकृत

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र डुमरियागंज के परिसर में बुधवार को दिव्यांगता मेडिकल एसेसमेंट शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 70 दिव्यांग बच्चों की जांच की गई। जांच उपरांत 60 बच्चों का प्रमाण पत्र बनने के लिए स्वीकृत हुआ।

राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के आदेश के क्रम में परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेडिकल एसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। पीएम श्री योजना अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश पर जिला समन्यवक समेकित शिक्षा करुणापति त्रिपाठी द्वारा कैंप का संचालन किया गया।

कैंप में कुल 70 बच्चो की जांच की गई। जांच में 60 बच्चों का प्रमाण पत्र बनने के लिए स्वीकृत हुआ। जिसमे से 20 अस्थिबाधित एवं सेरीब्रल पाल्सी के, 10 बौद्धिक अक्षम, 5 दृष्टिबाधित, 20 श्रावण बाधित व पांच बच्चे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मिले। दस बच्चों को प्रमाण पत्र हेतु अपात्र पाया गया।

कैंप के संबंध में समन्यवक समेकित शिक्षा करुणापति त्रिपाठी ने बताया कि पूरे जनपद में ब्लॉक वार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आज डुमरियागंज में आयोजित शिविर में ऑनलाइन आवेदन करने वाले दिव्यांग बच्चों की जांच संबंधित चिकित्सकों द्वारा की गई। जांच उपरांत पात्र पाए गए बच्चों का प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा। चिकित्सकों की टीम में माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के आर्थो सर्जन डॉ. विमल द्विवेदी, ईएनटी सर्जन डॉ राघवेंद्र प्रताप मिश्रा, नेत्र परीक्षण अधिकारी बाबूलाल आदि शामिल रहे। कैंप को संपन्न कराने में खण्ड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज संजय कुमार के निर्देश पर विशेष शिक्षकों की टीम में गणेश गौड़, अंजनी कुमार सिंह, रामकुमार चौधरी, शिवम शुक्ला, अंशिका श्रीवास्तव ने सहयोग प्रदान किया।

यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव आसिफ रिज़्वी को पुलिस ने किया हल्लौर में हाउस अरेस्ट

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। कांग्रेस पार्टी के विधानसभा घेराव कार्यक्रम में लखनऊ जाने से पहले यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव आसिफ रिज़्वी को डुमरियागंज पुलिस ने हल्लौर स्थित उनके आवास पर हाऊस अरेस्ट कर लिया। इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश सचिव आसिफ रिज़्वी ने कहा कि योगी सरकार हर मोर्चे पर फेल है। सरकार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज़ को दबाना चाहती है। हम कांग्रेस के लोगों को बल पूर्वक हाऊस अरेस्ट कर के लोकतंत्र एवं संविधान का गला घोंटा जा रहा है। इसका जवाब आने वाले चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा सरकार को उखाड़ फेंक कर देगी। उन्होने कहा की कांग्रेस नेताओं को पुलिस अपराधियों की तरह तलाश कर रही है। यह तानाशाही की इन्तेहां है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता योगी सरकार की तानाशाही का जवाब देने में सक्षम हैं। हमारे कांग्रेस कार्यकर्ता योगी सरकार से हर सवाल का जवाब मांगेंगे। वर्तमान भाजपा सरकार पुलिस के द्वारा पूरे जनपद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीडन करा रही है।

डीएम ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसन्तपुर बांसी का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी डा राजागणपति आर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसन्तपुर बांसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चल रहे मरम्मत कार्य की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। खण्ड विकास अधिकारी बांसी को दूरभाष पर वार्ता कर निर्देश दिया कि जनवरी में समस्त कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण होना चाहिए। इसके साथ ब्लाक स्तरीय वार रूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वाररूम में ऑनलाइन फीडिंग न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए बीसीपीएम प्रदीप कुमार को नोटिस देने का निर्देश दिया। इसके साथ ही एमओआईसी, बांसी तथा वार रूम में ड्यूटी में लगे काउंसलर डा वसीम अकरम, प्रियंका, स्टाफ नर्स कु. अनीता, प्रीती सिंह, निशा भारती, एलटी प्रियंका, विनीता मिश्रा को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

पीएम श्री विद्यालय में वार्षिक महोत्सव का हुआ आयोजन

उत्कृष्ट बच्चों को प्रमाण पत्र व टीएलएम सामान देकर किया गया प्रोत्साहित

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में स्थित पीएम श्री विद्यालय में वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसका शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज संजय कुमार व निरीक्षक राजकीय कार्यालय बस्ती मंडल बस्ती अश्वनी कनौजिया ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस मौके पर जिला समन्वयक निर्माण रितेश श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत के साथ किया गया। ततपश्चात बच्चों ने नाटक, नृत्य, कहानी ,निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रमुख कार्यक्रमों में हम बच्चे हिंदुस्तान के... आरुष, बेबी, मैया यशोदा गीत सलोनी, संस्कृति, चटक मटक गीत करिश्मा, साक्षी, पापा मेरे पाप... डांस आयात व चंदा ने प्रस्तुत किया। सोशल मीडिया पर आधारित मंचन कार्यक्रम में बच्चों द्वारा की गई प्रस्तुति काफी मनमोहक रही। इसके अलावा नानी तेरी मोरनी को मोर ले गया अलका व रूपा, मैंने पायल जो छनकाई.. अलीशा, छवि ने सुंदर ढंग से डांस प्रस्तुत किया.। पढ़ोगे लिखोगे नाटक का रूपांतरण मुख्तार व आरुष ने किया। शासन स्तर पर दिए गए निर्देश के क्रम में पीएम श्री विद्यालयों में रचनात्मक प्रतिभा निखारने के उद्देश्य से व बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाना था। अंत में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बच्चों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर अपने मुख्य अतिथि संबोधन में बीईओ संजय कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और रचनात्मक कार्यो में रुचि भी बच्चे लेते हैं। अपने संबोधन में अश्वनी कनौजिया ने कहा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह का कार्यक्रम विद्यालयों में होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक धर्मराज दुबे व संचालन एआरपी अनूप पांडेय ने किया। इस मौके पर सभासद उमाशंकर गौड़, दिनेश सिंह, अखिलेश चौधरी, गणेश गौड़, आशा गुप्ता वार्डेन, रामविलास यादव, अमृतलाल, संतोष पाठक, फखरुद्दीन गिरधर पांडेय व शिक्षिका ज्योति यादव, विशेष शिक्षिका अंशिका श्रीवास्तव, बरखा अग्रहरि, दिव्या सोनी, दीपा मिश्रा, मलिक निकहत, वर्षा जैन, वर्तिका, आकांक्षा, नेहा यादव, नेहा दिक्षित आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी के आवाहन पर जनता की तमाम समस्याओं को लेकर 18 दिसंबर को विधानसभा का घेराव किया जाना था। इस कार्यक्रम में बांसी से भी तमाम कांग्रेस जन लखनऊ जाने वाले थे जिन्हें भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 17 दिसंबरकी रात में ही देर रात तक उनके घरों में हाउस अरेस्ट कर लिया। जिससे कोई लखनऊ विधानसभा घेराव कार्यक्रम में उपस्थित ना हो सके यह भारतीय जनता पार्टी के तानाशाही का एक प्रमाण है। फिर भी तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता लखनऊ के लिए प्रस्थान कर दिए हैं और तमाम कार्यकर्ता बहुत पहले से ही लखनऊ पहुंच चुके हैं। इस घेराव कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुलिस के बल पर किसी भी प्रकार से रोक नहीं पाएगी। विधानसभा घेराव के इस कार्यक्रम में प्रदेश के लाखों लाख कांग्रेस जन अपना हुंकार भरेंगे। बांसी से जिला महासचिव राजन श्रीवास्तव, अभिनव राय, कृष्ण बहादुर सिंह, सतीष चंद्र त्रिपाठी, पप्पू खान, मोबीन खान, ऋषिकेश मिश्रा, गंगेश्वर राय, हरिशंकर चौरसिया, विक्की रिजवी, मनोज श्रीवास्तव आदि तमाम कांग्रेस नेताओं को देर रात 9 बजे रात तक हाउस अरेस्ट कर लिया गया गया।

तबले ने खोया उस्ताद

तबले ने अपना उस्ताद खो दिया। तबले की एक खास ध्वनि, थाप, ताल खामोश हो गई। एक बिछौना सूना हो गया और एक आत्मा बिछुड़ कर, सुदूर, किसी शून्य में विलीन हो गई। तबले का जीवंत रिश्ता आज मुरझा गया। बहुत कुछ बिखर कर रह गया। चार ग्रैमी अवार्ड, तीन पद्म सम्मान, अमरीकी राष्ट्रपति के 'व्हाइट हाउस' में थाप, ताल और थिरकन का प्रदर्शन, चार पीढ़ियों के शास्त्रीय संगीत को लयात्मक संगत देने की असंख्य यादें अनाथ, अकेली हो गई। तबले को नई-नई भाषाएं देने वाला और किसी भी ताल, थाप में अचानक 'तिहाई' मारने वाला उस्ताद आज थम गया, खामोश हो गया, मानो एक दुनिया 'शांत' हो गई हो! तबला-वादन के उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपने वाद्य को उसी तरह जिया, जिस तरह पंडित रविशंकर ने सितार को, पंडित जसराज ने शास्त्रीय गायन को, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने बांसुरी को, पंडित शिवकुमार शर्मा ने संतूर को, उस्ताद अमजद अली ने सरोद और उसके संगीत को जिया। जाकिर अकेले, अलबेले, अद्भुत तबला-उस्ताद थे, जिन्होंने इन उस्तादों के संगीत को लयात्मक पूरकता दी। जाकिर एक वाद्य-यंत्र के उस्ताद ही नहीं, कोई अवतार लगते थे, लिहाजा मात्र तीन साल की उम्र में ही तबले पर थाप लगाने और उंगलियों की थिरकन की जादुई शुरुआत की। इस उम्र में तो बच्चे नाक साफ करना भी नहीं सीख पाते। उस्ताद के पिता अल्ला रक्खा खां खुद 'उस्ताद तबला वादक' थे और जाकिर ने उनके साथ कई जुगलबंदियां पेश की थीं, लेकिन 'नन्हा उस्ताद' अपनी समकालीन, पुरानी पीढ़ियों और उनके समय के बहुत पार चला गया। जाकिर ने संगीत के सहायक वाद्य को मुख्य वाद्य बना दिया, नतीजतन आज दुनिया भर में तबले की 'खास पहचान और प्रतिष्ठा' है।

जाकिर तबले के पर्याय बन चुके हैं, लेकिन भीतर से एक दुखद, पीड़ित 'आह' निकलती है-उस्ताद जाकिर हुसैन! बेशक उस्ताद 73 साल की उम्र में ही हमें छोड़ कर चले गए, उनका पार्थिव शरीर 'मिट्टी' हो गया, वह 'सुपुर्द-ए-खाक' हो गए, लेकिन तबला-वादन की जो लंबी विरासत, संगीत की खूबसूरती, तबले की कला की एक सुदीर्घ परंपरा और यादों की लंबी कड़ियां छोड़ गए हैं, उन्हें 'मृत' कैसे माना जा सकता है? संगीत के पंडित, महाराज और उस्ताद, अपने-अपने कालखंडों में, उतने लोकप्रिय नहीं हो पाए, जितनी जन-स्वीकृति और मान्यता उस्ताद जाकिर हुसैन ने हासिल की। उन्होंने तबले को भी जन-जन का वाद्य यंत्र बना दिया। घर-घर और दफ्तरों में आम आदमी जब किसी सतह पर थाप देने लगता है, तो उसे तुरंत जाकिर हुसैन से जोड़ दिया जाता है। हालांकि वह व्यंग्य की भाषा होती है, लेकिन तुलना जाकिर हुसैन से ही की जाती है। बेशक एक लंबे अंतराल से उस्ताद अमरीका में ही बसे रहे, लेकिन वह आखिरी सांस तक हिंदुस्तान और हिंदुस्तानी संगीत को ही जीते रहे। आज दुनिया भर के कलाकार, उनके समकालीन गायक और वाद्य बजाने वाले भी उन्हें याद कर रहे हैं। असंख्य संस्मरण उनके साथ जुड़े हैं। बहरहाल आज वह हमारे बीच जीवंत नहीं हैं, लेकिन जिन गायनों के साथ उन्होंने तबले की थाप, ताल पर संगत दी थी, वे हमें हमेशा याद दिलाते रहेंगे। उस्ताद जीवंत रूप में हमारे बीच होंगे, लिहाजा कलाकार कभी मरा नहीं करते।

राजनीति से वाष्पित होती सदाशयता और सदाचार

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। इसके अलावा प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है, किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा मैं नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है,और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे, पत्नी, बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने मैं कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना एक बड़ा प्रबंधन चुनौती होगा। इतनी बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों की व्यवस्था, सुरक्षा बलों की तैनाती, और वोटिंग मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना आसान काम नहीं होगा। राज्यों के चुनाव अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों पर आधारित होते हैं। 'एक देश, एक चुनाव' से यह संभावना है कि राष्ट्रीय मुद्दे क्षेत्रीय मुद्दों पर हावी हो जाएं, जिससे स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं को पर्याप्त ध्यान नहीं मिल पाएगा। वैसे तो क्षेत्रीय दल अपना महत्त्व निरंतर खोते जा रहे हैं।

क्या व्यावहारिक होगा एक देश एक चुनाव का फैसला

बलदेव राज भारतीय

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण और आवश्यक प्रक्रिया है, लेकिन इसके साथ ही यह समय, धन, और संसाधनों की भारी खपत भी करता है। इसी पृष्ठभूमि में एक देश, एक चुनाव की अवधारणा एक ऐसा विचार है, जो न केवल संसाधनों की बचत का वादा करता है, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में स्थिरता लाने और राजनीतिक विवादों को कम करने का भी एक उपाय प्रस्तुत करता है। यह विचार है कि संपूर्ण देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों, ताकि बार-बार चुनाव कराने से जुड़ी चुनौतियों और खर्चों को रोका जा सके।

हालांकि, इस नीति का समर्थन करने वाले और इसके खिलाफ तर्क प्रस्तुत करने वाले दोनों पक्ष हैं। इस लेख में हम इस विचार के पक्ष और विपक्ष दोनों पर गहराई से चर्चा करने और समझने का प्रयास करेंगे और कि क्या यह मॉडल वास्तव में भारतीय लोकतंत्र के लिए उपयुक्त हो सकता है। आइए सबसे पहले इसके पक्ष का एक आकलन कर लेते हैं। भारत में चुनावों पर भारी खर्च होता है। हर बार चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग को बड़ी संख्या में मानव संसाधन, सुरक्षा बल, और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं की आवश्यकता होती है। एक देश, एक चुनाव नीति अपनाने से इन खर्चों में भारी कमी आ सकती है। भारत में औसतन हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होता ही है। इसके कारण बार-बार चुनावी अभियान, प्रचार, और मतदान प्रक्रिया चलती रहती है। इससे न केवल सरकारी कामकाज बाधित होता है, बल्कि जनता के लिए भी एक प्रकार का चुनावी बोझ बन जाता है। बार-बार चुनावों के कारण सरकारें कई बार अल्पकालिक योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं और दीर्घकालिक विकास कार्यों की अनदेखी होती है।

यदि चुनाव एक साथ होंगे तो अवसरवादी गठबंधन चुनावी चक्रव्यूह में फंस जाएंगे। क्योंकि जहां वे एक राज्य में मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला लेंगे और दूसरे राज्य में अकेले चुनाव लड़ेंगे तो इस प्रकार उनके अपने गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ने के कारण जनता में उनकी विश्वसनीयता दांव पर लग जाती है। यदि चुनाव एक साथ हों, तो सरकारें पूरे कार्यकाल के लिए स्थिरता के साथ विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू होती है, जिससे सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्य और निर्णय प्रक्रिया प्रभावित होती है। बार-बार आचार संहिता लागू होने से विकास कार्यों में देरी होती है। एक देश, एक चुनाव के माध्यम से इस समस्या का समाधान हो सकता

है। बार-बार चुनाव होने से राजनीतिक दल अक्सर केवल चुनावी मुद्दों पर ध्यान देते हैं और दीर्घकालिक नीतियों की उपेक्षा करते हैं। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक दल पूरे कार्यकाल के लिए बेहतर नीति निर्माण और कार्यान्वयन कर सकते हैं।

लेकिन एक देश एक चुनाव की कुछ सीमाएं भी हैं और इस को लागू करने में कुछ चुनौतियों का सामना भी करना पड़ सकता है। यदि किसी राज्य में हंग असेंबली (जहां कोई स्पष्ट बहुमत न हो) की स्थिति बनती है या लोकसभा भंग करनी पड़े, तो फिर दोबारा चुनाव कराने की आवश्यकता होगी। इससे एक देश, एक चुनाव की मूल अवधारणा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। भारत एक संघीय ढांचा है, जिसमें राज्यों को अपनी विधानसभाओं और सरकारों का स्वतंत्र अधिकार है। एक देश, एक चुनाव की नीति से राज्यों की स्वायत्तता पर असर पड़ सकता है और यह संघीय ढांचे के खिलाफ माना जा सकता है। पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना एक बड़ा प्रबंधन चुनौती होगा। इतनी बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों की व्यवस्था, सुरक्षा बलों की तैनाती, और वोटिंग मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना आसान काम नहीं होगा। राज्यों के चुनाव अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों पर आधारित होते हैं। 'एक देश, एक चुनाव' से यह संभावना है कि राष्ट्रीय मुद्दे क्षेत्रीय मुद्दों पर हावी हो जाएं, जिससे स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं को पर्याप्त ध्यान नहीं मिल पाएगा। वैसे तो क्षेत्रीय दल अपना महत्त्व निरंतर खोते जा रहे हैं। परन्तु एक देश एक चुनाव लागू होने पर क्षेत्रीय दलों का महत्त्व और भी घट जाएगा और यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर एक प्रश्न जरूर खड़ा करेगा। अब प्रश्न उठता है कि क्या एक देश एक चुनाव भारतीय लोकतंत्र के लिए उपयुक्त है? इसके पक्ष में जो तर्क प्रस्तुत किए गए हैं, वे मजबूत और सार्थक हैं। यह विचार आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत लाभकारी हो सकता है। लेकिन, इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे लागू करने के लिए किन विधियों और प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है।

इस नीति के कार्यान्वयन से पहले कुछ पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है। संविधान में आवश्यक संशोधनों के बिना इस नीति को लागू करना संभव नहीं होगा। इसके लिए व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता होगी। यदि एक देश, एक चुनाव को लागू करना है, तो चुनाव प्रक्रिया में सुधार करना होगा, जैसे कि स्थायी चुनावी चक्र बनाना और हंग असेंबली की स्थिति से निपटने के लिए विशेष प्रावधान करना। पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए अत्यधिक मानव और तकनीकी संसाधनों की आवश्यकता होगी। इसके लिए विस्तृत योजना और निवेश की आवश्यकता होगी। इस नीति को लागू करते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि राज्यों की स्वायत्तता और संघीय ढांचा प्रभावित न हो।

एक देश, एक चुनाव एक विचार के रूप में न केवल व्यावहारिक है, बल्कि यह भारत जैसे बड़े लोकतंत्र की कई समस्याओं का समाधान भी प्रदान कर सकता है। यह नीति संसाधनों की बचत, राजनीतिक स्थिरता, और प्रशासनिक सुधार के कई अवसर प्रस्तुत करती है। हालांकि, इसके कार्यान्वयन में कई कानूनी, संवैधानिक, और प्रबंधन संबंधी चुनौतियां हैं, जिन्हें सुलझाए बिना इसे सफलतापूर्वक लागू करना कठिन होगा। इस नीति को लागू करने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि यह भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत बनाए, न कि उन्हें कमजोर करे। सही योजना और राजनीतिक सहमति के साथ, एक देश, एक चुनाव न केवल एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र को अगले स्तर पर ले जाने का मार्ग भी प्रशस्त कर सकता है।

उस्ताद ज़ाकिर हुसैन : एक संगीत साधक

ज़ाकिर हुसैन ने देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में अपनी कला का परचम लहराया है। खुद का नाम तो रोशन किया ही बल्कि अपने राष्ट्र का मान बढ़ाया। हमारी पीढ़ी के लोगों के लिए तबला का दूसरा नाम उस्ताद ज़ाकिर हुसैन ही रहा है। उस्ताद बिस्मिल्ला खान की शहनाई, हरि प्रसाद चौरसिया की बांसुरी, पंडित शिव शर्मा का संतूर..... इसी तरह तबला उस्ताद जाकिर हुसैन साहब के साथ जुड़ा हुआ है। जीवन में इतनी प्रसिद्धि पाने के बाद भी उस्ताद को सादगी से रहना पसंद करते थे। और वह अक्सर जमीन से जुड़े रहते थे।

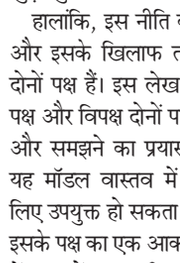

दिलीप पाठक

महान तबला वादक ज़ाकिर हुसैन साहब को ब्लड प्रेशर की परेशानी के कारण अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक हस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने आखीरी साँस ली। कुछ दिन पहले ही उन्हें हार्ट की दिक्कत भी हुई थी। महान तबला वादक उस्ताद ज़ाकिर हुसैन साहब का अमेरिका में निधन होने की खबर आने के बाद पूरे मुल्क में शोक छा गया। ज़ाकिर हुसैन साहब जैसी शख्सियतें युगों में कभी जन्म लेती हैं। उस्ताद ज़ाकिर हुसैन साहब का जाना सचमुच एक युग का अंत हो जाना है। ज़ाकिर हुसैन अपने आप में संगीत का एक युग थे। ये हिंदुस्तान का बहुत बड़ा नुकसान है। पीढ़ियां इस बात पर सीना चौड़ा करेंगी कि ऐसा पुष्प हिन्द के आँगन में उगा था, जिसके संगीत की खुशबू से पूरी दुनिया महकती है। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो ज़ाकिर हुसैन साहब की थापों पर फ़िदा न हुआ हो। जैसे आज आश्चर्य होता है कि सुर सम्राट तानसेन क्या भारत में ही पैदा हुए थे? आने वाले दौर में बच्चे गर्व करेंगे कि महान तबला उस्ताद हमारे वतन के थे। तब ही तो साहित्यकार शायर/ध्रुव गुप्त उस्ताद ज़ाकिर हुसैन साहब की महान शख्सियत को याद करते हुए कहते हैं -

-कभी बारिश, कभी तूफां, कभी बिजली की कड़क

वो उंगलियां थीं कि कुदरत का करिश्मा थीं, हुजूर!

उस्ताद ज़ाकिर हुसैन अक्सर कहा करते हैं कि भारतीय शास्त्रीय संगीत स्टेडियम के लिए नहीं है, बल्कि यह कमरे का संगीत है। हालांकि ये भी सच है शायद ही कोई देश बचा हो, जहां ज़ाकिर हुसैन साहब ने अपना शो नहीं किया और श्रोताओ को अपनी कला का दीवाना ना बनाया हो।

उस्ताद जाकिर हुसैन मशहूर तबला वादक कुरैशी अल्ला रक्खा ख़ान के पुत्र थे। अल्ला रक्खा ख़ान भी तबला बजाने में माहिर माने जाते थे। ज़ाकिर हुसैन जब अपनी उंगलियों और हाथ की थाप से तबला बजाते थे तो मंत्रमुग्ध कर देते थे । उनके तबले के सुर को सुन लोग मदहोश हो जाते हैं और कहते हैं वाह उस्ताद। हालांकि टेलीविजन पर आता ताज चाय का विज्ञापन भी उन्हें नई पीढ़ी में खासा लोकप्रिय बनाता था। आज अधिकांश लोग उस स्लोगन के साथ उस्ताद को याद कर रहे हैं। ज़ाकिर हुसैन ने देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में अपनी कला का परचम लहराया है। खुद का नाम तो रोशन किया ही बल्कि अपने राष्ट्र का मान बढ़ाया। हमारी पीढ़ी के लोगों के लिए तबला का दूसरा नाम उस्ताद ज़ाकिर हुसैन ही रहा है। उस्ताद बिस्मिल्ला खान की शहनाई, हरि प्रसाद चौरसिया की बांसुरी, पंडित शिव शर्मा का संतूर..... इसी तरह तबला उस्ताद जाकिर हुसैन साहब के साथ जुड़ा हुआ है। जीवन में इतनी प्रसिद्धि पाने के बाद भी उस्ताद को सादगी से रहना पसंद करते थे। और वह अक्सर जमीन से जुड़े रहते थे।

महान लोगों की महान बातें ज़ाकिर हुसैन साहब को कोई उस्ताद कहता तो असहज हो जाते थे, और बड़ी शालीनता के लिए कहते - भाई मैं उस्ताद नहीं हूं मुझे आप जाकिर या जाकिर भाई कहो उस्ताद कभी बनना भी नहीं चाहूंगा, मैं हमेशा शागिर्द बनकर रहना चाहता हूं। तबला के महान विद्वान खुद को उस्ताद मानते ही नहीं थे, ये शालीनता उन्हें बहुत अलहदा अद्वितीय कलाकार बनाती है।

उन्होंने अपने जीवन में कई संघर्षों के बाद यह मुकाम पाया है। जाकिर हुसैन के अंदर बचपन से ही धुन बजाने का हुनर था। वे कोई भी सपाट जगह देखकर उंगलियों से धुन बजाने लगते थे। यहां तक कि किचन में बर्तनों को भी नहीं छोड़ते थे। तवा, हांडी और थाली, जो भी मिलता, वे उस पर हाथ फेरने लगते थे। शुरुआती दिनों में उस्ताद जाकिर हुसैन ट्रेन में यात्रा करते थे। पैसों की कमी की वजह से जनरल कोच में चढ़ जाते थे। सीट न मिलने पर फर्श पर अखबार बिछाकर सो जाते थे। तबले पर किसी का पैर न लगे, इसलिए उसे अपनी गोद में लेकर सो जाते थे। ऐसा समर्पण जब किसी कलाकार में आ जाता है तो वो किवदंती बन जाता है द्य केवल 12 साल की उम्र में 5 रुपए मिले थे जब जाकिर हुसैन 12 साल के थे, तब अपने पिता के साथ एक कॉन्सर्ट में गए थे। उस कॉन्सर्ट में पंडित रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खान, बिस्मिल्लाह खान, पंडित शांता प्रसाद और पंडित किशन महाराज जैसे संगीत की दुनिया के दिग्गज पहुंचे थे। जाकिर हुसैन अपने पिता के साथ स्टेज पर गए। परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद जाकिर को 5 रुपए मिले थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का जिक्र करते हुए कहा था- मैंने अपने जीवन में बहुत पैसे कमाए, लेकिन वे 5 रुपए सबसे कीमती थे। अमेरिका में भी जाकिर हुसैन को बहुत सम्मान मिला। 2016 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें ऑल स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में भाग लेने के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया था। जाकिर हुसैन पहले इंडियन म्यूजिशियन थे, जिन्हें यह इनविटेशन मिला था।

उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था, तो सबसे कम उम्र के कलाकार थे द्य 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उन्हें 2009 में पहला ग्रैमी अवॉर्ड मिला था। 2024 में उन्होंने 3 अलग-अलग एल्बम के लिए 3 ग्रैमी भी जीते। संगीत की दुनिया में उस्ताद ज़ाकिर हुसैन साहब आप ध्रुव तारे की तरह चमकते रहेंगे। आपकी उँगलियों से निकलता संगीत पूरी दुनिया के बीच आपको ज़िन्दा रखेगा।

किसान आंदोलन : शरू हो चुकी है एकजुट होने की क़वायद

13 फ़रवरी 24 से किसानों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन जिसे कि शुरू से ही संयुक्त किसान मोर्चा से पूर्व में जुड़े सभी किसान संगठनों का समर्थन हासिल नहीं है, वह सिर्फ़ इसी आपसी फूट के चलते लंबा खिंचता जा रहा है। यहाँ तक कि आमरण अनशन पर बैठे 80 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन भी संकट में पड़ गया है। उधर सरकार तमाशाई बनी बैठी है तथा किसानों की आपसी फूट को देखते हुये आंदोलन को तब तक खींचे रखना चाहती है जब तक किसान थक हार कर आंदोलन समाप्त न कर दें या इनमें और अधिक फूट न पड़ जाये।

निर्मल रानी

पंजाब - हरियाणा की सीमाओं पर चलने वाला किसान आंदोलन धीरे धीरे और गंभीर रूप धारण करता जा रहा है। क्योंकि हरियाणा की सीमा खनौरी में गत 24 दिन से आमरण अनशन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (N.P.) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। किसान नेता के स्वास्थ की देखरेख में लगे डॉक्टर्स उनकी सेहत को लेकर बेहद चिंतित हैं। डल्लेवाल 80 साल की उम्र में इतने दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनकी देखभाल में लगे डॉक्टर्स के अनुसार पहले से ही कैंसर रोग से पीड़ित डल्लेवाल के लिवर व किडनी को इस अनशन के कारण काफ़ी नुक़सान पहुँच चुका है। उनकी किडनी व लीवर की स्थिति काफ़ी नाज़ुक होती जा रही है। ग़ौरतलब है कि इसी वर्ष 13 फ़रवरी को पंजाब के किसान अपनी उन मांगों को पूरी करने के वादों को याद दिलाने के लिये दिल्ली जाना चाह रहे थे जो कि मोदी सरकार द्वारा तीन विवादित कृषि क़ानून वापस लेते समय सरकार द्वारा मानी गयी थीं। परन्तु हरियाणा सरकार ने उन्हें पंजाब सीमा से आगे बढ़कर दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। तभी से यह किसान पंजाब - हरियाणा की खनौरी व शम्भू सीमाओं पर डटे हुये हैं और बीच बीच में दिल्ली जाने का प्रयास भी करते रहे हैं।

क़ाबिल-ए-ग़ौर है कि जब एक वर्ष से भी लंबे समय तक चले संयुक्त किसान मोर्चा के आंदोलन ने नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे कभी न झुकने की छवि बनाने वाले नेता को तीन विवादित कृषि क़ानून वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया था उस समय देश के किसानों के अधिकांश संगठन एकजुट थे। और इसी किसान एकता ने केंद्र सरकार को घुटने टेकने के लिये मजबूर कर दिया था। परन्तु उस समय भी कृषि क़ानून वापस लेने की घोषणा करते समय प्रधानमंत्री मोदी यह कहने से चूके थे कि -हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत के हित में, गांव, ग़रीब के हित में पूर्ण समर्थन भाव से, नेक नियत से ये क़ानून लेकर आई थी। लेकिन इतनी पवित्र बात, पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। शायद हमारी तपस्या में कमी रही। भले ही किसानों का एक वर्ग इसका विरोध कर रहा था। हमने बातचीत का प्रयास किया। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गया। हमने कृषि क़ानूनों को वापस लेने का फ़ैसला किया।÷ यह बात मोदी ने तब कही थी जब कि उस समय देश के अधिकांश छोटे बड़े किसान व उनके अधिकांश संगठन एकजुट थे। परन्तु याद कीजिये उस समय भी सरकार ने अपने

समर्थन में कई ऐसे संगठनों के नाम बता दिए थे जिनका नाम पहले न तो कभी सुना गया न ही वे संगठन अस्तित्व में थे। यानी फ़र्ज़ी संगठनों को किसान संगठन बता कर किसानों में फूट डालने की कोशिश 2020-21 के किसान आंदोलन के समय भी की गयी थी।

परन्तु अब 13 फ़रवरी 24 से किसानों द्वारा शुरू किया गया आंदोलन जिसे कि शुरू से ही संयुक्त किसान मोर्चा से पूर्व में जुड़े सभी किसान संगठनों का समर्थन हासिल नहीं है, वह सिर्फ़ इसी आपसी फूट के चलते लंबा खिंचता जा रहा है। यहाँ तक कि आमरण अनशन पर बैठे 80 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन भी संकट में पड़ गया है। उधर सरकार तमाशाई बनी बैठी है तथा किसानों की आपसी फूट को देखते हुये आंदोलन को तब तक खींचे रखना चाहती है जब तक किसान थक हार कर आंदोलन समाप्त न कर दें या इनमें और अधिक फूट न पड़ जाये। मगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का सरकार पर असर पड़े या न पड़े लेकिन किसान संगठनों व विपक्षी नेताओं पर इसका प्रभाव पड़ता ज़रूर दिखाई देने लगा है। जहां विभिन्न विपक्षी राजनैतिक दलों के नेता खनौरी स्थित डल्लेवाल के अनशन स्थल पर उनका स्वास्थ समाचार लेने बड़ी संख्या में पहुँचने लगे हैं वहीँ संयुक्त किसान मोर्चा के विभिन्न धड़ों में भी हलचल तेज़ हो चुकी है। एस के एम के कई महत्वपूर्ण घटकों से किसान एकता के स्वर उठने शुरू हो चुके हैं।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण बयान किसान नेता राकेश टिकैत की ओर से आया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुये टिकैत ने कहा है कि-किसान यदि अलग-अलग चलेंगे तो लुटेंगे। हमें एकजुट रहना होगा। 10 महीने पहले जब आंदोलन शुरू हुआ हमने सबको कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा और सब इकट्ठा हो जाएं। दिल्ली की कॉल अलग-अलग मत दें। जब तक इकट्ठा नहीं होंगे तब तक दिल्ली से दूर रहना चाहिए। हमें जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिंता है। हम प्रदर्शनकारियों के साथ हैं। राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार को जल्द ही बात करनी चाहिए। बात सरकार को करना है, नफ़ा नुक़सान सरकार को देखना है। दिल्ली की तैयारी करनी है तो सभी लोगों को इकट्ठा होना होगा। सभी मोर्चे को इकट्ठा होकर बातचीत करनी चाहिए। ग़ौरतलब है कि धरने पर बैठे किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा को आंदोलन को सहयोग व समर्थन देने सम्बन्धी चिट्ठी भी लिखी है।

पंजाब व हरियाणा के भी कई किसान संगठन, व्यापक किसान एकता की बात ज़ोर शोर से करने लगे हैं। देर से ही सही परन्तु किसान नेताओं को अब यह समझ आने लगा है कि केंद्र सरकार 2020-21 के संगठित किसानों के आंदोलन को कमज़ोर व बदनाम करने के लिये कौन से हथकंडे नहीं अपना रही थी? फ़र्ज़ी किसान संगठनों को खड़ा करने से लेकर किसान आंदोलन को बदनाम करने तक के लिए सरकार द्वारा कौन कौन से प्रोपेगण्डे नहीं किये गये? इन्हें आन्दोलनजीवी, ख़ालिस्तानी,देशद्रोही न जाने क्या क्या कहा गया? आंदोलन के चरित्र पर सवाल खड़े किये गये। परन्तु इन सब आरोपों के बावजूद सरकार को इन्हीं तथाकथित आन्दोलनजीवी, ख़ालिस्तानी व देशद्रोही किसानों की मांगों के आगे घुटने भी टेकने पड़े। और स्वयं प्रधानमंत्री को सामने आकर कृषि क़ानून वापस लेने की घोषणा करते समय किसानों को संबोधित करना पड़ा। इसका कारण केवल एक था और वह था संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में चलने वाला ऐतिहासिक किसान आंदोलन।

बिजली कर्मचारियो के विरोध के बीच ऊर्जा मंत्री ने गिनाए प्राइवटाइजेशन के फायदे

मनमोहन सरकार ने की थी शुरूआत : एके शर्मा

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। विधान सभा में मंगलवार को बिजली के निजीकरण का मुद्दा जोरशोर से उठा। सपा व कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए बिजली का निजीकरण कर रही है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विपक्षी दलों की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल को सीधे नकार देना उचित नहीं होगा।

विपक्ष के सवालों पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में जब योगी सरकार बनी थी, तब 1.21 लाख मजरों में बिजली नहीं थी। योगी सरकार 2.0 के कार्यकाल में ढाई वर्ष में 50 हजार नए बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। बिजली विभाग को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की सोच है।

केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार ने पीपीपी मॉडल की शुरुआत की थी, जो आज सफलतापूर्वक चल रहा है। निजीकरण से उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली दे सकते हैं तो इसमें खराबी क्या है। आगरा व नोएडा में यह सफलतापूर्वक काम कर रहा है।

प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने व सबकी भलाई के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। नोएडा की कंपनी की बिजली दर पूरे प्रदेश की बिजली दर से 10 प्रतिशत कम है। जबकि सरकार सब्सिडी भी नहीं देती। उन्होंने हाईवे व बस अड्डों में इस प्रयोग से मिल रहे बेहतर परिणामों की भी चर्चा की। कहा, यदि बेहतर करने की कोई गुंजायश है तो इसके लिए प्रयास क्यों न किया जाए। इसे लेकर बातचीत की जा रही है। टोरेंट कंपनी की गुणवत्ता ठीक है, इसलिए उसे

लाइन हानि के नाम पर बजट देने पर पावर एसोसिएशन ने उठाए सवाल

चुना गया। कहा कि सरकारी, संविदा व ठेका कर्मियों का अहित नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह प्रक्रिया चल रही है, जिस पर काम हो रहा है।

गंभीर वित्तीय संकट से जूझते पावर कारपोरेशन को द्वितीय अनुपूरक के माध्यम से लाइन हानि के नाम पर भारी-भरकम धनराशि दिए जाने पर उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन का कहना है कि जब बिजली कंपनियों को निजी क्षेत्र में देने की तैयारी है तब फिर अनुपूरक बजट से भारी-भरकम धनराशि क्यों दी जा रही है? इसकी जांच होनी चाहिए।

दक्षिणांचल व पूर्वांचल डिस्काम के निजीकरण के संबंध में आंदोलन की रूपरेखा तय करने के लिए एसोसिएशन की मंगलवार को हुई बैठक में कहा गया कि यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि विधानसभा में विधायक डा. रागिनी को जवाब दिया जाता है कि सरकार ने डिस्काम के निजीकरण के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है और ऊर्जा मंत्री कहते हैं कि निजीकरण के पीपीपी मॉडल को नकारना पूरी तरह से उचित नहीं है।

एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि गौर करने वाली बात यह है कि मंत्री ने मुलाकात में कहा था कि पीपीपी मॉडल को लेकर कोई योजना उनके संज्ञान में ही नहीं है। वर्मा ने कहा कि सरकार की ओर से निजीकरण को लेकर स्पष्ट जवाब न दिए जाने से वंचित और पिछड़े वर्ग के कर्मचारी जन आंदोलन तैयार करने के लिए बाध्य होंगे।

किसान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर : ब्रजेश

डिप्टी सीएम ने एसोचैम द्वारा आयोजित एग्रो प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। किसान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं, वे दिन-रात खेत में मेहनत करते हैं, तब कहीं जाकर हमारी थाली में रोटी आती है। यह कहना है प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का। वे बुधवार को राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एसोचैम द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'उत्तर प्रदेश एग्रो प्रदर्शनी, सम्मेलन एवं कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर पहुंचे थे।

किसानों को जैविक खाद का प्रयोग करने का भी किया आग्रह

एग्रो प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उन्होंने प्रदर्शनी में अलग-अलग क्षेत्र में कृषि के लिए काम करने वाली संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण किया। डिप्टी सीएम ने कृषि से संबंधित उन्नतशील प्रजातियों व कृषि यंत्रों एवं उपकरणों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने प्रदर्शनी में उपस्थित वैज्ञानिकों एवं अन्य लोगों से मुलाकात भी की और उनके विचारों को जाना। साथ ही प्रदर्शनी में उपस्थित गणमान्य लोगों से किसानों के हित और उन्हें समृद्ध करने के लिए उन्नतशील प्रजातियों व कृषि उपकरणों की पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। किसानों से खेती के दौरान रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल न करते हुए जैविक खाद का प्रयोग करने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर एसोचैम उत्तर प्रदेश के को-चेयरपर्सन हसन याकूब जी, उत्कर्ष कोर-इन्वेस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर सुमन सौरभ जी, कृषि विभाग के प्रमुख सचिव एवं आईएएस रवींद्र जी, समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता नीरज सिंह समेत कृषि के क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिक, शिक्षक इत्यादि मौजूद रहे।

भाषा विवि के विद्यार्थियों को मिला यूथ इम्पैक्ट चैलेंज में सांत्वना पुरस्कार

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। खूवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के वाणिज्य विभाग के छात्रों ने यूनिसेफ यूपी कार्यालय के यूथ इम्पैक्ट चैलेंज 2.0 सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया छात्रों में नमरा रफ़त (बी कॉम तृतीय वर्ष) और उनकी टीम, जिसमें दिपांशु गुप्ता, ईशा, सफीया महताब, मेहविश और उम्मे सलमा शामिल है यूनिसेफ के चाबी-यान द्वारा आयोजित यूथ इम्पैक्ट चैलेंज 2.0 और यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता ने भारत में यूनिसेफ के 75 वर्ष और बाल अधिकारों के लिए कन्वेंशन के 35 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। यूथ इम्पैक्ट चैलेंज 2.0 एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य युवाओं को बच्चों के जीवन में बदलाव लाने के लिए कार्रवाई करने और अंतर बनाने के लिए सशक्त बनाना है। इस चैलेंज में

नमरा और उनकी टीम को उनके उत्कृष्ट एक्शन प्रोजेक्ट के लिए मान्यता दी गई, जिससे उन्हें सांत्वना पुरस्कार मिला।

बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव बनाने के उनके प्रयासों की प्रशंसा में, यूनिसेफ यूपी कार्यालय उन्हें पुरस्कार राशि प्रदान करेगा और उन्हें इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करेगा। इन अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार अपने छात्रों की उपलब्धि पर गर्व करता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

किसानों के बिना देश का कोई भविष्य नही : बलदेव सिंह

किसान ही थे जिनकी बदौलत महामारी के समय अपने आप को संभाल पाए : कृषि राज्य मंत्री

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। भारत एक कृषि प्रधान देश है ये तो सभी जानते हैं लेकिन देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ अगर कोई है तो वो है हमारे किसान भाई, ये किसान ही थे जिनकी बदौलत हम विश्व की सबसे बड़ी महामारी के समय अपने आप को संभाल पाए, जब पूरे देश में चक्का जाम हो गया था तो ये किसान ही था जो अपने खेत में काम कर रहा था, ये बातें बुधवार को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एसोचैम द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'उत्तर प्रदेश एग्रो प्रदर्शनी, सम्मेलन एवं कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में पहुंचकर उत्तर प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कही।

एग्रो प्रदर्शनी, सम्मेलन एवं कार्यशाला के एक सत्र को संबोधित करते हुए यूपी के कृषि राज्य मंत्री बलदेव औलख ने कहा कि 2014 में

केंद्र में हमारी सरकार आने और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से कृषि क्षेत्र लगातार तरक्की कर रहा है, हमारी सरकार ने बड़े स्तर पर कृषि का परिदृश्य बदला है, हमारे देश के किसानों को आज बेहतर से बेहतर सुविधा मिले इसके लिए हमारी सरकार केंद्र में मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश में योगी जी के नेत्व में काम कर रही है। मंत्री बलदेव औलख ने आगे कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी, सम्मेलन और कार्यशाला के जरिए किसानों को नई तकनीक की जानकारी मिलती है। इस तरह के आयोजन से न केवल किसानों को बल्कि सरकार को भी ये समझने को मिलता है कि किसानों को किस तरह से प्रौद्योगिकी और तकनीक के जरिए समृद्ध किया जा सकता है। इन आयोजनों के जरिए किसानों को उन्नत बीज, अच्छी खाद, अच्छे कृषि यंत्र और

कहा, नई- नई तकनीक से छोटे और मझोले किसानों को अवगत कराएं

उपकरण कैसे प्राप्त हो इसकी भी जानकारी मिलती है।

आज कृषि क्षेत्र को फायदे का सौदा बनाने के लिए हमारी सरकार की कोशिश है कि हम बड़े उद्योगपतियों की मदद से उनकी सहायता करें और नई-नई तकनीक से छोटे और मझोले किसानों को अवगत कराएं। किसानों की छोटी-छोटी समस्याओं को हल करने के लिए पहले हमने उनकी समस्याओं को जाना फिर एक्सपर्ट की सहायता से उन्हें दूर करने के उपाय पर काम करना शुरू किया। आगे बोलते हुए मंत्री औलख ने कहा कि- आज स्वायल हेल्थ परिक्षण तकनीक के जरिए हम ये पता तर सकते हैं कि हमारे खेत मिट्टी को किस फसल के अनुरूप कौन सी खाद और उर्वरक की जरूरत है।

मंत्री औलख ने कहा कि हमारी सरकार की कोशिश है कि पराली जलाने जैसी घटनाओं को जड़ से खत्म किया जाए, इसके लिए हम लगातार किसानों से संपर्क कर रहे हैं और उनको जागरूक कर रहे हैं कि कैसे पारीली जलाने से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है।संबोधन के उपरांत कृषि राज्य मंत्री बलदेव औलख ने एग्रो प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया जहां उन्होंने देश के कोने-कोने से अलग-अलग क्षेत्र में कृषि के लिए काम करने वाली संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रदर्शनी में पराली जलाने के झंझट से मुक्ति के लिए बनाये गई 'बेलर' मशीन का निरीक्षण किया और उसके बारे में जानकारी ली। इसके साथ मंत्री औलख ने देहात सीड्स मार्केटिंग, वाइटलकेप, रोमन्स इंटरप्राइजेज, यमीनेस्ट भारतीयम फूड स्टाल, चेको और क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया के स्टालों का निरीक्षण किया।

एनटीए ने बीएचयू को भेजा नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का डेटा

वाराणसी। बीएचयू में पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया एक सप्ताह में शुरू हो सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से नेट और जेआरएफ क्वालिफाइड अभ्यर्थियों के डेटा का लिंक बीएचयू को शेयर कर दिया गया है। पीएचडी नियमों में बदलाव को लेकर एक कमेटी गठित की गई है। कमेटी ने रिपोर्ट दे दी है।

कुलपति की मुहर के बाद पीएचडी बुलेटिन में बदलाव किया जा सकता है। इसके बाद ऑनलाइन पोर्टल पर प्रवेश का लिंक जारी किया जाएगा। बीएचयू में दीक्षांत के ठीक बाद पीएचडी बुलेटिन जारी होना था, लेकिन कमेटी की अनुशंसा विचाराधीन है। जबकि छात्रों की ओर से 10 बिंदुओं में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के नियमों में बदलाव की मांग की थी। पिछले दो महीने से प्रवेश प्रक्रिया लटकी हुई है। जून में नेट की परीक्षा दिए छात्रों को ही प्रवेश के लिए अनुमति दी गई थी, जिसका छात्रों ने विरोध किया था।

नोएडा पावर कंपनी बिना सब्सिडी के 10 फीसदी बिजली दरों में कमी करके चल रही

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। कल प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा द्वारा विधानसभा के अंदर उत्तर प्रदेश में निजीकरण के दोनों प्रयोग नोएडा पावर कंपनी व टोरेंट पावर की तारीफ करते हुए कुछ बातें रखें गई जो पूरी तरह सही नहीं है ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नोएडा पावर कंपनी बिना सब्सिडी के 10 प्रतिसत बिजली दरों में कमी करके चल रही है ऊर्जा मंत्री इसकी लडाई उपभोक्ता परिषद ने लडी है और वर्ष 2022-23 मैं पहली बार शुरुआत इसलिए हो पाई क्योंकि उपभोक्ता परिषद ने नोएडा पावर कंपनी के कारनामो की पोल खोलते हुए आयोग के सामने यह मुद्दा उठा दिया था की नोएडा पावर कंपनी अपना लाभ छुपाने के लिए अपने प्रबंध निदेशक को 55 लाख रुपया प्रतिमाह सैलरी देता है और औसत बिजली खरीद से ज्यादा उपभोक्ताओं से वसूली करता है सहित अनेकों मामले उठाएं जिसकी वजह से

उत्तर प्रदेश के निजीकरण के दोनों प्रयोग एनपीसीएल और टोरेंट पावर की तारीफ पर उपभोक्ता परिषद ने खोला मोर्चा

उसे वर्ष जो नोएडा पावर कंपनी 427 करोड के सरप्लस में थी उसके एवज में 10 प्रतिसत बिजली दरों में कमी की गयी टैरिफ आदेश में सभी मामले दर्ज हैं कोई भी देख सकता है और इसके बाद वर्तमान वर्ष में नोएडा पावर कंपनी लगभग 1082 करोड के सर प्लस में है इसलिए 10 प्रतिसत कमी आगे चल रही है प्रदेश की बिजली कंपनियां जिनके ऊपर विद्युत उपभोक्ताओं का भी सर प्लस निकल रहा है वर्तमान में लगभग 33122 करोड सर प्लस है लेकिन सरकार के दबाव में विद्युत नियामक आयोग ने पांचो बिजली कंपनियों में बिजली दरों में कमी नहीं होने दिया उपभोक्ता परिषद आयोग में याचिका भी दाखिल किया और कहा इस रकम को बराबर करने के लिए एक साथ 40 प्रतिसत अथवा अगले 5 वर्षों तक 8प्रतिसत बिजली दरों में कमी करके हिसाब बराबर किया जा सकता है । इसके लिए उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा मंत्री सहित उत्तर प्रदेश सरकार से भी विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 108 के तहत दरों में कमी करने का अनुरोध किया था मतलब नोएडा पावर कंपनी की तरह पूर्वांचल दक्षिणांचल मध्यांचल पक्षमांचल केस्को में बिजली दरों में कमी इसलिए नहीं हो पाई क्योंकि सरकार ने कमी होने नहीं दिया उत्तर प्रदेश सरकार को पता ही होगा कि वर्ष 2024-25 में भी प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर लगभग 1944 करोड सर प्लस निकला इसके बावजूद भी बिजली दरोमें कमी नहीं की गई तो उपभोक्ता परिषद की लडाई नोएडा पावर कंपनी मैं बिजली घरों में कमी का मुख्य आधार है।

ज़रूरतमंदों को बाँटें कम्बल

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। शहर में बढ़ती ठंड को देखते हुए सामाजिक संस्था रोटरी क्लब औफ लखनऊ निराला नगर के अध्यक्ष रोटेरियन विनोद चंनदिरमानी व सदस्यों ने बुधवार को कम्बल वितरण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्लब के भूतपूर्व अध्यक्ष रोटेरियन आनंद स्वरूप अग्रवाल एवं अध्यक्ष नामित रोटेरियन गिरधर गोपाल यादव के सहयोग से 800 कम्बल वितरित किया । वितरण की शुरुआत मोती नगर के अग्रवाल कालेज से की गई। फिर सदस्यों ने मलिहाबाद के एक गाँव बखतयार नगर में ज़रूरतमंदों को कम्बल बाँटें। तीसरे चरण में सीतापुर रोड पर भिन्न भिन्न गाँवों में जैसे कि नौबसता एवं दुदोली मार्ग पर गर्म कम्बल बाँटें गए।

रोटरी क्लब औफ लखनऊ के बहुत से सदस्यों ने अपने हाथों से कम्बल बाँटें जिसमें मौक़े पर भूतपूर्व मंडलाअध्यक्ष रोटेरियन चन्द्र प्रकाश अग्रवाल, सचिव अशोक टंडन, भूतपूर्व अध्यक्ष वाई के गोयल, भूतपूर्व अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, अध्यक्ष नामित रोटेरियन गिरधर गोपाल यादव ,कोषाध्यक्ष रोटेरियन विभोर अग्रवाल एवं भूतपूर्व अध्यक्ष प्रवीन मितल आदि मौजूद रहे। ग़रीबों ने रोटेरियनस को बहुत आशीर्वाद व दुआएँ दीं।

यूपी विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

सपा नेता धरने पर बैठे, बिजली के निजीकरण के मुद्दे पर हुए सवाल-जवाब

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधानमंडल सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही सपा नेताओं के हंगामे के बाद स्थगित हो गई। वहीं, सपा नेता अतुल प्रधान विधान भवन स्थित चौधरी चरण सिंह प्रतिमा के पास धरने पर बैठ गए। इसके पहले, सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई और विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर बिजली के निजीकरण के मुद्दे को लेकर सवाल उठाए। सपा नेता ने कहा कि हमारी सरकार में बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ था। इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम किया गया था। आज ये स्थिति है कि निजीकरण किया जा रहा है। इससे बिजली महंगी हो जाएगी।

ऊर्जा विभाग पर सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने 17 हजार

मेगावाट बिजली का उत्पादन किया। भाजपा की सरकार ने उसे डबल तक नहीं किया। आप ट्रांसफर बदलते है अगले पल वह खराब हो जाते हैं। समाजवादी पार्टी की देन है कि प्रदेश में बिजली है और आप उसके सहारे काम कर पा रहे है। बिजली विभाग को भाजपा बेंच रही है।

इस पर ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने जवाब दिया और कहा कि योगी सरकार में करोड़ों लोगों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं और अब बिजली आना सिर्फ कुछ जिलों तक ही सीमित नहीं रह गया है। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विधान परिषद में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में खाद्य आयोग के गठन के लिए विज्ञापन इसी माह जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष व सदस्यों के रिक्त पद भरे जाएंगे। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सभी दलों के नेता एक दूसरे से मिले। इस दौरान विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के पैर छुए।

टेबल-टेनिस टूर्नामेन्ट में छात्र ने जीता गोल्ड मेडल

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस के कक्षा-6 के प्रतिभाशाली छात्र अर्णव श्रीवास्तव ने विकास सिंह मेमोरियल टेनिस टूर्नामेन्ट में गोल्ड मेडल अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। अर्णव ने यह गोल्ड मेडल अण्डर-12 सिंगल्स ब्वाएज कैटेगरी में जीता है। इसके अलावा, अर्णव ने अण्डर-16 डबल्स कैटेगरी में अपनी खेल प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय के इस उदीयमान टेबल-टेनिस खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि इस टूर्नामेन्ट में कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के चुने हुए छात्रों ने प्रतिभाग किया एवं कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इस

प्रतिभाशाली छात्र ने अपने दमखम व अभूतपूर्व खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर साबित किया निकट भविष्य में वह देश का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर रोशन करने को संकल्पित है।

श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. छात्र न सिर्फशैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

आर्टस एण्ड म्यूजिक कम्पटीशन का भव्य उद्घाटन आज

देश-विदेश से पधारी प्रतिभागी छात्र टीमों का लखनऊ में हुआ स्वागत

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, इन्दिरा नगर द्वितीय कैम्पस एवं अयोध्या रोड कैम्पस के संयुक्त तत्वावधान में पाँच-दिवसीय इण्टरनेशनल स्पोर्टस, आर्टस एण्ड म्यूजिक कम्पटीशन (सैम-2024) का भव्य उद्घाटन कल 19 दिसम्बर, वृहस्पतिवार को अपरान्हः 3.00 बजे सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में होगा। डा. रतन कुमार, डायरेक्टर, आट्र्स कालेज, लखनऊ उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर सी.एम.एस. छात्र देश-विदेश से पधारी छात्र टीमों के सम्मान में रंगारंग शिक्षात्मक-साँस्कृतिक प्रस्तुत करेंगे। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि सैम-2024 का आयोजन 19 से 23 दिसम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर

रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है, जिसमें नेपाल एवं श्रीलंका समेत भारत के विभिन्न प्रान्तों से प्रतिष्ठित विद्यालयों की छात्र टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। इस अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु आज दिन भर प्रतिभागी छात्र टीमों के आने सिलसिला जारी रहा। सभी प्रतिभागी छात्र टीमों का लखनऊ पधारने पर भव्य स्वागत हुआ।

श्री खन्ना ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय समारोह के अन्तर्गत देश-विदेश के प्रतिभागी छात्रों के लिए विभिन्न रोचक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं ऑफ्लाइन एवं ऑनलाइन आयोजित की जायेंगी, जिनमें सैम फ्लोर फ्यूजनिस्ट (रंगोली), सैम कुसाइन कोनाइजर्स (फायरलेस कुकिंग), सैम स्कल्पटर्स (3डी मॉडल मेकिंग), सैम मेलिफ्लुअस मार्शल्स (मार्शल आर्ट), सैम मेलोडी मैस्ट्रो (फैशन शो), सैम मैरियोनेट मैजीशियन (कोरियोग्राफी), सैम क्विजर्स (क्विज), सैम ग्राफिटर्स (पेन्टिंग), सैम इको-विजुअलाइजर्स (कोलाज) एवं सैम कान्क्लेव आदि प्रमुख हैं।

इसके अलावा, सैम-2024 के अन्तर्गत ऑनलाइन प्रतियोगितायें भी आयोजित की जायेंगी जिनमें सैम अप्लाडर्स (समूह गान), सैम टेल वीवर्स-एलोमाइम (कविता पाठ), सैम सिनर्जिस्ट (नृत्य), सैम ग्रुव एण्ड ग्लाइड (स्केटिंग) शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं में प्री-प्रइमरी से लेकर सीनियर वर्ग तक के छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। श्री खन्ना ने विश्वास व्यक्त किया कि ये प्रतियोगिताएं छात्रों की प्रतिभा को तो उभारेंगी ही अपितु उनके मनोबल व आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होंगी एवं चुनौतियों को सहर्ष स्वीकार करने का हौसला देंगी।

मानस मंदिर डालीगंज में कन्या दान उत्सव 22 को

लखनऊ। राधा सखी सेवा परिवार समिति की ओर से छठा कन्यादान उत्सव 22 दिसम्बर दिन रविवार को डालीगंज स्थित मानस मंदिर में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर आज एक बैठक मानस मन्दिर मे समिति की अध्यक्ष व संस्थापिका सुषमा अग्रवाल व मौसमगंज रामलीला समिति के अध्यक्ष घनश्यामदास अग्रवाल की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। सुषमा अग्रवाल ने बताया कि इस बार भी पांच कन्याओं का कल्याण मंडप होगा। सुषमा ने बताया कि विवाह से पूर्व 22 को पूर्वाह्न 11 बजे नयागंज डालीगंज से पांचों दूल्हे बरात लेकर आयेगी। 11:30 बजे द्वारचार, साढ़े 12 बजे जयमाल और शाम साढ़े चार बजे डोली में गोधुली बेला में विदाई कार्यक्रम होगा। शाम को साढ़े पांच बजे यहां भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। बैठक में अंजलि बंसल, गीता गुप्ता, कविता, बीना जैन, उर्मिला अग्रवाल, निरुपमा, विधि बंसल शीला सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

लोक सेवा आयोग की परीक्षा के संबंध में हुई समीक्षा बैठक

अवधनामा संवाददाता

सम्भल (बहजोई) कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा प्रतिष्ठापरक परीक्षा सम्मलित राज्य / प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा 2024 जोकि 22 दिसम्बर 2024 को जनपद सम्भल में आयोजित की जानी है।परीक्षा व्यवस्था की तैयारियों एवं लोक सेवा आयोग के परीक्षा से संबंधित निर्देशों के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग से पीसीएस परीक्षा 2024 के लिए आये समन्वयक संजय ने आयोग के निर्देश एवं गाइडलाइन के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि जनपद में पीसीएस परीक्षा 2024 के लिए 9 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं जिनमें से 6 परीक्षा केंद्र सम्भल क्षेत्र तथा 3 परीक्षा केंद्र चंदौसी क्षेत्र में बनाये गये हैं। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा 22 दिसम्बर 2024 को दो सत्रों में सम्पन्न होगी इसमें प्रथम सत्र प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय सत्र अपराह्न 2:30 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी तथा प्रत्येक सत्र 2 घंटे का होगा। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट के दायित्वों के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी।परीक्षा केंद्र पर तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट कोषागार से प्रश्न पुस्तिकाओं का गोपनीय ट्रंक प्राप्त करने एवं संबंधित परीक्षा केंद्र पर केन्द्र व्यवस्थापक , सह केंद्र व्यवस्थापक की उपस्थिति में लाइव सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में स्टैटिक मजिस्ट्रेट को उपलब्ध कराया जाए व अपनी देखरेख में प्रश्न पुस्तिकाओं का गोपनीय ट्रंक खुलवाने, बंटवाने व अवशेष प्रश्न पुस्तिकाओं को अपने सम्मुख सील कराने तथा परीक्षा समाप्ति के उपरांत गोपनीय बंडल स्टैटिक मजिस्ट्रेट से प्राप्त कर डाकघर में जमा कराएंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट आवंटित परीक्षा केंद्र का परीक्षा तिथि के एक दिन पूर्व भ्रमण कर आवागमन के मार्गों तथा विश्व परिस्थितियों हेतु वैकल्पिक मार्ग भी देखेंगे। ट्रंक के कलर कोड आदि के विषय में भी जानकारी दी गयी। प्रश्न पत्र को परीक्षा केंद्र पर 1 घंटे पहले कॉलेज को रिसीव कराना है। स्टैटिक मजिस्ट्रेट के दायित्वों के विषय में भी बताया गया। स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा से दो दिन पूर्व ही परीक्षा केंद्र की सीसीटीवी कैमरे एवं प्रकाश आदि की व्यवस्थाओं को देख लें। अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने दायित्वों को अच्छे से समझ लें किसी प्रकार की कोई त्रुटि ना रहे। अधिशासी अधिकारी नगरपालिका सम्भल को निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षार्थियों के लिए व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा, डीएफओ अभिनव राज, लोकसेवा आयोग से समन्वयक संजय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर आनंद कटारिया,उप जिलाधिकारी सम्भल वंदना मिश्रा, डिप्टी कलक्टर निधि पटेल, डिप्टी कलक्टर दीपक चौधरी, वरिष्ठ कोषाधिकारी प्रवीण कुमार, के प्रश्न पत्रों तथा ओएमआर सीट की वीडियो ग्राफी आदि के विषय में बताया गया। परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र पर प्रवेश को लेकर भी जानकारी दी गयी। अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा द्वारा भी परीक्षा सी जुड़ी प्रमुख बातों को बताया। उन्होंने बताया कि प्रातः 5:30 पर कोषागार खुलेगा तथा डबल लॉक की ब्लॉक सम्भल कैम्पस में व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि परीक्षा के नोडल जिलाधिकारी बनाये गये हैं तथा पुलिस व्यवस्था के नोडल पुलिस अधीक्षक को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा से दो दिन पूर्व ही परीक्षा केंद्र की सीसीटीवी कैमरे एवं प्रकाश आदि की व्यवस्थाओं को देख लें। अपर पुलिस जिला विद्यालय निरीक्षक वेद राम, एवं समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं का लाभ उठाएं : शैलेन्द्र कुमार सिंह

- डीएम ने अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर अल्पसंख्यक वर्ग का किया आवाह्न
- अल्पसंख्यकों में जागरूकता के लिए अधिक से अधिक योजनाओं का करें प्रचार प्रसार
- विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं से कराया अवगत

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का आवाह्न किया कि वे अल्पसंख्यक कल्याण के लिए केन्द्र व राज्य सरकार के माध्यम संचालित योजनओं का लाभ लें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं का प्रचार - प्रसार स्कूलों व कालेजों के माध्यम से करें। ये विचार बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अल्पसंख्यक अधिकार दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार, के लिए गुरुद्वारा, मस्जिदों का प्रयाग कर सकते हैं। मदरसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, मुशायरा, क्राफ्ट मेला, विज्ञान प्रदर्शनी तथा खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी अयोजन करायें। कार्यक्रमों के फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराये। ताकि अल्पसंख्यक समाज के लोगों में जागरूकता आ सके और वे योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लें। तभी अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाने की सार्थकता सिद्ध होगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह ने विभाग द्वारा संचालित योजना सभी पेशन योजना, परिवारिक लाभ, सामूहिक विवाह योजनाओं के बारे में अवगत कराया। स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ डॉ. चित्रेश कुमार ने केन्द्र सरकार की आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ कैसे लें और ये कार्ड कैसे बनाये के बारे में अवगत कराया। यह भी जानकारी दी कि इसके लिए कौन- कौन सी श्रेणी के लोग या परिवार पात्र होंगे। जिला पूर्ति अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा ने बताया कि सरकार की राशन कार्ड योजना से अवगत कराया। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रशांत कुमार सिंह ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद ने अपने अपने विभाग में संचालित योजनाओं से मौजूद अल्पसंख्यक के लोगों को जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम में बलविंदर सिंह आदि उपस्थित थे।

छात्राओ को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

चंदौसी (सम्भल) जिलाधिकारी के दिशानिर्देशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत चंदौसी के रामप्यारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी को धूल चटा सकें, सचिव सुरेश कुमार व ब्लैक बेल्ट होल्डर महिला कोच रेखा ने सभी छात्राओं को लेग राइस, साइड किक, नकल पंच, फेस अटैक, पॉम अटैक की ट्रेनिंग दी तथा शरीर के सबसे कमजोर अंगों की जानकारी दी, छात्राओं ने बताया कि मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ले कर खुद को मजबूत महसूस कर रही हैं व उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है, जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि छात्राएं काफी संख्या में उपस्थित हो रही हैं, जो बहुत ही उत्साहित हैं। छात्राओ को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार और महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, छात्रवृति आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। इस मौके पर कॉलेज का समस्त स्टाफ और अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

किसान दिवस का किसान संगठनों ने किया बहिष्कार

- डीडी कृषि के खिलाफ आक्रोशित हुये किसान
- मुख्य गेट से कलेक्ट्रेट सभागार तक नारेबाजी, प्रदर्शन
- किसानों की अनदेखी कर रहे कृषि विभाग के अधिकारी: भाकियू

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को जिला स्तर पर मनाये जाने वाले किसान दिवस का किसान संगठनों ने अधिकारियों पर किसानों के हितों व किसानों की उपस्थिति को अनदेखा करने का आरोप लगाते हुये बहिष्कार कर दिया। कृषि विभाग के शिथिल रवैये से आक्रोशित हुये किसानों ने जिलाधिकारी कार्यालय के मुख्य द्वार पर जाम लगा दिया और जोरदार नारेबाजी करते हुये प्रदर्शन किया। विभिन्न संगठनों के किसानों ने प्रदर्शन करते हुये समझाने आये एसडीएम के समक्ष अपनी समस्याओं को रखना चाहा, लेकिन कुछ किसानों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर समस्याओं के निराकरण की मांग कर दी। लिहाजा सभी किसानों को डीएम कार्यालय तक आने के लिए कहा गया। कलेक्ट्रेट परिसर में दाखिल होते ही किसान नेताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुये अपनी नाराजगी जाहिर की। तदोपरान्त सूचना मिलने पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के आदेश पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव ने किसानों के प्रति साहृदयता दिखाते हुये किसानों को सम्मान सहित सभागार में बैठाया और उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद एक शख्स जो कि स्वयं को किसान नेता बताते हुये सभागार में दाखिल हुआ था ने किसान नेताओं से कुछ और समय इंतजार करने की बात कहते हुये भाकियू लोकशक्ति के जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा से टारगेट पर होने की बात कही। बस फिर क्या था, एडीएम अंकुर श्रीवास्तव के समक्ष ही किसान नेता उक्त व्यक्ति पर साजिशन हत्या कराने के आरोप लगाने लगाने लगे। यह सुनकर अन्य किसान नेताओं ने भी उक्त व्यक्ति को खरी-खोटी सुनाई। एडीएम ने सरल हृदय से फिर किसानों को मनाने का प्रयास किया और बैठक में दौड़ते-भागते हुये पहुंचे उप निदेशक कृषि बसन्त कुमार दुबे को एडीएम ने फटकार लगा दी। एडीएम ने डी.डी.कृषि से कहा कि अधिकारी किसानों की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण के लिए हैं। उन्होंने तत्काल अन्य अधिकारियों को बुलाकर किसान दिवस मनाते हुये किसानों की समस्याओं को सुनने और उनका समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान वरिष्ठ किसान नेता लाखन सिंह पटेल, भाकियू लोकशक्ति जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा, कीरत सिंह बाबा, पहाड़ सिंह, रंजीत सिंह, राजपाल सिंह यादव, विश्वनाथ यादव, करन पाल के अलावा अनेकों किसान नेता मौजूद रहे।

किसानों ने अनदेखी होने पर किया था प्रदर्शन

विभिन्न संगठनों से आये किसानों ने अवगत कराया कि किसान दिवस को लेकर उन्हें विकास भवन सभागार में सुबह 11 बजे बुलाया गया था। समय के अनुसार किसान नेता भी विकास भवन के सभागार पहुंच गये। किसानों ने बताया कि विकास भवन सभागार में उक्त समय पर ही दूसरा कार्यक्रम संचालित हो रहा था, जिस पर किसानों को अंदर आता देख उप कृषि निदेशक द्वारा किसान नेताओं को सभागार से बाहर जाने और कुछ समय पश्चात आने की बात कही गयी। इतना ही नहीं किसान नेताओं का आरोप है कि उन्हें करीब एक घण्टे से अधिक समय तक सभागार के बाहर ही इंतजार कराया गया।

बांसी में पकड़ी गयी नकली खाद मामले की जांच की मांग

भाकियू (टिकैत) के झांसी मण्डल उपाध्यक्ष कीरत बाबा ने किसान दिवस के प्रभारी अधिकारी को संबोधित एक पत्र में विगत दिनों बांसी में मे.कनकने खाद भण्डार के प्रोपराइटर राजेश गुप्ता के विरूद्ध 70 बोरी डी.ए.टी. पकड़ी गयी थी पर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी। उन्होंने कहा कि उक्त खाद किस फैक्ट्री से बनकर आयी थी और किसने इसे बनाया इसकी जांच कर फैक्ट्री मालिक पर भी कार्यवाही की जाये। इसके अलावा उन्होंने तहसीलों में लेखपालों से बिना मुकद्दमा बटा सही कराये जाने, गल्ला मण्डी में पकड़ी गयी मूंगफली के मामले में गहनता से जांच कर शीघ्र कार्यवाही किये जाने व विद्या के मुख्य गोदाम प्रभारी पर भी खाद गबन का आरोप लगाते हुये कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

संक्षिप्त समाचार

एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन

चन्दौसी (संभल) जिला सेवायोजन कार्यालय संभल एवं राजकीय आईटीआई चंदौसी के संयुक्त तत्वाधान से एक दिवसीय रोजगार मेला राजकीय आईटीआई बदायूं रोड चंदौसी के प्रांगण में किया गया। रोजगार मेला प्रातः 10:30 बजे से 3:00 तक आयोजित किया गया। जिसमें जीवन बीमा निगम, इंडियन सिक्योरिटी फोर्स, पुखराज हेल्थ केयर पंजाब जैसी प्रतिष्ठित कंपनियो ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मंच पर जिला सेवायोजन अधिकारी आमिर जुबैर के साथ प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नरेंद्र सिंह पाल, एलआईसी ब्रांच मैनेजर अजय कुमार त्यागी उपस्थित रहे। रोजगार मेले का संचालन मेला प्रभारी गौरव पूठिया के द्वारा किया गया। रोजगार मेले में 378 रोजगार इच्छुक अभ्यर्थी उपस्थित हुए। प्रारम्भिक स्तर पर 252 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले में विशेष रूप से महिला अभ्यर्थियों को नौकरी का अवसर प्रदान किया गया। रोजगार मेले को सफल बनाने के लिए सुधाकर मिश्रा, अनिल कुमार गुप्ता, प्रदीप कुमार ने अपना सहयोग प्रदान किया।

मथुरा- बीएसए सुनील दत्त ने 147 प्रधानाध्यापकों का वेतन रोका

मथुरा। परिषदीय विद्यालयों के विकास कार्यों में रुचि न दिखाने वाले 147 प्रधानाध्यापकों के वेतन रोकने के आदेश दिए हैं। इन सभी को पत्र भेजकर जल्द कार्य पूरा करने के संबंध में भी पत्र जारी किया है। इन सभी ने पीएफएमएस (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली) के माध्यम से विभिन्न मदों में आई रकम खर्च ही नहीं की। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में भौतिक संसाधनों की अभिवृद्धि व शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शासन की ओर से पिछले माह बाल मेला, शिक्षक-अभिभावन बैठक, कंपोजिट ग्रांट और स्पोर्ट्स ग्रांट आदि मदों में धनराशि जारी की गई थी। विभागीय अधिकारियों के कई बार निर्देश देने के बाद भी प्रधानाध्यापकों ने इन मदों में रकम खर्च नहीं की। सोमवार को बीएसए ने पोर्टल पर समीक्षा की तो खर्च शून्य प्रदर्शित हुआ। बीते दिनों महानिदेशक की ओर हुई समीक्षा में जिला 75 वें स्थान पर रहा। इसे देखते हुए बीएसए सुनील दत्त ने 145 स्कूलों व दो पीएम श्री स्कूलों के प्रधानाध्यापकों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया है।

नदियों में प्रदूषण फैलाते हुये पाये जाने पर होगा जुर्माना : डीएम

- जिला गंगा समिति, पर्यावरण व वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण एवं वृक्षारोपण समिति की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिला गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी एनजीटी से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में कहा कि नदियों में किसी भी प्रकार का प्रदूषण करते पाए जाने और धार्मिक पेशकश नदियों में फेंकते पाए जाने पर सम्बंधित व्यक्ति से जुर्माना वसूला जायेगा। डीपीआरओ को नदियों के पास सूचना एवं चेतावनी बोर्ड लगवाकर लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। कहा कि जनभागीदारी और जन जागरूकता से ही नदियों को स्वच्छ रखा जा सकता है। ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम आद्रभूमि समिति के गठन के निर्देश दिए गए। जनपद में गंगा आरती कराये जाने योग्य घाटों की सूचि तैयार कराये जाने के साथ घाटों की नियमित साफ-सफाई एवं उचित दूरी पर कूड़ेदान भी स्थापित किये जायेंगे। ईओ को दैलवारा में स्थापित फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफ.एस.टी.पी.) को जल्द से जल्द क्रियान्वन में लाने के निर्देश देने के साथ नालों की मैपिंग और टैपिंग जल्दी पूर्ण करने के निर्देश जारी किये। डीएफओ ने एनजीटी सम्बंधित वादों एवं विभागों से प्राप्त हो रही सूचनाओ के भौतिक सत्यापन हेतु जिला गंगा समिति की जांच समिति गठन का प्रस्ताव रखा, जिस पर डीएम ने सहमति दी। जिला पर्यावण एवं वृक्षारोपण की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागों को तहसील दिवस एवं जन चौपाल में वृक्षारोपण के सत्यापन के निर्देश दिए गए। आगामी वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त एक एकड़ या उससे अधिक भूमि के पैच चयनित करने के निर्देश दिए गए, जिससे समय रहते वृक्षारोपण स्थल का लेआउट तैयार किया जा सके। डीएफओ द्वारा समस्त विभागों से उनके द्वारा कराये गए वृक्षारोपण में से 5 प्रतिशत वृक्षारोपण स्थलों की सूचना कार्यालय में प्रेषित करने के साथ वृक्षारोपण स्थलों के सुरक्षा व्यवस्था रखने एवं ग्राम पंचायत वार माइक्रो प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। जिन विभागों द्वारा जिओ टैगिंग नहीं की गई है, उन्हें जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश जारी किये गए। बैठक में परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति केतन दुबे, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड इमरान अली, उपायुक्त श्रम रोजगार आर.के. यादव, एआरटीओ मो. कय्यूम, डीडी निदेशक बसंत कुमार, गोविन्द जयसवाल विद्युत विभाग, रितेश कुमार उच्च शिक्षा विभाग, ए.ई. जल निगम राहुल सिंह, डा.शिव प्रकाश, डी.पी.एम नगर पालिका दीपक कुमार, वासुदेव सिंह, लक्ष्मण चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

गैंग लीडर फरमान ने मुठभेड़ के दौरान पुलिस को दिया चकमा

मथुरा। एसओजी टीम एवं थाना फरह पुलिस' की संयुक्त टीम ने फरमान गैंग के सक्रिय शातिर बदमाश आमिर पुत्र शेर मौहम्मद उर्फ शेरा निवासी सुखदेव नगर थाना कोतवाली जिला मथुरा व मोनू मौहम्मद पुत्र मौहम्मद रफीक पूर्व पता मकान किराया मुस्तफाबाद भजनपुरी के पास पुरानी दिल्ली हाल निवासी मकान किराया बंगाली मस्जिद के पास नसबंदी कालौनी लोनी जिला गाजियाबाद को दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र गेट के पास नाला फरह ओल रोड थाना क्षेत्र फरह मथुरा से पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से असलाह कारतूस व मोटर साइकिल बरामद हुई है। बदमाश आमिर पैर में गोली लगने से घायल हुआ है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जबकि फरमान पुत्र शेर मोहम्मद निवासी सुखदेव नगर सौख रोड थाना कोतवाली जिला मथुरा मुठभेड़ के दौरान अंधेरे का लाभ उठा कर भाग निकला। इनके कब्जे से दो तमंचा, चार कारतूस जिन्दा, चार खोखा कारतूस, एक मोटरसाइकिल स्पलेंडर रंग काला बिना नंबर की बरामद हुई है।

बी एस ए कॉलेज में हुए घोटाले की जाँच करेगी एस टी एफ

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। बीएसए कॉलेज शिक्षक संघ द्वारा किया गया छात्रहित में सराहनीय कार्य।फर्जी प्रबंध तंत्र द्वारा महाविद्यालय के खातों से करोड़ों रुपए की धनराशि अवैध रूप से व्यय करने पर शिक्षक संघ की शिकायत पर एसटीएफ द्वारा जांच शुरू की गई

टीचर्स एसोसिएशन बी.एस.ए. कॉलेज, मथुरा के अध्यक्ष, महामंत्री द्वारा गृह सचिव एवं पुलिस महानिदेशक महोदय, लखनऊ को शिकायती पत्र प्रेषित किया गया था जिसमें उल्लेख किया गया था कि महाविद्यालय में माननीय कुलपति, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा अस्वीकृत/अनानुमोदित प्रबन्ध तन्त्र द्वारा बी.एस.ए. कॉलेज, मथुरा के खातों से अनाधिकृत रूप से श्री अग्रवाल शिक्षा मण्डल (रजि.) मथुरा जिसके कि मंत्री किशोर कुमार अग्रवाल (कोयला वाले) हैं, के खातों में एवं उनकी अन्य संस्थाओं के खातों में हस्तानांतरित की गई करोड़ों रूपये की धनराशि गंभीर वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टचार की श्रेणी में आता है। टीचर्स एसोसिएशन बी.एस.ए. कॉलेज, मथुरा की शिकायत का संज्ञान लेकर पुलिस महानिदेशक महोदय ने उक्त प्रकरण की जांच हेतु स्पेशल टास्क फोर्स (एस.टी.एफ.) फील्ड यूनिट आगरा को नामित किया है। स्पेशल टास्क फोर्स मथुरा ने अपने पत्र दिनांक 12-12-2024 को किशोर कुमार अग्रवाल एवं शिवम अग्रवाल पुत्र किशोर कुमार अग्रवाल को पत्र प्रेषित करते हुए उन्हें तीन दिवस के अन्दर स्पेशल टास्क फोर्स (एस.टी.एफ.) फील्ड इकाई, आगरा पुलिस लाइन आगरा पर समय प्रातः 11:00 बजे उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया है। विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि उक्त प्रकरण की जांच आर्थिक अपराध शाखा उ.प्र. द्वारा भी निकट भविष्य में की जायेगी।

संज्ञान में यह भी आया है कि किशोर कुमार अग्रवाल एवं शिवम अग्रवाल के अतिरिक्त विनोद गर्ग एवं उनके अन्य सहयोगियों को भी एस.टी.एफ. फील्ड यूनिट आगरा के द्वारा उपस्थित होने हेतु पत्र प्रेषित किये गये हैं। अब यह निश्चित है कि महाविद्यालय में की गई गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की वास्तविक जांच एस.टी.एफ. के द्वारा की जायेगी और दोषियों के विरूद्ध संगीन धाराओं में कड़ी कार्यवाही होगी जिससे कि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न हो।

ठंड का प्रकोप बढ़ने से लोग हो रहे हैं बीमार

- केएम अस्पताल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर
- सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने उठाया स्वास्थ्य जांच का लाभ

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। मौसम में परिवर्तन होने से लोगों में बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। इनसे बचने के लिए सभी लोगों को हर छह महीने में अपने शरीर की सभी जांचें करानी चाहिए।' यें बातें केएम अस्पताल के एडीशनल मेडीकल सुप्रीडेंट डा. आरके गुप्ता ने निःशुल्क स्वास्थ जांच शिविर में कहीं। शिविर में 200 के करीब लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया।

केएमयू के कुलाधिपति एवं जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी के निर्देशानुसार आज केएम अस्पताल ने बोरपा गांव में ग्राम प्रधान हरदम के सहयोग से सुबह दस बजे से निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प लगाया। जिसमें केएम अस्पताल के डा. आयुष, डा. लक्ष्य ने नेत्र रोग परामर्श, ब्लड प्रेशर चेकअप, ब्लड शुगर चेकअप वगैरह सुविधाएं सहित निःशुल्क परामर्श उपलब्ध कराया तथा निःशुल्क दवा भी वितरित की। जिसमें केएम की प्रचार प्रसार टीम के मैनेजर आमीन, पीआरओ जगवीर, फार्मसी से दीपक का विशेष सहयोग रहा। कुलाधिपति किशन चौधरी ने बताया ठंड का मौसम आ चुका है, जगह-जगह मेरे ब्रजवासी नेत्रों की परेशानी, वायरल, बुखार अन्य गंभीर बीमारी से ग्रस्त चल रहे है। ब्रजवासियों को स्वस्थ करने के उद्देश्य से ही गांव-गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाये जा रहे है।

जनपद में कोई भी ठंड से नहीं होगा परेशानः डीएम

- जिलाधिकारी रात्रिकालीन भमण कर शीतलहर से बचाव के इंतजामों का ले रहे है जायजा
- यात्रियों व राहगीरों के ठहरने हेतु 100 बिस्तर वाला सर्वसुविधायुक्त शेल्टर होम
- नगर व विकासखंड स्तर पर अन्य 14 रैन बसेरे तैयार

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जनपद में शीतलहर व ठंड से बचाव के इंतजामों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी प्रतिदिन रात्रिकालीन भ्रमण कर रहे हैं, साथ ही मौके पर पाये गए बेसहारा लोगों को शेल्टर होम पहुंचा रहे हैं। इसी के क्रम में उन्होंने ने रात्रिकालीन भ्रमण कर नगर पालिका द्वारा संचालित शेल्टर होम्स, एवं डूडा द्वारा नवनिर्मित 100 बिस्तर वाले शेल्टर होम सहित रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राहगीरों के लिए रात्रि में ठहरने संबंधी सभी इंतजामों को दिखा, जिनमे बेड, रजाई, गद्दा, कम्बल सहित समुचित मात्रा में अलाव की व्यवस्था को देखा गया। जिलाधिकारी ने यात्रियों से वार्ता की और उनकी समस्याएं जानी, उन्होंने शीतलहर से बचाव हेतु नगर पालिका, नगर पंचायतों एवं विकासखंड स्तर पर बेहतर प्रबंधन, व्यवस्थाओं के सुद्रणीकरण एवं आश्रय स्थलों का चिन्हांकन कर अलाव जलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में गरीब,असहाय, निर्बल व वृद्ध व्यक्तियों को शीतलहर बचाव हेतु जागरूक करें व रेनबेसरों को यात्रियों व राहगीरों के ठहरने हेतु तैयार रखें। जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि रात्रि गश्त के दौरान कोई असहाय व बेसहारा लोग दिखाई दें, जो ठण्ड के कारण सड़क किनारे ठिठुरते रहते हैं। ऐसे राहगीरों को शहर व कस्बों में रैन बसेरा में पहुंचा दें। जिलाधिकारी ने बताया कि बढ़ती ठण्ड को देखते हुए जिले में 14 स्थानों पर रैन बसेरों की व्यवस्था की गयी है, जिनमे महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं। इन रेन बसेरों में पर्याप्त बेड, रजाई-गद्दे,अलाव सहित बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत 100 बिस्तर वाला शेल्टरहोम का निर्माण (डायट के सामने) 2 करोड़ 96 लाख की लागत से किया गया है। शेल्टर होम में 100 बिस्तर में गद्दा, कंबल, बेडशीट एवं तकिया उपलब्ध होगा। इसके साथ ही सेंटर होम में सामूहिक रसोईघर, स्नानघर एवं शौचालय का निर्माण किया गया है, साथ ही सुरक्षा की दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। शेल्टर होम में जिन व्यक्तियों को रात्रि निवास स्थान उपलब्ध नहीं है वे यहां पर निशुल्क रात्रि निवास कर सकते हैं, उनको अपनी पहचान हेतु आधार कार्ड, वोटर कार्ड आदि फोटो पहचान पत्र दिखाना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक रैन बसेरे के लिए एक नोडल नामित किया गया है जिसके दूरभाष पर संपर्क करके आश्रय लिया जा सकता है। जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि शीतलहर से बचाव हेतु रेडियो सुने, टीवी देखें, रात्रीय मौसम पूर्वानुमान के लिए समाचार पत्र पढ़ें और शीतलहर से बचाव हेतु जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का अनुपालनकरें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी सदर चंद्रभूषण प्रताप, अपर उप जिलाधिकारी मो. नासिर, क्षेत्राधिकार सदर अभय नारायण राय, ईओ दिनेश कुमार एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

जो रूट ने एक हफ्ते में हैरी ब्रूक से छीनी टेस्ट की बादशाहत, ये खिलाड़ी बना नंबर वन टी20 गेंदबाज

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को टेस्ट और टी20 प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट फिर से नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते में हमवतन हैरी ब्रु क से बादशाहत छीन ली। रूट के खाते में फिलहाल 895 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड वर्सेस न्यूजीलैंड तीसरे टेस्ट में 54 और 32 रन की पारी खेली थी। वहीं ब्रूक का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। उन्होंने मैच में महज एक रन बनाया। उनका पहली पारी में खाता नहीं खुला था। ब्रक 876 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उन्हें 22 अंकों का नुकसान हुआ। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन तीसरे पायदान पर हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट में शानदार शतक जमाया था और न्यूजीलैंड ने 434 रनों से विशाल जीत दर्ज की। विलियमनस 33वीं टेस्ट सेंचुरी ठोकने के बाद रूट से 28 रेटिंग अंक पीछे हैं। उनके 867 अंक हैं। टॉप-10 में भारत के दो बल्लेबाज हैं। यशस्वी जायसवाल चौथे और ऋषभ पंत नौवें नंबर पर

हैं। भारत के खिलाफ गाबा टेस्ट में सेंचुरी मारने वाले ट्रैविस हेड पांचवें नंबर पर हैं। भात के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली 20वें और कप्तान रोहित शर्मा 30वें स्थान पर मौजूद हैं।

वहीं वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के नए नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। उनके 707 अंक हो गए हैं। वह इंग्लैंड के आदिल रशीद को पछाड़कर टॉप पर पहुंचे हैं। रशीद के खाते में 701 अंक हैं और अब दूसरे नंबर पर हैं। अकील ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में 13 रन देकर 2 विकेट चटाकए थे। हालांकि, वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के हाथों 7 रन से हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। टी20 गेंदबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में अर्शदीप सिंह एकमात्र भारतीय हैं। वह 657 अंकों के साथ आठवें पायदान पर हैं।

दूर्नामेंटों में ज्यादा खिलाड़ियों के साथ टीम भेजने के बारे में सीएसी से बात कर रहा हूं : जेटली

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष चुनाव में बड़ी जीत के बाद रोहन जेटली ने क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) से विवरण मांगा है कि बीसीसीआई आयु-समूह के विभिन्न टूर्नामेंटों के लिए खिलाड़ियों की बड़ी संख्या के साथ दिल्ली की टीमों को क्यों भेजा जा रहा है। दिवंगत राजनेता अरुण जेटली के बेटे 35 वर्षीय रोहन को 1,577 वोट मिले, जबकि उनके एकमात्र प्रतिद्वंद्वी और पूर्व भारतीय खिलाड़ी कीर्ति आजाद को 777 वोट मिले। आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभालने के बाद रोहन ने कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि विभिन्न आयु वर्ग के आयोजनों के लिए 25 से 30 तक की संख्या में बड़ी टीमें भेजी गई हैं। क्रिकेट सलाहकार समिति में भारत के पूर्व खिलाड़ी

गुरशरण सिंह और निखिल चोपड़ा शामिल हैं। जेटली ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा जब मुझे पता चला कि इतने सारे खिलाड़ी यात्रा कर रहे हैं तो मैंने क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) से बात की। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मामले पर गौर किया जा रहा है। जेटली ने एक हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) का वादा किया जहां खिलाड़ियों को एक मजबूत प्रतिभा पहचान प्रणाली से चुना जाएगा।

उन्होंने कहा हम एक हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) की उम्मीद कर रहे हैं जहां हमारे प्रतिभा पहचान करने वालों द्वारा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। रोहन ने कहा, हम अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और जमीनी स्तर पर विशेष रूप से स्कूल स्तर के क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने मौजूदा फिरोज शाह कोटला के अलावा दिल्ली में एक नया स्टेडियम स्थापित का महत्वाकांक्षी दावा किया, लेकिन यह नहीं बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के किस हिस्से में इतने बड़े स्टेडियम के लिए जमीन खाली है।

चुनावों से पहले आजाद ने डीडीसीए में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाये थे लेकिन जेटली ने उनके आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह तीन साल से चुप क्यों थे चुनाव से एक महीने पहले ही उन्होंने आरोप लगाना क्यों शुरू किया। जेटली ने कहा अगर कोई समस्या या विसंगति थी तो पिछले तीन साल में इन्हें क्यों नहीं उठाया गया? आपको 30 दिन पहले चुनाव को ध्यान में रखकर ऐसे मुद्दे नहीं उठाने चाहिये जो अस्तित्व में ही नहीं थे। उन्होंने कहा कि अगर आजाद उनकी समिति की मदद करने के इच्छुक हैं तो वह हमेशा उनके सुझाव का स्वागत करेंगे।

मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेंगे आखिरी दो मैच? रोहित शर्मा ने दिया ये जवाब

टीम इंडिया मौजूदा समय में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। वहीं भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट ड्रॉ करा लिया। इस मैच में जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी की वहीं अन्य गेंदबाजों को मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में मोहम्मद शमी की वापसी की मांग की जाने लगी। हालांकि, टेस्ट के बाद रोहित शर्मा ने शमी की वापसी को लेकर कहा कि वह कोई जल्दबाजी नहीं चाहते।

रोहित शर्मा ने कहा कि वह शमी का टीम में स्वागत करने को तैयार है लेकिन इसके लिए जरूरी है कि एनसीए उन्हें इस बारे में साफ तौर पर बताए। भारतीय कप्तान के मुताबिक शमी घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं लेकिन अब भी उन्हें कुछ तकलीफें है।

गाबा टेस्ट के बाद रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने

कहा कि, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि एनसीए से कोई उसके बारे में बात करे। वह हमारी राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी है जहां वह रिहैब कर रहा है। उन लोगों को आगे आकर हमें कुछ अपडेट देने की जरूरत है। लेकिन देखिए, मैं समझता हूं कि वह काफी खेल रहा है घरेलू क्रिकेट में, लेकिन उसके घुटने के बारे में भी कुछ शिकायतें हैं। हम नहीं चाहते हैं कि वह यहां आए और उन्हें कोई परेशानी हो।

रोहित ने बात जारी रखते हुए कहा कि, जब तक हम सौ प्रतिशत नहीं, 200 प्रतिशत आश्वस्त न हों तब तक हम किसी भी तरह से ये मौका नहीं लेना चाहेंगे। हम कोई जोखिम नहीं लेने जा रहे हैं। लेकिन हां जैसे कि मैंने पिछली प्रेस कॉफ्रेंस में कहा था, दरवाजा खुला है। अगर एनसीए में उन लोगों को लगता है कि उसका जाना और ठीक होना और खेलना ठीक है तो मुझे उसे टीम में शामिल करने में खुशी होगी।

अनिल कुंबले के इस खास क्लब में शामिल हुए रविचंद्रन अश्विन, बनाए ये सबसे बड़े रिकॉर्ड

भारतीय स्टार स्पिनर आर अश्विन ने गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के बाद संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को अपने 14 साल के करियर पर विराम लगा दिया है। अश्विन देश के दिग्गज गेंदबाजों में से एक हैं। बिशन बेदी, ई प्रसन्ना, एस चंद्रशेखर, वेंकटराघवन और अनिल कुंबले जैसे दिग्गजों में अश्विन की गिनती होती है। उन्होंने अपने करियर में कई बड़ी रिकॉर्ड कायम किए और वह देश के सबसे कामयाब स्पिनर्स में शामिल हो गए।

अश्विन ने अपने टेस्ट करियर में 537 विकेट झटके हैं। टेस्ट फॉर्मेट में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय हैं। इस लिस्ट में पहले स्थान पर अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 619 विकेट अपने नाम

किए हैं। अश्विन ने कुछ समय पहले ये कहा था कि उनकी नजर किसी के रिकॉर्ड पर नहीं है और वह जब महसूस करेंगे कि वह सुधार नहीं कर पा रहे हैं तो रिटायरमेंट ले लेंगे।

वहीं अश्विन एक पारी में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज है। उन्होंने 37 बार ये कारनामा किया है। साथ ही अश्विन टेस्ट में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी हैं। अश्विन ने 11 बार ऐसा किया है। वह इस मामले में श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन की बराबरी पर हैं।

अपनी गलतियों से सबक लेकर वेस्टइंडीज के खिलाफ निर्णायक टी20 में उतरेगी भारतीय महिला टीम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के आक्रामक खेल का जवाब देने के लिये बृहस्पतिवार को निर्णायक तीसरे टी20 मैच में अपनी गलतियों से सबक लेकर उतरेगी जबकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर का खेलना अभी तय नहीं है। भारत ने पहले मैच में 49 रन से जीत दर्ज की लेकिन वेस्टइंडीज ने दूसरे मैच में उसे नौ विकेट से हराकर श्रृंखला में बराबरी की। वेस्टइंडीज ने 26 गेंद और नौ विकेट बाकी रहते जीत हासिल की और अपनी पारी में 27 चौके तथा दो छक्के लगाये। भारत का कोई भी गेंदबाज कैरेबियाई बल्लेबाजों को चुनौती नहीं दे सका और ओस ने काम और मुश्किल कर दिया। वेस्टइंडीज ने हालात का पूरा फायदा उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की। एक दिन में हालात में बहुत बदलाव नहीं होने वाला लेकिन भारत को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में

सुधार जरूर करना होगा। हरमनप्रीत पहले मैच में फील्डिंग के लिये नहीं आई और घुटने में चोट के कारण दूसरा मैच नहीं खेल सकी। पिछले तीन टी20 मैचों में दो अर्धशतक जमाने वाली हरमनप्रीत अगर नहीं खेलती है तो भारत को उनके अनुभव की कमी खलेगी।

कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने श्रृंखला में दूसरा अर्धशतक लगाकर भारत को अच्छा स्कोर देने की कोशिश की लेकिन बाकी बल्लेबाजों से उन्हें सहयोग नहीं मिल सका। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने काफी अनुशासित प्रदर्शन किया और बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। स्मृति और रिचा घोष (32) को छोड़कर कोई भारतीय बल्लेबाज डटकर नहीं खेल सकी। हरमनप्रीत की गैर मौजूदगी में जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी जबकि चौथे नंबर पर राघवी बिष्ट ने दूसरे मैच में पदार्पण किया। भारत को वेस्टइंडीज की अनुभवी डिएंड्रा डोटिन से भी सावधान रहना होगा जो अच्छे फॉर्म में हैं। इनके अलावा हेली मैथ्यूज और कियाना जोसेफ के बल्लों पर अंकुश लगाना होगा।

फिर विवादों में घिरे दिलजीत दोसांझ, चंड़ीगढ़ कॉन्सर्ट में किया नियमों का उल्लंघन, लगा जुर्माना

पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ तमाम विवादों के बाद भी दिल-लुमिनाती टूर को लेकर काफी व्यस्त हैं और अपने कॉन्सर्ट से फैंस का दिल जीत रहे हैं। पिछले दिन दिलजीत से चंडीगढ़ में अपना कॉन्सर्ट किया था, जिसके लेकर अब खबर सामने आ रही है कि गायक के कॉन्सर्ट के बाद फैंस ने उस जगह को काफी गंदा कर दिया था और आयोजकों को इसके लिए 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दिलजीत के कॉन्सर्ट के बाद नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2018 के उल्लंघन का हवाला देते हुए आयोजकों को चालान जारी किया गया है। कॉन्सर्ट में कूड़ा और गंदगी फैलाने की शिकायतों के कारण नगर आयुक्त ने जुर्माना लगाया है। यही नहीं, खबर है कि सिंगर के फैंस ने मैदान में

इतनी गंदगी की है कि लोगों का आना जाना भी अभी बंद कर दिया गया है। आयोजकों पर गंदगी का आरोप लगाते हुए पार्षद प्रेम लता का कहना है कि 14 के बाद 15 या 16 दिसंबर के लिए किसी को कोई भी अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बावजूद मैदान में काफी गंदगी की गई है। जगह-जगह कूड़े और कचरे का ढेर देखने को मिल रहा है। ट्रकों और टेंट की भरमार थी। कार्यक्रम के तुरंत बाद मैदान की दुर्दशा हो गई है और स्थानीय लोगों का आना-जाना भी बंद है।

बता दें कि दिलजीत के कार्यक्रम से पहले हाई कोर्ट ने निर्देश दिए थे कि कॉन्सर्ट की नॉइस का लेवल 75 डेसिबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए और इसका उल्लंघन करने पर उचित कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। वही, एक और रिपोर्ट की मानें तो दिलजीत के संगीत कार्यक्रम के दौरान नॉइस 70 से 82 डेसिबल के बीच था। इस तरह दिलजीत के कॉन्सर्ट ने एक और नियम का उल्लंघन किया था।

यही नहीं, खबरों की मानें तो सिंगर के कॉन्सर्ट से वहां के रहने वालों और दुकानदारों को भी काफी परेशानी हुई है। मामले की अगली सुनवाई जनवरी के पहले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

शादी का झूठा वादा, जान से मारने की दी धमकी, इन विवादों के घेरे में आ चुके हैं भोजपुरी सितारे

भोजपुरी कलाकारों की भी सोशल मीडिया पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। हालांकि, स्टारडम में रहने के बाद भी ये कलाकार विवादों के घेरे में आ ही जाते हैं। तो आज के इस लेख में हम आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इस साल अक्सर ही विवादों में घिरे रहे हैं। बॉलीवुड के बाद अगर किसी इंडस्ट्री को सबसे ज्यादा जाना या पहचाना जाता है तो वह भोजपुरी इंडस्ट्री है। भोजपुरी फिल्मों के गाने दर्शकों की जुबां पर चढ़कर बोलते हैं। यही नहीं, भोजपुरी कलाकारों की भी सोशल मीडिया पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। हालांकि, स्टारडम में रहने के बाद भी ये कलाकार विवादों के घेरे में आ ही जाते हैं। तो आज के इस लेख में हम आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इस साल अक्सर ही विवादों में घिरे रहे हैं। आइए एक नजर डालते हैं। इस साल राजनीति में अपनी एंट्री करने के बाद भी पवन सिंह विवादों के और करीब आ गए हैं। पवन सिंह अपनी

प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी दो शादियां, अफेयर और बयानों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। इस साल भी अभिनेता कई विवादों के घेरे में रहे हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा अक्षरा सिंह के विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं। अभिनेत्री ने उन पर आरोप लगाया था कि पवन सिंह उनको काफी डरा धमका कर रखते थे। यही नहीं, वह उनके साथ दुर्व्यवहार और बदसलूकी करते थे। यही नहीं, वह अक्षरा सिंह को मारने की धमकी भी दे चुके हैं।

खेसारी लाल यादव अपनी फिल्मों के अलावा भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। अभिनेता का नाम काजल राघवानी के साथ भी जुड़ चुका है। खेसारी ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में अभिनेत्री को टेंपो कह दिया था, जिसके बाद वह विवादों के घेरे में आ गए और हर तरफ अभिनेता की आलोचना होने लगी थी। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह लंबे समय तक पवन सिंह के साथ रिश्ते में रही हैं। हालांकि, यह रिश्ता काफी हद तक सफल नहीं हुआ और बुरे सूरत में खत्म हुआ। अभिनेत्री कई दिनों तक डिप्रेशन का भी शिकार रह चुकी हैं। अभिनेत्री ने पवन सिंह पर आरोप लगाया था कि वह स्टेज पर उनका पैर छूने के लिए अक्षरा सिंह पर काफी दबाव डालते थे। भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी अक्सर विवादों से दूर ही रही हैं, लेकिन जब खेसारी लाल यादव ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में अभिनेत्री को लेकर कुछ विवादित बयान दिए थे तो काजल राघवानी ने भी चुप्पी तोड़ते हुए अभिनेता पर गंभीर आरोप लगा दिए। अभिनेत्री ने कहा था कि खेसारी ने उनसे शादी का वादा किया था, लेकिन चार-पांच साल रिलेशनशिप में रहने के बाद मुकर गए थे।

यो यो हनी सिंह संग मलाइका अरोड़ा ने किया ऐसा डांस, स्टेज का बढ़ गया पारा

इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेज सुपर डांसर के मंच पर मलाइका अरोड़ा ने ऐसा डांस किया है कि दर्शकों की आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। इस गाने में उनका साथ रैपर-सिंगर हनी सिंह ने भी दिया। मलाइका अरोड़ा को बॉलीवुड की डांस क्वीन कहा जाता है। उन्होंने कई हिट डांस नंबर बॉलीवुड फिल्मों में किए हैं। कई फिल्में तो उनके आइटम डांस के कारण ही जानी जाती हैं। इन दिनों वह इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेज सुपर डांसर में नजर आ रही हैं, इस शो को वह जज कर रही हैं। इसमें उनके साथ कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा और गीता कपूर भी बतौर जज नजर आ रहे हैं।

सोनीटीवी ऑफिशियल के इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेज सुपर डांसर के स्टेज पर मलाइका अरोड़ा और यो यो हनी सिंह नजर आ रहे हैं। हनी सिंह गेस्ट जज बनकर इस शो में आए हैं। मलाइका ने रेमो डिसूजा की फरमाइश अपने हिट आइटम नंबर 'मुन्नी बदनाम हुई' पर गजब का डांस किया। इस डांस को देखकर हनी सिंह भी स्टेज पर आ गए।

हनी सिंह 'मुन्नी बदनाम हुई'गाने को माइक

पर गाने लगे और मलाइका इस पर और भी जबरदस्त डांस करने लगी। मलाइका ने रेड कलर का खूबसूरत गाउन पहना था, जिसमें वह काफी हॉट नजर आ रही थीं। इस पर उनका कमाल का डांस, डांसिंग रियालिटी शो को और भी खास बना रहा है। मलाइका और हनी सिंह के गाते और डांस करते हुए रेमो डिसूजा ने भी ज्वाइन किया। तीनों ने मिलकर इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेज सुपर डांसर के स्टेज पर तहलका ही मचा दिया।

मलाइका अरोड़ा ने 'मुन्नी बदनाम हुई' के अलावा भी कई हिट डांस नंबर किए हैं। साथ ही वह फिल्मों में एक्टिंग भी करती हैं। इसके अलावा टीवी पर रियालिटी शो को होस्ट भी करती हैं। पिछले दिनों वह अर्जुन कपूर से अपने ब्रेकअप को लेकर भी चर्चा में रही हैं। यह दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन अब इनकी राहें जुदा हो चुकी हैं।

इस साल की बेस्ट हॉरर-कॉमेडी ने दर्शकों का किया खूब मनोरंजन, स्त्री 2-भूल भुलैया 3 शामिल

इस साल स्त्री 2, भूल भुलैया 3 और मुंजा ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर राज किया। ये तीनों ही फिल्में जबर्दस्त हॉरर-कॉमेडी का डोज साबित हुई हैं। इन फिल्मों के निर्देशन से लेकर इनके गाने भी खूब चर्चा में रहे। आइए जानते हैं साल 2024 की सबसे शानदार हॉरर-कॉमेडी फिल्मों के बारे में। सबसे पहले बात करते हैं इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री 2 की। मैडॉक की इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। 2018 में आई फिल्म स्त्री का दूसरा भाग है स्त्री 2। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी ने अपनी भूमिकाओं को दोहराया है। इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनकर इतिहास रच दिया है। फिल्म में इस बार चंदेरी की

भयानक कहानी को दिखाया है। फिल्म में सरकटे का आतंक दर्शकों के लिए काफी मनोरंजक रहा। फिल्म में वरुण धवन तक भेड़िया रूप में कैमियो भी देखने को मिला। अनीज बज्मी की फिल्म भूल भुलैया 3 अब भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक ले जा रही है। कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन स्टारर हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित यह भूल भुलैया की तीसकी किस्त है। फिल्म में कार्तिक ने भूल भुलैया 2 से रूह बाबा की अपनी भूमिका दोहराई, जबकि विद्या बालन ने भूल भुलैया (2007) से मंजुलिका की अपनी भूमिका दोहराई। सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है, और यह जनवरी, 2025 में ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। फिल्म मुंजा बिना किसी बड़े स्टार कास्ट के 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने वाली पहली फिल्म बन गई है। अभय वर्मा, शरवरी वाघ, मोना सिंह और सत्यराज जैसे नए कलाकारों से सजी इस फिल्म ने कम बजट की फिल्म होने के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। ककुड़ा में सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख, साकिब सलीम, आसिफ खान जैसे कलाकार हैं। फिल्म ने अपने डरावनी कहानी और कॉमिक टाइमिंग की वजह से दर्शकों के बीच चर्चा तो बटोरी, लेकिन यह फिल्म दर्शकों का ज्यादा मनोरंजन नहीं कर पाई। हालांकि फिल्म को दर्शकों का मिलाजुला रिस्पांस ही मिला।

अवधनामा

वन नेशन-वन इलेक्शन बिल के लिए जेपीसी का हिस्सा होंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पर बनी जेपीसी का हिस्सा हो सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, उनके साथ कांग्रेस के मनीष तिवारी, सुखदेव भगत और रणदीप सुरजेवाला भी जेपीसी में शामिल हो सकते हैं। आपको बता दें कि मंगलवार को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव से जुड़ा बिल संसद में पेश किया गया था। लेकिन फिर इसे जेपीसी को भेज दिया गया। विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए बिल को संघीय ढांचे की मूल भावना के खिलाफ बताया था। संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने बिल को अंसवैधानिक बताया था। उन्होंने कहा था कि यह संघीय ढांचे के खिलाफ है और हम इसका विरोध करते हैं। केंद्र सरकार वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पर विपक्ष के साथ सहमति बनाना चाहती है। यही वजह है कि बिल को चर्चा के लिए जेपीसी के पास भेजा गया है। लोकसभा में बिल को पेश करने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग हुई। इस दौरान बिल के पक्ष में 220 और विपक्ष में 149 वोट पड़े। विपक्ष के विरोध के बाद दोबारा पर्ची से मतदान कराया गया। इस बार बिल के पक्ष में 269 वोट और विपक्ष में 198 वोट पड़े थे। संविधान संशोधन बिल के लिए संसद में दो तिहाई बहुमत की जरूरत पड़ती है। अभी लोकसभा में 543 सांसद हैं। ऐसे में बिल को पास कराने के लिए 362 सांसदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। लेकिन एनडीए के पास महज 292 सीटें हैं।

मणिपुर में हथियारों के साथ मिली स्टारलिंक के लोगो वाली डिवाइस, पुलिस हैरान- आखिर यहां कैसे पहुंचा उपकरण

डिवाइस

एक्स पर एक पोस्ट में दीमापुर मुख्यालय वाली स्पीयर कार्प्स ने सर्च अभियान में बरामद वस्तुओं की तस्वीरें डालीं, जिसमें स्टारलिंक लोगो वाला इंटरनेट डिवाइस भी शामिल था।

नई दिल्ली। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी जिले से तलाशी अभियान के दौरान स्नाइपर राइफल, पिस्तौल, ग्रेनेड और अन्य हथियारों के साथ एक स्टारलिंक के लोगो वाली डिवाइस बरामद किया है। यह बरामदगी 13 दिसंबर को इंफाल ईस्ट से की गई है। भारतीय सेना और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में इंफाल पूर्वी जिले में कई स्थानों पर 21.5 किलोग्राम वजन के पांच आईईडी भी बरामद किए है। स्टारलिंक जैसे उपकरण की बरामदगी ने संबंधित एजेंसियों को यह जांच करने के लिए प्रेरित किया है कि यह उपकरण संघर्षग्रस्त राज्य तक कैसे पहुंचा। स्टारलिंक के पास भारत में काम करने का लाइसेंस नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है कि यह असली स्टारलिंक डिवाइस है या नहीं। एक्स पर एक पोस्ट में दीमापुर मुख्यालय वाली स्पीयर कार्प्स ने सर्च अभियान में बरामद वस्तुओं की तस्वीरें डालीं, जिसमें स्टारलिंक लोगो वाला इंटरनेट डिवाइस भी शामिल था। स्पीयर का?र्प्स ने आगे कहा कि आपरेशन में स्नाइपर्स, स्वचालित हथियार, राइफलें, पिस्तौल, देश-निर्मित मोर्टार, सिंगल बैरल राइफल, ग्रेनेड, गोला-बारूद और युद्ध जैसे भंडार वाले 29 हथियार बरामद किए गए है। अधिकारियों ने बताया कि चंद्रचूडपुरपुर, चंदेल, इंफाल पूर्व और कागपोकपी में मणिपुर पुलिस के समन्वय से भारतीय सेना और असम राइफल्स द्वारा संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया गया था। वहीं, इंफाल पूर्वी जिले के खोंगमपत में एक मोर्टार मिला। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी और बाद में बम को निष्क्रिय कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल बीएसएफ शिविर से कुछ सौ मीटर की दूरी पर और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के निजी आवास से लगभग डेढ़ किमी दूर है। जांच जारी है। इंफाल पूर्वी जिले में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने दो बुजुर्गों के पैरों में गोली मार दी। पुलिस ने कहा कि अज्ञात बंदूकधारियों ने हेइनगांग पुलिस स्टेशन क्षेत्र में कोंगबा नदी तट पर दो व्यक्तियों 55 वर्षीय ताखेलचांगबाम हेमंता और 56 वर्षीय येंगखोम केशो पर हमला किया। अज्ञात हथियारबंद हमलावर मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से भागने से पहले दोनों लोगों पर उनके पैरों को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं। बाद में दोनों घायलों को इलाज के लिए इंफाल के जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया।

पुष्पा -2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में घायल हुए बच्चे की हालत गंभीर

नई दिल्ली। पुष्पा 2 के प्रीमियर शो से पहले हैदराबाद के संध्या थिएटर में 4 दिसंबर को हुई गोलीबारी में घायल हुए बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। हैदराबाद के किम्स कडल्स अस्पताल द्वारा मंगलवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, आठ वर्षीय तेज को डॉक्टरों द्वारा देखभाल में रखा गया है क्योंकि उसकी न्यूरोलॉजिकल स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें ऑक्सीजन और दबाव के न्यूनतम समर्थन के साथ यांत्रिक वेंटिलेशन पर रखा गया था। इसके अलावा, उन्हें वेंटिलेटर से हटाने के लिए ट्रेकियोस्टोमी, एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें सांस लेने में सुविधा के लिए शल्य चिकित्सा द्वारा श्वास नली में एक पाइप डाला जाता है, पर विचार किया जा रहा है। अस्पताल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, उनका बुखार कम हो रहा है और न्यूनतम इनोट्रोप्स पर, उनके महत्वपूर्ण पैरामीटर स्थिर हैं। अस्पताल के बयान में कहा गया है कि बच्चे को 4 दिसंबर को कम ऑक्सीजन संतृप्ति और अनियमित श्वास के साथ लाया गया था। 10 दिसंबर को उसकी श्वास सहायता हटा दी गई थी, तथा 12 दिसंबर को सांस लेने में तकलीफ के कारण उसे फिर से नली लगानी पड़ी थी। इस बीच, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने अस्पताल का दौरा करने के बाद कहा कि भगदड़ के दौरान सांस न ले पाने के कारण तेज का ब्रेन डेड हो गया था और उन्हें ठीक होने में काफी समय लगेगा। 4 दिसंबर को शाम के समय थिएटर में प्रीमियर शो के दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें पुष्पा 2 के मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन भी मौजूद थे। अभिनेता की एक झलक पाने के लिए थिएटर में भारी भीड़ उमड़ पड़ी, 35 वर्षीय मोगुदमपल्ली रेवती और उनके बेटे तेज लोगों के बीच में फंस गए। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें सीपीआर दिया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां रेवती को मृत घोषित कर दिया गया। पिछले हफ्ते अल्लू अर्जुन को भगदड़ मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन तेलंगाना हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के एक दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। पुलिस ने थिएटर प्रबंधन, अल्लू अर्जुन और उनकी टीम पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

बीजिंग पहुंचे अजीत डोभाल, सीमा विवाद के स्थाई समाधान पर आज वार्ता

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच गठित विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता बुधवार को बीजिंग में होगी। विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तर की वार्ता पूर्वी लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अप्रैल-मई, 2020 से चल रहे मौजूदा तनाव को समाप्त करने के बाद शुरू की जा रही है। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व हमेशा की तरह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल करेंगे जबकि चीन की तरफ से विदेश मंत्री वांग यी को विशेष प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त किया गया है। बैठक में हिस्सा लेने के लिए डोभाल मंगलवार को बीजिंग पहुंच गये। बताया जा रहा है कि भारत की तरफ से पूर्वी लद्दाख से सटे एलएसी को लेकर वार्ता की शुरुआत करने पर जोर दिया जाएगा। एसआर के तहत वार्ता करने की व्यवस्था पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जुलाई, 2003 की बीजिंग यात्रा के दौरान सहमति बनी थी। उद्देश्य यह था कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का स्थाई समाधान हो। इसके तहत 22 दौर की बातचीत हो चुकी है। एनएसए डोभाल ने स्वयं वर्ष 2014 से वर्ष 2019 तक इस वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। जानकारों की मानें तो भारत विगत 22 दौर की वार्ताओं से कतई भी खुश नहीं है। वजह यह बताया जाता है कि चीन की तरफ से सीमा विवाद के समाधान को लेकर अपने रूख में कोई भी नरमी नहीं दिखाई जाती। पूर्व में इस व्यवस्था के तहत भारतीय टीम में शामिल एक अधिकारी के मुताबिक चीन का रवैया मामले को खींचने का होता है।22 दौर की बातचीत चलने के बावजूद यह नहीं कहा जा सकता कि किसी भी क्षेत्र में दोनों देशों के बीच एलएसी के निर्धारिण को लेकर सहमति बनी है।

गोवा में आप नेता संजय सिंह के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा, कोर्ट ने जारी किया नोटिस

पणजी। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह एक नई मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। कैश फॉर जॉब्स बयान को लेकर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की पत्नी की ओर से दाखिल 100 करोड़ रुपये के मानहानि मामले में राज्य की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को नोटिस भेजा है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की पत्नी ने कथित तौर पर कैश फॉर जॉब घोटाले में उनका नाम लेने के लिए संजय सिंह से 100 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। अदालत ने संजय सिंह से 10 जनवरी, 2025 तक नोटिस का जवाब देने को कहा है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने हाल ही में दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेस की थी।

बंगाल में डाक विभाग का एक और संविदा कर्मचारी गिरफ्तार, अवैध बांग्लादेशी से जुड़े रैकेट में होंगे कई बड़े खुलासे

बिस्वास

15 दिसंबर को फर्जी पासपोर्ट रैकेट के सिलसिले में समरेश बिस्वास और दीपक मंडल नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

कोलकाता। अवैध बांग्लादेशी निवासियों के लिए फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनाने के मामले में मंगलवार को बंगाल से डाक विभाग के एक और संविदा कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तारकनाथ सेन के रूप में हुई है। सेन डाक विभाग से जुड़ा दूसरा संविदा कर्मचारी है, जिसे पिछले 48 घंटों के दौरान कोलकाता पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने गिरफ्तार किया है। 15 दिसंबर को फर्जी पासपोर्ट रैकेट के सिलसिले में समरेश बिस्वास और दीपक मंडल नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उसके पहले समरेश के बेटे रिपन को गिरफ्तार किया गया था। दीपक भी डाक विभाग का संविदा कर्मचारी था। पुलिस के सूत्रों ने कहा कि डाक विभाग के दो संविदा कर्मचारियों की लगातार गिरफ्तारी से यह आशंका और मजबूत हो गई है कि इस तरह के रैकेट ने उक्त विभाग के कुछ अंदरूनी लोगों के बीच एक नेटवर्क विकसित कर लिया है। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या उक्त विभाग के कुछ स्थायी कर्मचारी भी इस रैकेट में शामिल थे। जांच अधिकारियों ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेजों की व्यवस्था करने वाले इन रैकेटों के कामकाज में कई सामान्य पैटर्न की पहचान की है। हाल ही में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के पूर्व सहयोगी सलीम मतब्बर को मध्य कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक फर्जी भारतीय पासपोर्ट भी बरामद किया। जांच में पता चला कि मतब्बर ने अवैध रूप से सीमा पार करने के बाद भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती जिले नदिया से संचालित एक रैकेट से अपने फर्जी भारतीय दस्तावेज हासिल करने में कामयाबी हासिल की। बंगाल में सीबीआई की फाइलों में बंद हैं 200 से ज्यादा भ्रष्टाचार के मामले बंगाल में सीबीआई के कार्यालय में 200 से ज्यादा भ्रष्टाचार के मामले बंद पड़े हैं। दरअसल 2018 के बाद से राज्य सरकार ने केंद्रीय एजेंसी के मामलों में अपनी सहमति देना बंद कर दिया है। इसके कारण गत छह वर्षों में सीबीआई की फाइलों में शिकायतों का अंबार लग गया है। इनमें ज्यादातर वित्तीय भ्रष्टाचार से जुड़े मामले हैं। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक संविधान के मुताबिक सभी राज्यों में दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 1946 की धारा पांच और छह के तहत केस दर्ज करना होता है। अनुच्छेद संख्या छह में कहा गया है कि वित्तीय भ्रष्टाचार सहित किसी भी अन्य मामले में संबंधित राज्य की सहमति के बिना कोई एफआइआर दर्ज नहीं की जा सकती है। 1989 से सीबीआई बंगाल में केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के विभिन्न आरोपों की जांच कर रही है। 2018 तक राज्य द्वारा अनुपालन में कोई बाधा नहीं थी। राज्य में चार में से तीन सीबीआई कार्यालय वित्तीय धोखाधड़ी की जांच करते हैं। बैंक धोखाधड़ी से लेकर केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के भ्रष्टाचार, सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार की जांच इन तीन विभागों के दायरे में आती है।

बांग्लादेश में उल्फा नेता परेश बरुआ की मौत की सजा रद्द, हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास में बदला फैसला

ढाका। बांग्लादेशी हाईकोर्ट ने बुधवार को उल्फा नेता परेश बरुआ की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। 2004 में पूर्वोत्तर भारत में अलगाववादी संगठन के लिए हथियारों की तस्करी के प्रयास के मामले में एक पूर्व मंत्री और पांच अन्य को बरी कर दिया। यह मामला भारत के खिलाफ काम करने वाले आतंकवादी संगठनों के लिए 10 ट्रक हथियार और गोला-बारूद से जुड़ा है। हाई कोर्ट ने अप्रैल 2004 में चट्टोग्राम के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (उल्फा) के ठिकानों तक सुरक्षित मार्ग के लिए कथित प्रयासों के बावजूद कुल 10 ट्रक हथियार जब्त किए गए थे, जिसे तब चटगांव कहा जाता था। जब्त किए गए हथियारों में 27,000 से अधिक ग्रेनेड, 150 रॉकेट लॉन्चर, 11 लाख से अधिक गोला-बारूद, 1,100 सब मशीन गन और 11.41 मिलियन गोलियां शामिल हैं। वहीं आज बांग्लादेश कोर्ट में हाईकोर्ट के सरकारी वकील ने कहा, दो सदस्यीय हाई कोर्ट की पीठ ने उल्फा नेता परेश बरुआ की सजा को कम कर दिया, जिन्हें एक मुकदमे के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। अब माना जाता है कि वह चीन में रह रहे हैं और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। वकील ने आगे ये भी कहा, न्यायमूर्ति मुस्तफा जमान इस्लाम और न्यायमूर्ति नसरीन अख्तर की हाई कोर्ट की पीठ ने पूर्व गृह राज्य मंत्री लुतफुज्जमां बाबर और छह अन्य को बरी कर दिया, जिन्हें मृत्यु संदर्भ सुनवाई के बाद मृत्युदंड दिया गया था। फांसी से बचने वाले पांच अन्य लोग हैं- फोर्स इंटेलिजेंस (डीजीएफआई) के पूर्व महानिदेशक, सेवानिवृत्त मेजर जनरल रेजाकुल हैदर चौधरी, सरकारी उर्वरक संयंत्र (सीयूएफएल) के पूर्व प्रबंध निदेशक मोहसिन तालुकदार, इसके महाप्रबंधक एनामुल हक, पूर्व अतिरिक्त सचिव, उद्योग मंत्रालय नुरुल अमीन और जमात-ए-इस्लामी नेता मोतिउर रहमान निज़ामी। ऐसा कहा गया था कि संयंत्र स्थल का इस्तेमाल उल्फा के लिए हथियारों के ट्रांस-शिपमेंट के लिए किया गया था।बांग्लादेश की राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया के पूर्व प्रमुख पूर्व ब्रिगेडियर जनरल अब्दुर रहीम, जो डीजीएफआई के पूर्व निदेशक भी थे उन्हें भी मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन जेल में उनकी मौत हो गई क्योंकि अपील और मौत की सुनवाई की प्रक्रिया चल रही थी।

हालांकि, पिछली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी)-जमात गठबंधन सरकार में पूर्व मंत्री निजामी को बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों का पक्ष लेने के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में कई साल पहले फांसी दे दी गई थी, जबकि उनकी पार्टी देश के विरोध में थी।

क्या है फ्रांस में सामूहिक बलात्कार मामला? सुनवाई के बाद स्पेन में हो रहा आत्ममंथन

अदालत

बता दें कि 72 वर्षीय डोमिनिक पेलिकॉट के मामले में एक फ्रांसीसी अदालत इस सप्ताह अपना फैसला सुनाएगी।

नई दिल्ली। फ्रांस के कुख्यात सामूहिक बलात्कार के मुकदमे ने स्पेन में भी लोगों को हैरान कर के रख दिया है। लोगों का मानना है कि ये मामला लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे है। इसके अलावा घरेलू यौन हिंसा के अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले अभिशाप को उजागर करता है। इस मामले में एक बार फिर से सुनवाई शुरू हो गई है। इस मामले की सुनवाई के बाद स्पेन में भी आत्ममंथन शुरू हो गया है। दरअसल, फ्रांस के एक शख्स पर आरोप है कि 10 सालों तक उसने अपनी पत्नी को नशा की दवा देकर रेप कराने का काम करता था। कुछ महीनों पहले उसने कोर्ट में अपना जुर्म कबूल किया था। उसने कोर्ट की सुनवाई के दौरान कहा था कि मैं एक रेपिस्ट हूं। ठीक उसी तरह जैसे इस कमरे में मौजूग दूसरे लोग रेपिस्ट हैं। ये इस बात से इनकार नहीं कर सकते। बता दें कि 72 वर्षीय डोमिनिक पेलिकॉट के मामले में एक फ्रांसीसी अदालत इस सप्ताह अपना फैसला सुनाएगी। शख्स ने जिसने अपनी तत्कालीन पत्नी गिसेले पेलिकॉट, जो कि 72 वर्ष की है, को लगभग एक दशक तक नशीला पदार्थ देने की बात स्वीकार की है, ताकि वह और ऑनलाइन भर्ती किए गए दर्जनों अजनबी उसका बलात्कार कर सकें। समाजशास्त्री और महिला संस्थान की पूर्व निदेशक मरीना सुबिराट्स ने समाचार एजेंसी को बताया कि इस मामले ने स्पेन में महत्वपूर्ण प्रतिध्वनि पैदा की है, क्योंकि यहां महिलाओं के खिलाफ हिंसा के विषय को लेकर बहुत संवेदनशीलता है। आपको जानना चाहिए कि स्पेन में साल 1997 से लिंग आधारित हिंसा को संबोधित करने के लिए लगातार कई कानून बनाए गए हैं। इसके अलावा पैम्प्लोना में 2016 के सैन फर्मिन बुल-रनिंग फेस्टिवल में एक किशोरी के साथ सामूहिक बलात्कार और बदनाम पूर्व फुटबॉल महासंघ के प्रमुख लुइस रुबियल्स द्वारा स्टार खिलाड़ी जेनी हर्मोसो को जबरन चूमने की घटना ने सरकार पर कार्रवाई करने का दबाव बढ़ा दिया है। स्पेन ने 2004 में लिंग आधारित हिंसा के लिए विशेष रूप से लक्षित यूरोप का पहला कानून पारित किया, और 2022 में इसने सभी गैर-सहमति वाले यौन संबंधों को बलात्कार के रूप में परिभाषित करने के लिए आपराधिक संहिता में सुधार किया।

यहां आना मेरा सौभाग्य..., तुलसी गबार्ड ने न्यूयॉर्क में बने अक्षरधाम मंदिर में किए दर्शन

खिलाफ

उनकी नेतृत्व में भारत व अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ने की संभावना है।

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य तुलसी गबार्ड ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में बने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर दी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, कल रात प्रतिष्ठित अक्षरधाम मंदिर में जाना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मैं देश भर से एकत्रित हुए हिंदू नेताओं, रॉबिंसविले के मेयर और परिषद के सदस्यों और प्रार्थना, संगति और एकता की विशेष शाम के लिए एकत्रित हुए हजारों लोगों के द्वारा किए गए स्वागत के लिए आभारी हूँ। बता दें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद पर नियुक्त किया है, जिन्होंने 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी थी। यह एक ऐसा पद है जिसमें अत्यधिक गोपनीय खुफिया जानकारी तक उनकी पहुंच होगी तथा 18 जासूसी एजेंसियां उनकी निगरानी में होंगी। भगवान कृष्ण और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखने वाली तुलसी गबार्ड भगवद गीता के नाम पर शपथ लेने वाली पहली अमेरिकी महिला कांग्रेस सदस्य हैं. नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पहली अभारतीय हिंदू नेता तुलसी गबार्ड को अमेरिका की नेशनल इंटेलीजेंस एजेंसी का निदेशक नियुक्त करने को परंपरागत अमेरिकी राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हिंदू धर्म की परंपराओं और रीति रिवाज में गहरी आस्था रखने वाली गबार्ड ना सिर्फ भारत और अमेरिका के मौजूदा रणनीतिक रिश्तों को और ज्यादा प्रगाढ़ बनाने की प्रबल समर्थक रही हैं बल्कि समय-समय पर वह हिंदू हितों की बात भी खुल कर रखती रही हैं। उनकी नेतृत्व में भारत व अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ने की संभावना है। वैसे इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच लगातार सहयोग बढ़ रहा है।अमेरिकन सामोआ क्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित अमेरिका के अधिकार द्वीप में जन्मी तुलसी गबार्ड की मां कैरोल गबार्ड का झुकाव हिंदू धर्म की तरफ था।

कैंसर मरीजों के लिए गुड न्यूज, रूस ने किया वैक्सीन बनाने का दावा

नई दिल्ली। आज पूरी दुनिया कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से परेशान है। इस बीच रूस ने इस बीमारी के समाधान के लिए एक बड़ा एलान किया है, रूस ने कहा कि उसने कैंसर की वैक्सीन बना ली, जो सभी नागरिकों के लिए फ्री में उपलब्ध होगी। सरकारी मीडिया के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के प्रमुख एंड्री काप्रिन ने कहा कि शॉट 2025 की शुरुआत में लॉन्च होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी खुद की mRNA वैक्सीन विकसित की है।

रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एलान किया है उसने कैंसर के खिलाफ एक टीका विकसित किया है जिसे 2025 की शुरुआत से रूस के कैंसर रोगियों को फ्री में लगाया जाएगा। रूसी राज्य के स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी ङ्मस्र के अनुसार, रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के जनरल डायरेक्टर एंड्री काप्रिन ने रूसी रेडियो चैनल पर इस वैक्सीन को लेकर जानकारी दी।

इस वैक्सीन का इस्तेमाल स्पष्ट रूप से कैंसर रोगियों के इलाज के लिए किया जाएगा। रूसी सरकारी वैज्ञानिकों ने इसे लेकर ऐसी टिप्पणी की है कि, प्रत्येक शॉट व्यक्तिगत रोगी के लिए रजिस्टर्ड है, जो पश्चिम में विकसित किए जा रहे कैंसर टीकों के समान है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह वैक्सीन किस कैंसर के इलाज के लिए बनाई गई है, यह कितनी प्रभावी है या रूस इसे कैसे लागू करने की योजना बना रहा है। वैक्सीन का नाम सामने नहीं आया है। दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, रूस में भी कैंसर की दर बढ़ रही है, 2022 में 635,000 से अधिक मामले दर्ज किए जाएंगे। माना जाता है कि कोलन, स्तन और फेफड़ों का कैंसर देश में इस बीमारी का सबसे आम रूप है।उसी तरह पारंपरिक टीके बीमारी को रोकने के लिए वायरस का इस्तेमाल करते हैं, ये कैंसर कोशिकाओं की सतह से हानिरहित प्रोटीन का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें एंटीजन के रूप में जाना जाता है।

भारत के साथ मिलकर काम करेगा चीन, डोभाल के साथ मुलाकात में बोले विदेश मंत्री वांग यी

बीजिंग। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मुलाकात की। दोनों के बीच एलएसी पर शांति के प्रबंधन और पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय से जमे हुए द्विपक्षीय संबंधों की बहाली सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही विदेशमंत्री ने कहा- चीन भारत के साथ काम करने को तैयार है। डोभाल भारत और चीन के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की 23वीं बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे डोभाल पांच साल के अंतराल के बाद हो रही विशेष प्रतिनिधियों की 23वें दौर की वार्ता में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे। आखिरी बैठक 2019 में दिल्ली में हुई थी। बातचीत चीन के समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू हुई। सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बनी थी सहमति चीन के दौरे पर गए ह्ढ्ढ अजीत डोभाल ने बीजिंग में विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात की। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच पूर्वी लद्दाख में 21 अक्टूबर को सैनिकों की वापसी और गश्त के समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बनाने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद थी। भारत-चीन के बीच इस साल अक्टूबर में सीमा विवाद को सुलझाने के लिए सहमति बनी थी। इसके लिए दोनों देशों ने अजित डोभाल और वांग यी को स्पेशल प्रतिनिधि बनाया था। 2019 के बाद ये पहला मौका है जब भारत का कोई सीनियर अधिकारी चीन के दौरे पर है। इससे पहले 2019 में विदेशमंत्री जयशंकर ने बीजिंग का दौरा किया था। चीन और भारत के नेताओं के बीच महत्वपूर्ण आम समझ को लागू करने, एक-दूसरे के मूल हितों और प्रमुख चिंताओं का सम्मान करने, बातचीत और संचार के माध्यम से आपसी विश्वास को मजबूत करने, ईमानदारी और अच्छे विश्वास के साथ मतभेदों को ठीक से निपटाने और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए चीन भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है।

बेरोजगारों को शिविर के जरिए कराएंगे उपलब्ध रोजगार

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। जिला विद्यालय निरीक्षक पी0 एन0 सिंह ने बताया है कि जनपद के सभी इंटर कॉलेज में एसआईएस इंडिया लि0 जौनपुर के तत्वाधान में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु तिथिवार शिविर का आयोजन किया जायेगा। डिप्टी कमांडेंट रजनीश राय ने बताया कि एसआईएस इंडिया लि0 भारत की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है, जो सुरक्षा प्रदान करने का कार्य पूरे भारत व विदेशो में कर रही है। इस शिविर में सुरक्षा सैनिक, सुपरवाइजर व आफिसर ग्रेड की नियुक्ति की जायेगी। प्रत्येक इंटर कॉलेज में तिथिवार आयोजित शिविर के पूर्ण विवरण अनुसार तिथियां इंटर कॉलेज स्तर पर निर्धारित की गई है। जिसमें इंटर कॉलेज 1. शिवाजी इंटर कॉलेज सहसों प्रयागराज में 23 व 24 दिसंबर को, 2. पंडित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज भूपतपुर सहसो प्रयागराज में 25 व 26 दिसंबर को, 3. सीताराम सिंह इंटर कॉलेज बाबूगंज फूलपुर प्रयागराज में 27 व 28 दिसंबर को, 4. श्री लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज धरवारा प्रयागराज में 29 दिसंबर व 6 जनवरी को, 5. के0वी0एम0 इंटर कॉलेज कमला नगर प्रयागराज में 7 व 8 जनवरी को, 6. लाला जांगीलाल इंटर कॉलेज कोहडार मेजा प्रयागराज में 9 व 10 जनवरी को, 7. रामानुज इंटर कॉलेज कोहडार मेजा प्रयागराज में 11 व 12 जनवरी को, 8. आर0 पी0 रस्तोगी इंटर कॉलेज मलाक हरहर सहसों प्रयागराज में 13 व 16 जनवरी को, 9. सरस्वती देवी परमानंद सिन्हा इंटर कॉलेज सरस्वती पुरम कौड़ीहार प्रयागराज में 17 व 18 जनवरी को, 10. मेवालाल अयोध्या प्रसाद इंटर कॉलेज सोरांव प्रयागराज में 19 व 20 जनवरी को, शिविर का आयोजन किया जाएगा।

सपा विधायक रागिनी का सरकार पर हमला

- बिजली उत्पादन, निजीकरण पर सवाल
- कपड़ा बनाने वाली कंपनी को बिजली सामग्री का दिया गया है टेंडर
- सपा सरकार में 17000 मेगावाट उत्पादन, भाजपा में 8000
- बिजली उत्पादन में फेल होने पर सरकार कर रही है निजीकरण

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। उप्र विधानसभा सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी की महिला विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने बुधवार को प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बिजली उत्पादन, ट्रांसफार्मर के रखरखाव और निजीकरण को लेकर सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए। विधायक ने कहा कि जब 1989 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने सत्ता संभाली थी, उस समय उत्तर प्रदेश को बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ा था। समाजवादी सरकार ने उस कठिन दौर में राज्य को 17,000 मेगावाट बिजली उत्पादन तक पहुंचाया। उनके आंकड़े सही सवाल को सरकार के मंत्री और विधायक गंभीरता से सुन रहे थे। शायद वह यही सोच रहे थे कि इतनी सटीक और सही आंकड़े कैसे मिल जाता है इनको। विधायक ने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2017 में सत्ता में आने के बाद, बीजेपी सरकार इस उत्पादन को दोगुना करने का वादा करने के बावजूद केवल 8,000 मेगावाट तक ही उत्पादन कर सकी है। उन्होंने पूछा कि इतने बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद सरकार ने बिजली व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं किया? उन्होंने मंत्री से स्पष्ट रूप से पूछा कि सरकार सिर्फ दो वर्षों का ही आंकड़ा दे कि कितने ट्रांसफॉर्मर बदले गए और उनका रखरखाव किया गया। मंत्री के संतोषजनक जवाब न देने पर विधायक ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने निजीकरण के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि यह कदम मंत्रालय की अपनी अक्षमता को दर्शाता है।

विधायक ने कहा, ÷जब सरकार को अपने विभाग पर ही विश्वास नहीं है, तो जनता कैसे विश्वास करेगी?÷ उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रांसफॉर्मर की आपूर्ति के लिए ऐसी कंपनियों को टेंडर दिया जा रहा है, जो सिर्फ गरीबों की कमर तोड़ रही हैं। साथ में कंपनियां मानक के अनुरूप नहीं है। न हीं स्किल्ड है। कपड़ा बनाने वाली कंपनी से बिजली सामग्री बनाने का टेंडर कराया जा रहा है। विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने सरकार से कहा कि निजीकरण को रोकने और मंत्रालय को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और जनता के विश्वास को दोबारा जीतने के लिए आत्ममंथन करना चाहिए।

माडल प्रतियोगिता में दीपिका गिरि रहीं प्रथम

- 39 माडल सहित 70 छात्रों ने प्रतिभाग किया
- विजयी छात्र छात्राओं के प्रबन्धक ने किया पुरस्कृत

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (सिरकोनी)। जफराबाद के श्री के पी पाण्डेय इण्टर कालेज में बुद्धवार को आयोजित माडल प्रतियोगिता में कक्षा 10 की छात्रा दिपिका गिरि के माडल का दबदबा रहा। दीपिका गिरि ने हाइड्रोइलेक्ट्रिक डैम पर अपना माडल बनाया था। जो लोगों को काफी पसन्द आया। बुद्धवार को कालेज प्रांगण में विज्ञान माडल प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। जिसमें सिनियर वर्ग के कुल 70 छात्र-छात्राओं नें अपने-अपने कुल 39 माडल के साथ प्रतिभाग किया। ज्यूरी कमेटी की टीम में रहे रितेश चौबे, सनाउल्लाह, नितीन कुमार, शुभम दूबे, रीता मौर्य ने सभी छात्र-छात्राओं के माडल को परखने के बाद अपना निर्णय दिया। जिसमें दीपिका गिरि को उनके माडल हाइड्रोइलेक्ट्रिक डैम के लिये प्रथम घोषित किया गया। इसके अलावां खुशी विश्वकर्मा व आमरीन को प्रकृति सुन्दरता के लिये द्वितीय स्थान, पल्लवी जायसवाल को मानव संरचना के लिये तृतीय स्थान घोषित किया। सभी विजयी छात्र-छात्राओं को प्रबन्धक संजीव कुमार पाण्डेय जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। बाकि के 10 प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार ने सभी छात्र छात्राओं को शुभकामना दिया। इस अवसर पर मंगलेश कुमार, , उमांशकर, संतोष बरनवाल, एम पी यादव, वागीश चन्द्र उपाध्याय, ज्ञानकुवर मिश्रा,आदि रहे।

करियर काउंसलिंग के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में कैरियर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एक तीन दिवसीय क्रोशिया कार्यशाला का शुभारंभ आज किया गया। कार्यशाला की प्रमुख प्रशिक्षिका सेंटर फॉर फैशन डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की सुश्री नीलम सिंह और सुश्री अनामिका मिश्रा रहीं। प्राचार्या प्रो आशिमा घोष ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला का संयोजन कैरियर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की इंचार्ज डॉ रमा गुप्ता ने किया। कार्यशाला में छात्राओं को क्रोशिया के रोजगार अवसरों के बारे में बताया गया और छात्राओं ने क्रोशिया चलाना और छोटे-छोटे उत्पाद बनाना सीखा। कार्यक्रम मे डॉ रीना यादव, प्रो. काजल देब, डॉ माधुरी राठौर , डॉ फातिमा नूरी और डॉ अंजलि शिवहरे उपस्थित रहीं।

फिंगरप्रिंट लगवा लेते हैं परंतु कोटेदार नहीं देता है राशन

- ग्रामसभा ताखा पूरब की महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय का किया घेराव

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (शाहगंज) जब प्रदेश सरकार गरीबों को मुफ्त राशन एवं राशन कार्ड उपलब्ध कराने हेतु शासनादेश फरमान जारी करती हो तो ऐसे में ताखा पूरब शाहगंज की महिला प्रधान संगीता पासवान का बयान काफी सुर्खियों में है। गांव के कोटेदार जनता को समय से राशन नहीं देते हैं। और फिंगरप्रिंट लगवा रहे हैं परंतु राशन नहीं दे रहे हैं। और भगा दे रहे हैं। बोल रहे हैं दो-तीन दिन या बाद में आइये, एक हफ्ते बाद, और बदतमीजी से बात करते हैं। परंतु राशन नहीं देते हैं। ऐसे में ग्राम प्रधान संगीता के नेतृत्व में उक्त गांव के राशन कार्ड धारक तहसील स्थित उपजिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करते हुए ज्ञापन सौपा। उक्त शिकायत पत्र के माध्यम से अवगत कराया की ताखा पूरब के कोटेदार ग्राम सभा के कार्ड धारकों से अंगूठा लगवा कर राशन नहीं देते हैं। एवं उनके परिवार और कोटेदार के द्वारा राशन लेने जाने पर भद्दी भद्दी गालियां दी जाती है। एवं जातिवाचक संबोधित करते हुए हम सभी को भगा देते हैं। उक्त कोटेदार के संबंध में कार्ड धारकों ने बताया कि कई बार पहले भी शिकायत की जा चुकी है। परंतु संबंधित उच्च अधिकारियों के सह पर कोटेदार हरकत से बाज नहीं आ रहा है। काफी संख्या में महिलाएं लड़कियां तहसील स्थित एसडीएम कार्यालय के बाहर घंटों बैठी रही। तत्काल उप जिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया द्वारा पूर्ति कार्यालय के इंस्पेक्टर को तलब कर जांच हेतु आदेशित किया। ग्राम सभा के कार्ड धारकों का कहना है कि तत्काल कोटेदार का कोटा निरस्त कर नए कोटे का अनुमति प्रदान किया जाए। जिससे तीन महीना से अधिक समय से नहीं मिल रहे राशन की भरपाई की जाए। ताखा पूरब के कार्ड धारकों ने बताया कि कोटेदार के द्वारा महिलाओं को भद्दी भद्दी गालियां दी जाती है। कार्ड धारक साहिल ने बताया कि हम सभी को कोटेदार द्वारा अमर्यादित भद्दी भद्दी गालियां भी दी जाती है। पूनम अर्चना लीलावती अमृत सुमन सविता सोमवती सहित काफी संख्या में महिलाएं उक्त विरोध दर्ज कराने एसडीएम कार्यालय पहुंची थी।

ताखा पूरब के कोटेदार के द्वारा कार्ड धारकों से फिंगरप्रिंट अंगूठा लगवा लिया जाता है परंतु कई महीने से राशन नहीं दिया गया है जिसकी शिकायत कई बार उच्च अधिकारियों से किया जा चुका है और आए दिन कार्ड धारकों से कोटेदार बदतमीजी से पेश आता है। जिसकी शिकायत के लिए हम सभी एसडीएम कार्यालय आए हैं।

शिक्षा सेवा चयन आयोग पर दिया धरना

- टीजीटी-पीजीटी के 25 हजार रिक्त पदों को विज्ञापन में जोड़ने सहित कई अन्य मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। टीजीटी-पीजीटी के 25000 रिक्त पदों को विज्ञापन में जोड़ने, आफिशियल परीक्षा तिथि घोषित करने तथा असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के पोर्टल खोलने को लेकर युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह की अगुवाई में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सचिव को सौंपा गया। अनिल सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग पर सैकड़ों प्रतियोगियों ने धरना दिया और सचिव से मुलाकात कर 25000 रिक्त पड़े पदों को विज्ञापन में जोड़ने, पोर्टल खोलने व आफिशियल परीक्षा तिथि घोषित करने की मांग की। इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन आयोग के सचिव को सौंपा गया। सचिव ने आश्वासन दिया कि दो दिन के अंदर आफिशियल परीक्षा तिथि घोषित कर दी जाएगी। इसके लिए प्रक्रिया जारी है। सचिव ने अधियाचन व 25000 सीट वृद्धि को लेकर बैठक में विचार करने व शासन की सहमति पर निर्णय लेने की बात कही। प्रभाकर सिंह परिहार ने कहा कि एक भर्ती कराने में आयोग को तीन से चार वर्ष लग जाते हैं जिससे छात्रों का मानसिक,आर्थिक परेशानी होती है। विद्यालयों में शिक्षकों की कमी के चलते छात्रों को समुचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में 25000 रिक्त पदों का आंकड़ा पेश किया था, लेकिन रिक्त पदों पर भर्ती कब होगी यह अस्पष्ट है बेहतर यही होगा कि विज्ञापन 2022 में सभी रिक्त पदों को जोड़कर आयोग को परीक्षा करानी चाहिए। युवा मंच के अर्जुन कुमार व अजय कुमार ने बताया कि सरकार यदि रिक्त पदों को भरने के लिए गंभीर है तो विज्ञापन में सीट जोड़ कर भर्ती प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए। इस अवसर पर युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अनिल सिंह, विनय कुमार मौर्य, अमित पांडेय, जेबी पटेल, पूनम सिंह, अखिलेश त्रिपाठी, सत्येंद्र, मनोज, उदय सिंह, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ पर लटकता मिला युवक

- प्राइवेट बैंक में फाइनेंस का काम करता था युवक
- मौके पर प्रभारी सीओ आईपीएस ने पहुच कर काफी देर तक जांच पड़ताल किया

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (धर्मापुर)। जफराबाद थाना क्षेत्र के रत्तीपुर गांव में 34 वर्षीय युवक की लाश घर से एक किलोमीटर दूर सुनसान बगीचे में पेड़ से लटकती हुई मिली। बुधवार को सुबह ग्रामीणों ने देखा तो इसकी सूचना परिजनों को तथा पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर प्रभारी सीओ सिटी तथा फॉरेंसिक टीम भी पहुंचकर जांच पड़ताल किया।

जफराबाद थाना क्षेत्र के रत्तीपुर गांव निवासी धर्मेंद्र यादव (34) एक प्राइवेट बैंक में फाइनेंस का कार्य करता था। मंगलवार को सुबह रोज की तरह अपनी बाइक से सुबह साढ़े नौ बजे जौनपुर शहर के लिए निकला। देर शाम तक घर नहीं लौटा। मंगलवार की रात करीब दस बजे पत्नी सुनीता ने फोन पर हाल पूछने के लिए बात किया। धर्मेंद्र ने आखिरी बार 10 बजे के करीब थोड़ी देर में घर आने की बात कहा। 11 बजे रात को पत्नी सुनीता ने पुनः फोन लगाया तो फोन नही उठा। सुबह धर्मेंद्र यादव की लाश घर से लगभग एक किलोमीटर दूर रत्तीपुर गांव में बगीचे में पेड़ की डाली से लटकता हुआ मिला। लाश के बगल में बाइक तथा हेलमेट एवं जेब में मोबाइल पाया गया। गांव वाले दबी जुबान से हत्या होने की बात करते रहे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धर्मेंद्र अपने पांच भाइयों में सबसे छोटा है। 7 वर्ष पूर्व इनकी शादी मडियाहू थाना क्षेत्र के मकदूमपुर की सुनीता से हुई थी। एक 5 वर्ष का पुत्र युवराज है। घटना स्थल पर ही मृतक की माता शांति देवी, पत्नी सुनीता और भाई जितेंद्र रोते बिलखते बेसुध हो जा रहे थे।

विश्व को आकर्षित कर रहा कुंभ मेला : प्रो. आशीष

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग द्वारा कुम्भ मेला के समाजशास्त्रीय आयाम विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमे रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर आशीष सक्सेना विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे। अपने व्याख्यान में प्रोफेसर सक्सेना ने कुम्भ मेला के समाजशास्त्री आयाम पर महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने सामाजिक आर्थिक राजनीतिक एवं धार्मिक आयाम की चर्चा की। प्रोफेसर सक्सेना ने बताया कि कुम्भ मेला भारतीय समाज को विश्व धरातल पर ऊंचाईयों पर ले जाने का काम कर रहा है। साथ ही विश्व के सभी देशों को भारतीय समाज की तरफ आकर्षित भी कर रहा है। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर सक्सेना ने मिश्रित संस्कृति, लघु परंपरा, वृहद परंपरा, इलीट कैनोपी, कल्पवास इत्यादि बातों की चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर आशिमा घोष के स्वागत भाषण से हुआ। समाजशास्त्र विभाग की संयोजिका प्रोफेसर नंदिनी मुखर्जी ने प्रोफेसर आशीष सक्सेना का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग की इंचार्ज डॉ शालिनी सिंह ने दिया। समाजशास्त्र विभाग के डॉ अनुज वर्मा एवं डॉ ऐश्वर्य सिंह नए कार्यक्रम में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन बीए प्रथम वर्ष की छात्राओं अंतराल एवं सुहानी ने किया। कार्यक्रम में महविद्यालय के

जूना अखाड़े का ऐलान, गैर सनातनियों को नहीं मिलेगा कुंभी मेला में प्रवेश

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में आए अखाड़ों ने सनातन धर्म की शुचिता और शुद्धता को बनाए रखने के लिए कुछ नियम तय किए हैं। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों को महाकुंभ मेले में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। साथ ही इस उल्लंघन के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। प्रयागराज महाकुंभ एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। महाकुंभ में गैर सनातनियों की एंट्री पर अखाड़ा परिषद द्वारा रोक लगाए जाने के बाद अब नागा संन्यासियों ने भी इस पर अपनी गाइडलाइन जारी की है। इस गाइडलाइन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागा संन्यासियों ने फरमान जारी किया है कि वे महाकुंभ क्षेत्र में केवल उन्हीं आगंतुकों को प्रवेश देंगे जिनके माथे पर तिलक और कलाई में कलावा होगा। जूना अखाड़े के नागा संन्यासी शंकर भारती ने कहा कि हिंदू धर्म को भ्रष्ट करने वाली घटनाओं के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। उनका कहना है कि धर्म की शुचिता की रक्षा के लिए यह गाइडलाइन लागू की गई है, जो लोग

विधि विधान से किया गया उदासीन आश्रमों का भूमिपूजन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। विगत कुंभ में मेले का मुख्य आकर्षण रहे श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक (म.प्र.) उदासीन संगत ऋषि आश्रम रानोपाली अयोध्या एवं श्री हरिहर उदासीन आश्रम नई दिल्ली का आज भूमि पूजन विधि विधान के साथ कुंभ मेला क्षेत्र लोअर संगम मार्ग सेक्टर-19 झूसी के निकट पैंसठ हजार स्क्वायर फीट के परिक्षेत्र में संपन्न हुआ। भूमि पूजन पारंपरिक मान्यताओं और उदासीन परंपरा का निर्वहन करते हुए महंत श्री भरत दास जी महाराज के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। जिसमें उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ा के मुखिया महंत श्री दुर्गा दास जी महाराज, महंत अद्वैतानंद जी महाराज, महंत रामनौमी दास जी महाराज, श्री महंत धर्मेंद्र दास जी महाराज, महंत श्री कश्यप दास जी महाराज, महंत श्री सर्वज्ञ मुनि जी महाराज, श्रीमान् ज्ञानेश कमल जी महाराज, निर्वाण श्री राजाबाबा जी एवं हजारों संत भक्तों की सन्निधि में विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। अयोध्या का सुविख्यात रानोपाली आश्रम आजकल मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का अयोध्या यात्रा का अस्थाई आवास के रूप में विख्यात है।

कार्यालय- अधिशासी अभियन्ता (मु0) जलकल विभाग, नगर निगम ऐशबाग लखनऊ

पत्रांक 2188 / ई0ई0 (एच0 क्यू0) / 2024-25 दिनाँक 18-12-24

अति अल्पकालिक निविदा सूचना

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 26.12.2024 को अपरान्ह 3:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता मुख्यालय के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदायें दिनांक 26.12.2024 को अधिशासी अभियन्ता मुख्यालय के कार्यालय में अपरान्ह 3:30 बजे तक सील्ड टेण्डर बाक्स मे प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदायें दिनांक 26.12.2024 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे मुख्यालय के कार्यालय में खोली जायेंगी।

1. जलकल विभाग, नगर निगम, ऐशबाग मुख्यालय के विभागीय स्टोर से इलेक्ट्रिक शॉप के बीच की क्षतिग्रस्त कच्ची रोड पर आर0सी0सी0 एवं नाली के निर्माण इत्यादि का कार्य, धरोहर धनराशि 20,000.00 एवं निविदा मूल्य रू0 1000.00
2. जलकल विभाग, नगर निगम, ऐशबाग मुख्यालय मे पेयजल टैंकरों की पार्किंग के लिये सर्कुलर पम्प हाउस के निकट खाली लैंड पर सी0सी0 प्लेटफार्म ड्रेनेज सहित के निर्माण इत्यादि का कार्य, धरोहर धनराशि 20,000.00 एवं निविदा मूल्य रू0 1000.00
3. जलकल विभाग, नगर निगम, ऐशबाग मुख्यालय मे न्यू कन्सट्रेक्टेड सी0डब्लू0आर0 के निकट ओपेन लैंड पर सफाई कराते हुए ड्रेनेज सहित इण्टरलॉकिंग इत्यादि का कार्य, धरोहर धनराशि 20,000.00 एवं निविदा मूल्य रू0 1000.00

अधिशासी अभियन्ता (मु0)
जलकल विभाग, नगर निगम लखनऊ

रेल चक्काजाम करने जा रहे लोगों को पुलिस ने रोका

- हल्का बल प्रयोग कर लोगों को किया तितर बितर

अवधनामा संवाददाता

बलिया। रेल प्रशासन की वादाखिलाफी को लेकर बुधवार को फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेल चक्काजाम करने जा रहे क्षेत्रवासियों को पुलिस ने फेफना-गड़वार मार्ग स्थित रेलवे क्रासिंग पर रोक दिया। इस दौरान एसडीएम सदर एवं सीओ ने क्षेत्रीय संघर्ष समिति के संयोजक जनार्दन सिंह को समझाने बुझाने का प्रयास किया। वही, लोग नारेबाजी करते रहे।

इस पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके लोगों को तितर बितर कर दिया। एक तरफ जहां वार्ता का क्रम चल रहा था, वहीं दूसरी तरफ लोग इधर-उधर खड़ा होकर पुलिस प्रशासन के रवैए को देखते रहे। इधर, रेल चक्काजाम के समर्थन में फेफना बाजार के व्यापारियों ने अपनी-अपनी दुकाने बंद रखा। भारी संख्या में आरपीएफ, जीआरपी तथा कई थानों की पुलिस की मौजूदगी के चलते क्षेत्रवासी रेलवे ट्रैक तक नहीं जा सके। रेल चक्काजाम करने जा रहे लोगों की ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाती रही। लोगों ने कहा कि फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर किसी भी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव ना होना आश्चर्यचकित करने वाला है। एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव, रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण, वरिष्ठ नागरिकों को पूर्व की भांति सुविधाएं बहाल करने, टिकट खिड़की, आरक्षण खिड़की एवं यात्री प्रतीक्षालय को स्टेशन से बाहर करने की मांग को लेकर लगभग 41 दिनों तक चले आंदोलन के परिणाम स्वरूप रेल प्रशासन ने तीन माह का समय लेते हुए मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था। रेल प्रशासन को वादाखिलाफी महंगी पड़ेगी।

24 या 26 को वाराणसी जाएगा प्रतिनिधि मंडल

बलिया। उप जिलाधिकारी सदर तथा सीओ ने फेफना चौराहा स्थित क्षेत्राधिकारी कार्यालय में क्षेत्रीय संघर्ष समिति के संयोजक जनार्दन सिंह सहित अन्य प्रमुख लोगों से वार्ता किया। तत्पश्चात रेल प्रशासन वाराणसी से समिति के पदाधिकारियों से टेलीफोनिक वार्ता कराया। रेल प्रशासन वाराणसी द्वारा 24 या 26 दिसंबर को समिति के प्रतिनिधि मंडल को वार्ता हेतु बुलाने का आश्वासन दिया।

अधिवक्ता संगठन दीवानी बार एसोसिएशन के मतदान की तैयारियां पूरी

आजमगढ़। जनपद के सबसे बड़े अधिवक्ता संगठन दीवानी बार एसोसिएशन का मतदान गुरुवार को होगा। बार एसोसिएशन के चुनाव अधिकारी बृजेश सिंह एडवोकेट ने बुधवार को बताया कि मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। कुल 2012 अधिवक्ता नई कार्यकारिणी के लिए मतदान करेंगे। मतदान करने के लिए बार एसोसिएशन के सभागार में कुल 50 बूथ बनाए गए हैं। जबकि मत पत्रों के वितरण के लिए पांच टेबल लगाए गए हैं। मतदान सुबह 9:00 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे तक होगा। बताते चलें कि अध्यक्ष मंत्री सुमित 22 पदों के लिए कुल 56 उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया था। जिसमें से एक उम्मीदवार ने नामांकन पत्र वापस ले लिया था तब 55 उम्मीदवार मैदान में रह गए थे। उसमें से भी कनिष्ठ कार्यकारिणी के लिए केवल 6 प्रत्याशी होने के कारण इन सभी 6 प्रत्याशियों का निर्वाचन निर्वाचन तय हो गया था।शेष 16 पदों के लिए कुल 49 प्रत्याशी मैदान में है। अध्यक्ष पद के लिए पांच प्रत्याशी अनिल सिंह, वीरेंद्र यादव, प्रभाकर सिंह वीरेंद्र प्रताप सिंह अशोक पांडेय मैदान में हैं।

सबा हास्पिटल व पब्लिक स्कूल की एसडीएम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने किया जांच

अवधनामा संवाददाता

मुबारकपुर,आजमगढ़। सबा हास्पिटल व मुबारकपुर पब्लिक स्कूल की जांच बुधवार को दिन में एक बजे उपजिलाधिकारी सदर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुनील कुमार धन्वन्ता के नेतृत्व में जांच टीम ने दो घण्टे तक गहन जांच पड़ताल किया। जांच रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपने बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। कारण जानने के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी। पब्लिक स्कूल मुबारकपुर व सबा हास्पिटल को लेकर शिकायत पर उपजिलाधिकारी सदरध्ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुनील कुमार धन्वन्ता के नेतृत्व में जांच करने पहुंची टीम ने लगभग दो घण्टे तक गहन जांच किया। उपजिलाधिकारी सदर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुनील कुमार धन्वन्ता ने बताया कि पिछले 15-20दिनों से पब्लिक स्कूल मुबारकपुर व सबा हास्पिटल मुबारकपुर की शिकायत मिल रही थी। इस लिए नायब तहसीलदार के नेतृत्व टीम गठित कर जांच करने के लिए भेजा गया था। पब्लिक स्कूल व सबा हास्पिटल ने जांच में कोई सहयोग नहीं किया। शिकायत बार बार लगातार मिल रही थी। ऐसे में आज मेरे साथ उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सठियांव एम वाई सी अच्यूतानन्द राय और सी एच सी मुबारकपुर के अधीक्षक चन्द्र प्रकाश गुप्ता टीम ने हर बिन्दुओं पर जांच किया। जांच करने के बाद उपजिलाधिकारी सदर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुनील कुमार धन्वन्ता ने बताया कि जांच रिपोर्ट बना ली गई है।यह रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपा दिया जाएगा। कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा। जवाब आने के बाद ही बड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी ने यह बताया कि यह जांच जन शिकायत के अलावा आर जी एस पर करने के आधार पर की गई। वैसे भी शासन का निर्देश है कि कोई भी हास्पिटल फर्जी नहीं चलना चाहिए। जांच की आते ही पूरे हॉस्पिटल में उथल-पुथल मच गई जांच टीम आने की सूचना पाकर सभी डॉक्टर अस्पताल से नदारत हुए सिर्फ और सिर्फ डॉक्टर सबा शमीम ही उपस्थित होकर जांच टीम के सवालों पर डटी रही।

ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स जल्द ही ई-वॉलेट से कर सकेंगे निकासी, रोजगार मंत्रालय ने दिया अहम अपडेट

निपटान राशि

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सब्सक्राइबर्स जल्द ही ई-वॉलेट के जरिये दावा निपटान राशि का इस्तेमाल कर सकेंगे।

नई दिल्ली। ईपीएफओ और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के ग्राहक जल्द ही ई-वॉलेट के जरिये दावा निपटान राशि का उपयोग करने में सक्षम हो सकते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सब्सक्राइबर्स जल्द ही ई-वॉलेट के जरिये दावा निपटान राशि का इस्तेमाल कर सकेंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय इस पर योजना बनाने के लिए आरबीआई से बातचीत कर रहा है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में सचिव सुमिता डावरा ने बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) की तुरंत निकासी पर पूछे गए सवाल पर कहा, यह बीमाकृत व्यक्ति और एक योगदानकर्ता के लिए बहुत रुचि का क्षेत्र है कि वह अपना पैसा अधिक आसानी से कैसे निकाल सकता है।

सुमिता डावरा ने कहा कि, स्वतः निपटान के मामलों में ईपीएफ का पैसा बैंक खाते में जाता है और अंशधारक इस राशि को बैंक खाते से किसी भी एटीएम के जरिये निकालने में सक्षम हैं। अब आप इस बारे में बात कर रहे हैं कि दावा निपटान राशि सीधे ई-वॉलेट में कैसे जा सकती है, तो इसके लिए हमें कोई व्यवस्था बनानी होगी। इस सुविधा को व्यावहारिक तरीके से शुरू करने के लिए हमने बैंकरों से बातचीत शुरू कर दी है। अभी स्वतः निपटान के मामलों में ईपीएफ का पैसा बैंक खाते में जाता है और सब्सक्राइबर इसे किसी भी एटीएम से निकाल सकता है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सेवानिवृत्ति निधि निकाय के 17.49 लाख सदस्यों ने नवंबर 2022 में शीर्ष अदालत के आदेश के बाद उच्च पेंशन के लिए अपने वास्तविक मूल वेतन पर अंशदान करने के विकल्प के लिए आवेदन किया है। श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि मौजूदा वक्त में ये आवेदक 15,000 रुपये प्रति माह की तय सीमा पर या तो अंशदान कर रहे हैं या कर चुके हैं, भले ही उनका वास्तविक मूल वेतन अधिक हो।

अगले साल से ईपीएफओ ग्राहक सीधे एटीएम से अपने भविष्य निधि को निकाल सकेंगे। श्रम सचिव सुमिता डावरा ने कहा , हम दावों का तेजी से निपटान कर रहे हैं और जीवन को आसान बनाने और प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए काम कर रहे हैं। एक दावेदार, लाभार्थी या बीमित व्यक्ति न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ एटीएम के माध्यम से अपने दावों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

राम मोहन राव का चयन एसबीआई के प्रबंध निदेशक पद के लिए, रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने बुधवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राम मोहन राव अमारा को बैंक का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं। आइए इस बारे में और जानें।

भारतीय स्टेट बैंक ने बुधवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राम मोहन राव अमारा को बैंक का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि अमारा की नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने यह निर्णय लिया। इस साल सितंबर में, अमारा को सरकारी बैंकों और संस्थानों के निदेशकों को तलाशने के लिए बनी एफएसआईबी ने इस पद के लिए अनुशंसित किया था। इस नियुक्ति के साथ, अमारा बैंक के वर्तमान अध्यक्ष सीएस शेट्टी की ओर से बनाई गई रिक्ति को भरने के लिए तैयार हैं।

वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो ने SBI के प्रबंध निदेशक के पद के लिए नौ उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया था। एफएसआईबी ने एक बयान में इसकी जानकारी दी थी। ब्यूरो ने कहा था, उनके प्रदर्शन, समग्र अनुभव और मौजूदा मापदंडों को ध्यान में रखते हुए, ब्यूरो एसबीआई में एमडी के पद के लिए राम मोहन राव अमारा की सिफारिश करता है।

एसबीआई के बोर्ड का नेतृत्व अध्यक्ष करते हैं, उनकी मदद के लिद चार प्रबंध निदेशक करते हैं। अमारा के चयन के साथ, एसबीआई को अपना चौथा एमडी मिल जाएगा।

ज़ाइन मैरी खान सोनी लिव के क्यूबिकल्स सीजन 4 में नजर आएंगी

लखनऊ। सोनी लिव की बेहद पसंद की गई सीरीज 'क्यूबिकल्स' अपने चौथे सीजन के साथ लौट रही है। इसमें एक नया और रोमांचक अध्याय खुलेगा, जो वास्तव में हालात को बदल देगा! इस सीजन में विलय और अधिग्रहण की एक विचित्र एवं पेचीदा दुनिया बड़े करीब से दिखाई जाएगी। इससे कहानी में नई एनर्जी और दिलचस्प ट्विस्ट्स आएंगे। अपनी भूमिका के बारे में ज़ाइन मैरी खान ने कहा, ''यह एक परिवार में आने के जैसा है। किरदार बड़े असली हैं और कहानी में मौजूदा समय के वर्कप्लेस का वास्तविक भाव संजोया गया है। इस यात्रा में कुछ नया लेकर आने के लिये मैं रोमांचित हूँ। हर एपिसोड में हमारे कॅरियर की चुनौतियों के साथ-साथ काम करते वक्त हमारे बीच बन जाने वाले रिश्ते भी दिखाये गये हैं। यह सीजन दर्शकों को बेहतरीन लगने वाला है।'' आने वाले सीजन के प्रतिभाशाली कलाकारों में शामिल होने जा रही हैं ज़ाइन मैरी खान। वह ध्वनि मेहरा की नई भूमिका निभायेंगी और ऑफिस के माहौल में अपनी चमक बिखेरेंगी। ध्वनि की उम्र 30 के आस-पास है और वह एक सफल प्रोफेशनल है, जिसे अपने अटूट समर्पण तथा हाई स्टैण्डर्ड के लिये जाना जाता है। वह स्वाभाविक रूप से एक लीडर है, जो न सिर्फ अपने सहकर्मियों को प्रेरित करती है, बल्कि आज के युवा प्रोफेशनल के सामने आने वालीं चुनौतियों से भी गुजरती है। सीजन 4 में अभिषेक चौहान (पीयूष प्रजापति), आयुषी गुप्ता (सुनैना चौहान), निकेतन शर्मा (नवीन शेट्टी), केतकी कुलकर्णी (नेहा केलकर) और निमित कपूर (विक्रम मल्होत्रा) की भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। 'क्यूबिकल्स 4' का निर्देशन चैतन्य कुम्भाकोनुम ने और निर्माण द वायरल फीवर ने किया है। यह सीजन नेतृत्व और कॅरियर से जुड़ीं आकांक्षाओं की पेचीदगी तथा कॉर्पोरेट जिन्दगी की खुशनुमा जद्दोजहद दिखाता है।

वाओ स्किन साइंस से जुड़े टियर 2 और छोटे शहरों के 10 लाख नए ग्राहक

नई दिल्ली। वाओ स्किन साइंस जो पर्सनल केयर और वेलनेस जगत की जानी मानी कंपनी है। वह अब भारत के टियर-2 और अन्य छोटे शहरों में अपने पैर फैला रही है। अपनी रणनीतिक साझेदारी के चलते पिछले एक साल में वाओ स्किन साइंस से टियर-2 और उससे छोटे शहरों के लगभग 10 लाख नए ग्राहक जुड़े हैं। जो इस बात का सबूत है कि उभरते बाजारों में इसके प्राकृतिक प्रोडक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है। आने वाले 12 महीनों में कंपनी का मीशो पर सालाना राजस्व में 5 गुना बढ़ोतरी का लक्ष्य है। इस साझेदारी के कारण वाओ स्किन साइंस ने टियर-2 और छोटे शहरों से मिलने वाले ऑर्डर्स में 10 गुना बढ़ोतरी करी है।

वाओ स्किन साइंस के को-फाउंडर मनीष चौधरी ने बताया कि मीशो के साथ हुई हमारी साझेदारी के कारण हमें विकास करने का सुनहरा मौका मिला हैं। साथ ही टियर-2 और उनसे छोटे शहरों में मजबूत ब्रांड निष्ठा बनाने में भी बहुत मदद मिली है। मीशो से लगातार खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष छूट और चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर्स के जरिए, हम लाखों नए ग्राहकों तक अच्छी क्वॉलिटी वाले पर्सनल केयर समाधान पहुंचा रहे हैं। पिछले एक साल में, इस सहयोग के कारण इन क्षेत्रों से ऑर्डर्स में 10 गुना बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह साफ झलकता है, की टियर-2 के बाजारों में अपार क्षमता है।

मीशो की बिजनेस जनरल मैनेजर मेघा अग्रवाल ने कहा कि मीशो में हम प्रतिबद्ध है, की वाओ स्किन साइंस जैसे ब्रांड्स को हम पूरे भारत में ग्राहकों तक पहुंचा कर उनसे जोड़ सके। हमारे प्लेटफॉर्म की टियर-2 और छोटे शहरों में फैली पहुंच ब्रांड्स को उन लाखों ग्राहकों से जोड़ने में सक्षम बनाती है, जो किफायती दामों पर उच्च गुणवत्ता वाले और भरोसेमंद पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की तलाश में रहते हैं। वाओ की शानदार बढ़त इन उभरते बाजारों की क्षमता को दिखाती है और साथ ही मीशो के मिशन को और मजबूत करती है, जो इंटरनेट कॉमर्स को सभी के लिए सुलभ बनाना है।

यह बढ़ोतरी परफ्यूम, फेसवॉश, सीरम, क्रीम, सनस्क्रीन, शैंपू, हेयर ऑयल, एलोवेरा जेल और हेल्थ ड्रिंक्स जैसे प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग के कारण हुई है। ब्रांड की अच्छी क्वॉलिटी और असरदार होने के कारण ही इसने छोटे शहरों के उपभोक्ताओं का भरोसा जीता है। साथ ही इसी वजह से वाओ ब्यूटी और वेलनेस जगत में सभी का पसंदीदा बन गया है।

मीशो के ग्राहकों के बीच वाओ स्किन साइंस के उबटन . कोजिक फेस वॉश, ऑनियन .कोलेजन शैंपू, ऑनियन . कोलेजन हेयर ऑयल, विटामिन सी . नायसिनेमाइड सीरम और सभी प्रकार की त्वचा के लिए सनस्क्रीन सबसे पसंदीदा प्रोडक्ट बन गए हैं। जो इस बात का सबूत है कि उभरते बाजारों में भरोसेमंद और प्राकृतिक प्रोडक्ट की मांग लगातार बढ़ रही है। मीशो पर वाओ स्किन साइंस के चाहने वाले सबसे ज्यादा ग्राहक टियर-3 और छोटे शहरों से हैं, जैसे अंबरनाथ, त्रिची, एटा, नलगोंडा, प्रतापगढ़, ईटानगर, राउरकेला, बेरसिया और रामागुंडम आदि। इस व्यापक पहुंच का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि ब्रांड मूल्य-संवेदनशील ग्राहकों से जुड़ सका है और ऐसे बाजारों में जहां कम सेवा थी, वहां अपनी पकड़ मजबूत करने में सफल हुआ है।

जैसे-जैसे वाओ स्किन साइंस इस साझेदारी को और आगे बढ़ा रहा है ब्रांड का फोकस ऐसे नए और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स लॉन्च करने पर है, जो भारत के उभरते बाजारों की खास जरूरतों को पूरा कर सके। मीशो के विशाल ग्राहक आधार को हर संभव फायदा देने के मद्दे नजर वाओ वर्ष 2025 में भी अपनी मजबूत बढ़ोतरी को बनाए रखने में जुटा रहेगा।

अनमोल इंडस्ट्रीज ने दादरी मेले में अपने उत्पादों का किया शानदार प्रदर्शन

बलिया। भारतीय पैकेज्ड फूड उद्योग की अग्रणी कंपनी अनमोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बलिया में आयोजित दादरी मेले में सम्मिलित हुआ। इस मेले में कंपनी ने अपनी विस्तृत उत्पाद श्रृंखला का प्रदर्शन किया जिसमें कंपनी के कई प्रकार के बिस्कुट, केक, रस्क, कुकीज़, क्रंची चॉकलेट कोटेड वेफर्स के अलावा अन्य कई लोकप्रिय उत्पाद शामिल थे। इस अवसर पर श्री अमन चौधरी, एग्जक्युटिव डायरेक्टर अनमोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा हमें इस उत्सव का हिस्सा बनने पर गर्व है और हम अपने नवीनतम उत्पादों को व्यापक ग्राहकों के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं। हमारा मानना है कि हमारे उत्पाद स्वाद, गुणवत्ता और विश्वास के मूल्यों के अनुरूप हैं, और क्षेत्रीय मेले जैसे आयोजन हमें उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने, उनकी प्राथमिकताओं को समझने और उत्पादों के प्रति हमारे समर्पण को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। अनमोल इंडस्ट्रीज के स्टॉल पर आने वाले आगंतुकों को देश भर में पसंदीदा बन गए अनमोल के प्रीमियम वेरिएंट का भी अनुभव करने का मौका मिला। इस आयोजन में अनमोल की भागीदारी ने उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने और उनकी प्राथमिकताओं को समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। रणनीतिक रूप से अनमोल देश भर में क्षेत्रीय मेलों में भागीदारी कर रहा है और अपने क्वालिटी उत्पाद प्रदर्शित करते हुए पैकेज्ड फूड क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम के रूप में इसकी स्थिति को भी मजबूत किया है। अनमोल इंडस्ट्रीज घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही बाजारों में तेजी से अपने पदचिह्न का विस्तार कर रहा है। क्षेत्रीय मेलों में इसकी जबरदस्त उपस्थिति ने उपभोक्ताओं के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने और स्वाद और गुणवत्ता दोनों प्रदान करने वाले उत्पाद प्रस्तुत करने की ब्रांड की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

विटामिन एंजेल्स इंडिया और सीएसजेएमयू ने एनीमिया से लड़ने के लिए प्रोजेक्ट अम्मा के तहत की साझेदारी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू), कानपुर ने विटामिन एंजेल्स इंडिया (वीएआई) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य प्रोजेक्ट अम्मा के तहत उत्तर प्रदेश में माताओं और किशोरियों में एनीमिया की समस्या को कम करना है।

यह साझेदारी सीएसजेएमयू के शैक्षणिक ज्ञान और वीएआई के समुदाय-आधारित दृष्टिकोण को एक मंच पर लाती है। प्रोजेक्ट का उद्देश्य एनीमिया को केवल एक स्वास्थ्य समस्या के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं से जुड़े मुद्दे के रूप में समझना और उसका समाधान करना है। एनएफएचएस-5 के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 15 से 49 वर्ष की 50.4% महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं। प्रोजेक्ट अम्मा, भारत सरकार के एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के लक्ष्यों को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है। यह परियोजना समुदाय-आधारित जागरूकता के माध्यम से महिलाओं और किशोरियों को आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंट लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। साथ ही, यह स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज और शिक्षा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर काम कर रही है।

इस साझेदारी के तहत, वीएआई द्वारा सीएसजेएमयू के स्नातकोत्तर छात्रों को इंटर्नशिप का अवसर दिया जाएगा।

50 कलाकारों एवं कला समूहों का समर्थन करेगा ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन

'आर्ट फॉर होप' 2025 के अनुदान प्राप्तकर्ताओं के नामों की घोषणा की

गुरुग्राम। ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की सीएसआर इकाई ह्यूंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन (एचएमआईएफ) ने 'आर्ट फॉर होप' 2025 प्रोग्राम के 50 अनुदान प्राप्तकर्ताओं के नामों की घोषणा कर दी है। इस साल एचएमआईएफ के पास कलाकारों एवं कला समूहों की तरफ से कुल 521 आवेदन आए थे, जिनमें डिजिटल, फंक्शनल, परफॉर्मेंस, ट्रेडिशनल, विजुअल और मल्टीडिसिप्लिनरी थीम समेत विभिन्न आर्ट फॉर्म से जुड़े आवेदन शामिल थे। व्यापक चयन प्रक्रिया के माध्यम से 50 प्रतिभाशाली कलाकारों एवं कला समूहों को चुना गया है, जिन्हें अनुदान प्रदान किया जाएगा। अनुदान के माध्यम से वे अपने दृष्टिकोण को साकार कर सकेंगे।

'आर्ट फॉर होप' 2025 के विजेताओं को बधाई देते हुए एचएमआईएल के वर्टिकल हेड - कॉरपोरेट कम्युनिकेशन एंड सोशल श्री पुनीत आनंद ने कहा, 'कला वह अभिव्यक्त कर सकती है, जिसे शब्दों से अभिव्यक्त करना संभव नहीं है। 'आर्ट फॉर होप' के रूप में हमारी पहल भावुकता, रचनात्मकता एवं दृढ़ता का उत्सव है। पिछले चार संस्करणों में हम लगातार आगे बढ़े हैं। पहले संस्करण में 10 राज्यों के 25 लोगों को अनुदान दिया गया था और चौथे संस्करण में यह संख्या 15 राज्यों के 50 लोगों तक पहुंच गई है, जो उल्लेखनीय है। हमें कलाकारों का समर्थन करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। ये कलाकार न केवल अपनी अनूठी प्रतिभा को प्रदर्शित करेंगे, बल्कि उन्हें एक ऐसा मंच मिलेगा, जिससे सकारात्मक बदलाव लाने के लिए संवाद को गति मिलेगी और विचारों को प्रोत्साहित किया जाएगा। चुने गए कलाकारों को अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए अनुदान एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। इससे प्रतिभाओं को पोषित करने, क्रिएटिव इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए कला की भावना को संरक्षित करने की एचएमआईएफ की प्रतिबद्धता को मजबूती मिलेगी।'

'आर्ट फॉर होप' 2025 के लिए ज्यूरी सदस्यों की बैठक 19 नवंबर, 2024 को संपन्न हुई थी, जिसमें कला, संस्कृति एवं पत्रकारिता जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों का पैनल शामिल हुआ। इसके ज्यूरी पैनल में टेक्नोलॉजी, लाइफस्टाइल व ऑटोमोटिव क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ पत्रकार श्री निखिल चावला, प्रख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना व गायिका पद्मश्री गीता चंद्रन और म्यूजियो कैमरा सेंटर फॉर फोटोग्राफिक आर्ट्स के संस्थापक, ट्रस्टी एवं डायरेक्टर श्री आदित्य आर्या शामिल रहे। उनकी विशेषज्ञता एवं अलग-अलग दृष्टिकोण ने कलाकारों एवं कला समूहों के आवेदनों में से इस प्रोग्राम के लक्ष्य के अनुरूप विजेता अनुदान प्राप्तकर्ताओं को चुनने में मदद मिली।

एनएसडीसी इंटरनेशनल और फिजिक्सवाला ने किया बिग का शुभारंभ

नई दिल्ली। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल (एनएसडीसी इंटरनेशनल) और फिजिक्सवाला (पीडब्लू), जो एक एडटेक कंपनी है, ने मिलकर एक पहल शुरू की है जिसे भारत इनोवेशन ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड (बिग) के नाम से जाना जाएगा। यह पहल भारत को एक वैश्विक शिक्षा केंद्र में बदलने के विजन की एक बड़ा कदम है। बिग का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा को कार्यक्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है, ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी को कम किया जा सके। यह काम तकनीक आधारित और उद्योग से जुड़े शिक्षण तरीकों के जरिए किया जाएगा। बिग का लक्ष्य अलग-अलग उम्र और जरूरतों वाले लोगों को सीखने के मौके देना है। इसमें स्कूलों में 11वीं और 12वीं कक्षा से ही कौशल सिखाना शुरू किया जाएगा, ताकि छात्र शुरू से ही नौकरी के लिए तैयार हो सकें। यह पहल इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आईटीआई), पॉलिटेक्निक, कॉलेज के छात्रों और कामकाजी लोगों तक भी पहुंचती है, जिससे हर किसी को सीखने का मौका मिले। बिग सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने को भी प्राथमिकता देता है, ताकि उनकी कौशल और ज्ञान को आधुनिक शासन की बदलती मांगो के साथ संगठित किया जा सके।

यह पहल ऑनलाइन कोर्स की इजाजत देने वाले यूजीसी के नए नियमों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ मेल खाती है।अलख पांडे, संस्थापक और सीईओ, फिजिक्सवाला (पीडब्लू) ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, शिक्षा कोई स्थिर समाधान नहीं है, यह एक बदलती यात्रा है जिसमें साथ मिलकर काम करने, नए विचारों और बदलने की क्षमता की जरूरत होती है। फिजिक्सवाला (पीडब्लू) में हमारा मकसद छात्रों को ऐसे कौशल देना है, जो उन्हें बदलती दुनिया के लिए तैयार करें।

एनएसडीसीआई के साथ बिग के जरिए हमारी साझेदारी शिक्षा को ज्यादा समावेशी बनाने की ओर एक कदम है। इस पहल से हम चाहते हैं कि शिक्षा हर उम्र में लोगों की तरक्की में मदद करे।

यूपी रुद्र ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध हॉकी विरासत का सम्मान करते हुए अपनी जर्सी का अनावरण किया

लखनऊ। यूपी रुद्र ने आज शहर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हीरो हॉकी इंडिया लीग के लिए अपनी जर्सी लॉन्च की। इस कार्यक्रम में यूपी रुद्र के सितारे हार्दिक सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शारदा नंद तिवारी और सिमरनजीत सिंह मौजूद थे। यह टीम के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि वे लीग में अपने पहले सीज़न की तैयारी कर रहे हैं, जो सात साल बाद वापस आ रही है। जर्सी उत्तर प्रदेश की गहरी हॉकी विरासत और भारतीय हॉकी में राज्य के योगदान का जश्न मनाती है।

उत्तर प्रदेश ने देश को कुछ महान हॉकी दिग्गज दिए हैं, जिनमें प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद और केडी सिंह बाबू शामिल हैं, जिनकी विरासत आज भी खिलाड़ियों को प्रेरित करती है। नारंगी और नीले रंग की जर्सी इस गौरवशाली परंपरा का प्रतिबिंब है, जो टीम को आगे बढ़ाने वाले जुनून और एकता का प्रतीक है। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए टीम के कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, ÷हॉकी इंडिया लीग जल्द ही शुरू होने वाली है और यह आयोजन भारतीय हॉकी के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। मैं इस जर्सी को पहनकर मैदान पर उतरने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यूपी की जर्सी पहनना वाकई गर्व की बात है क्योंकि खेल के प्रति राज्य का योगदान बहुत बड़ा है। लखनऊ को नवाबों के शहर के रूप में जाना जाता है और हमारी टीम का नाम खूबसूरती से 11 रुद्रों का प्रतिनिधित्व करता है, जिन्हें सबसे शक्तिशाली के रूप में सराहा जाता है- और हम यूपी रुद्रों को एचआईएल खिताब जीतने में मदद करने के लिए एक शक्तिशाली लड़ाई लड़ने के लिए उत्सुक हैं।÷ जर्सी का नारंगी रंग 11 रुद्रों की ऊर्जा और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जबकि नीला रंग लचीलापन और टीम वर्क को दर्शाता है। हॉकी इंडिया लीग 28 दिसंबर को शुरू होगी जिसमें यूपी रुद्रों का सामना 30 दिसंबर को वेदांत कलिंगा लांसर्स से होगा।

ईस्टमैन ऑटो एंड पॉवर लिमिटेड ने चैनल पार्टनर मीट पॉवर ऑफ वन का आयोजन किया

लखनऊ। लास्ट माइल ई-मोबिलिटी सॉल्यूशंस, कंटिन्यूड एनर्जी सॉल्यूशंस और सोलर रूफटॉप सॉल्यूशंस की विशेषज्ञ कंपनी, ईस्टमैन ऑटो एंड पॉवर लिमिटेड ने लखनऊ में अपनी चैनल पार्टनर मीट पॉवर ऑफ वन का आयोजन किया। इस मीट में मध्य और पूर्वी यूपी के 300 से ज्यादा चैनल पार्टनर्स के बीच कंपनी ने नेटवर्किंग बढ़ाने, अपडेट साझा करने, और भविष्य की रणनीतियों पर बातचीत करने का सुनहरा मौका दिया। इस मेगा इवेंट में ईस्टमैन ऑटो एंड पॉवर ने ईस्टमैन ब्रांड के अपने पोर्टफोलियो में 100 से ज्यादा नए मॉडल लॉन्च किए। ईस्टमैन के लिए लखनऊ काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूपी का बाजार इन्वर्टर और इन्वर्टर बैटरी की बिक्री में 28% तक का योगदान देता है। इसके पोर्टफोलियो का विस्तार होने के बाद यह ब्रांड 100Ah से लेकर भारत में पहली बार 400Ah क्षमता तक के समाधान लेकर आया है, जिससे आवासीय हो, वाणिज्यिक हो या औद्योगिक, हर तरह के उपयोग के लिए ऊर्जा समाधान प्राप्त हो सकेगा। इस लॉन्च के बाद ईस्टमैन इन्वर्टर बैटरी बाजार की अग्रणी कंपनी बन गई है, जो उद्योग में सबसे बड़ा पोर्टफोलियो, सबसे ज़्यादा क्षमता और सबसे लंबी वारंटी प्रदान कर रही है। यह ऊर्जा की हर जरूरत के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान कर रही है। यह लॉन्च करने के साथ ही कंपनी ने अपने सिस्टर ब्रांड ADDO के अंतर्गत 70 से अधिक नए मॉडल पेश करने की घोषणा भी की है, जिसके बाद अब यह 170 से अधिक SKU पेश कर रही है।

नारायणा हेल्थ सिटी जटिल हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण मामलों में अग्रणी

लखनऊ। नारायणा हेल्थ सिटी, जो उन्नत कार्डियोथोरेसिक देखभाल और अंग प्रत्यारोपण में एक प्रमुख नाम है, ने आज लखनऊ में एक ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस अवसर पर चार प्रमुख चिकित्सकों, डॉ. अदिति सिंहवी, डॉ. सैयद तौसीद, डॉ. बगीरथ आर, और डॉ. जूलियस पुनन ने दो जटिल केस स्टडीज़ पर चर्चा की, जो संस्थान की रोगी देखभाल, अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार, और अंग प्रत्यारोपण की जटिलताओं में उत्कृष्टता को उजागर करते हैं। पहला केस एक 66 वर्षीय पुरुष रोगी का था जो कानपुर से था। इस रोगी को एंजियोप्लास्टी कराई गई थी, लेकिन उसके इजेक्शन फ्रैक्शन में गंभीर कमी (25%) बनी रही, जिसके कारण वह कार्य नहीं कर पा रहे थे और बार-बार अस्पताल में भर्ती होने की समस्या थी। एक पूरी जांच के बाद, डॉ. अदिति सिंहवी की अगुवाई में नारायणा हेल्थ सिटी, बेंगलुरु के एडल्ट हार्ट फेलियर और ट्रांसप्लांट कार्डियोलॉजिस्ट की मेडिकल टीम ने यह निष्कर्ष निकाला कि रोगी को हार्ट ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है। मानक प्रोटोकॉल के अनुसार, रोगी को हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए उम्मीदवार के रूप में पंजीकृत किया गया। अक्टूबर 2023 में एक उपयुक्त दाता मिलने पर, ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। आज, एक साल से अधिक समय बाद, रोगी ने महत्वपूर्ण प्रगति की है और एक स्वस्थ, सक्रिय जीवन जी रहे हैं। डॉ. सिंहवी और नारायणा हेल्थ के अन्य विशेषज्ञ, डॉ. बगीरथ आर, डॉ. वरुण शेट्टी, डॉ. जूलियस पुनन, और डॉ. कुमारन टी ने ट्रांसप्लांट सर्जरी में शामिल जटिलताओं और ऐसे गंभीर मामलों में पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल के महत्व पर अपने विचार साझा किए। डॉ. सिंहवी ने कहा, यह हमेशा अत्यधिक संतोष का पल होता है जब हम देखते हैं कि हमारे रोगी इस प्रकार की उच्च-जोखिम प्रक्रियाओं के बाद फल-फूल रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए विस्तृत योजना की आवश्यकता होती है, लेकिन एक समर्पित टीम और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ हम रोगियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान कर सकते हैं।

एसपी ने कप्तानगंज थाने का किया निरीक्षण कमियों को दुरुस्त करने का दिया निर्देश

अच्छे कार्य के लिए दीवान, महिला आरक्षी व सिपाहियों को सम्मानित किया

अवधनामा संवाददाता

थाने में फाइलों को देखते एसपी संतोष कुमार मिश्रा

कप्तानगंज कुशीनगर। कप्तानगंज थाने का एसपी संतोष कुमार मिश्र ने वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिले कमियों को ठीक करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने बुधवार को 1 बजे कप्तानगंज थाने का वार्षिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय में रखे अभिलेखों तथा अपराध रजिस्टर व आगंतुक रजिस्टर को देखा। अभिलेखों को सही तरीके से रखने के लिए प्रभारी निरीक्षक धनवीर सिंह को निर्देशित किया गया। पुलिस अधिक्षक मालखाने में रखे असलहों को सही तरीके से रखने के लिए निर्देशित किया। थाने में तैनात अभिषेक राय दीवान, महिला आरक्षी प्रीति शाह, लक्ष्मी पाल व चंचल यादव को अच्छा कार्य करने पर 500 रू नगद पुरस्कार की घोषणा की। वही चौकीदारों को टॉर्च व गर्म कपड़ा देकर सम्मानित किया। निरीक्षण के बीच में व्यापारियों से कस्बे की समस्या के बारे में जानकारी ली। चेयरमैन प्रतिनिधि विजय खेतान ने कस्बे में गन्ना लदे ट्राला के जाम से निजात की मांग की। मनोज उपाध्याय ने इन्दरपुर में पुलिस चौकी बनाने की मांग की जिस पर एसपी चौकी बनवाने का आश्वासन दिया।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में कूड़े के निस्तारण का उचित प्रबंधन करें : जिलाधिकारी

अवधनामा ब्यूरो

कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक करते डीएम

- ग्राम विकास सेक्टर के तहत संचालित विकास कार्यों की डीएम ने की समीक्षा बैठक

कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में ग्राम विकास सेक्टर यथा मनरेगा, एनआरएलएम, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, दिव्यांग जन, समाज कल्याण, भूगर्भ जल के तत्वावधान में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं निमार्ण कार्यो जैसे ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, विकास कार्यो, पीएम आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक दौरान डीपीआरओ ने पंचायती राज विभाग के तत्वावधान में क्रियान्वित स्वच्छ भारत मिश्रण के अंतर्गत बनाए गए सामुदायिक शौचालय, व्यक्तिगत शौचालय आदि के क्रियाशीलता, आवेदन पत्रों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि व्यक्तिगत शौचालय हेतु अभी 9973 आवेदन अनुपलब्ध है वहां तत्काल उप जिलाधिकारी से मिलकर प्रकरण का निस्तारण कराए। सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में कूड़े के निस्तारण का उचित प्रबंधन करे, जिससे नेशनल हाइवे, प्रमुख सड़कों के किनारे कूड़े का अंबार इकठ्ठा न हो, उसका समुचित प्रबंधन करे। सहज जनसेवा केन्द्र से संचालन एवं आवेदन के क्रम में समय सीमा के अन्दर लम्बित है जिसका सत्यापन कर सभी बीडीओ निस्तारण ससमय कर दे। जिलाधिकारी ने समीक्षा उपरान्त कहा कि जिन ग्रामों मे आरआरसी का निर्माण अपूर्ण है वहां शीघ्र पूर्ण करें एवं जहां कहीं भूमि डीपीआरओ ने बताया कि 980 के सापेक्ष 931 ग्रामों में क्रियाशील है तथा 16 दिसम्बर तक कुल 53643 सेवाएं/आवेदन अभी तक ऑनलाइन कराए गए हैं। 15 वें वित्त आयोग के अन्तर्गत क्षेत्र पंचायत व्यय विवरण के अन्तर्गत समस्त ब्लॉकों में माह के अन्त तक कार्य कराते हुए व्यय के सापेक्ष लक्ष्य को प्राप्त करने हुते निर्देशित किया गया। ग्राम विकास सेक्टर मनरेगा के अन्तर्गत डीसी मनरेगा ने बताया कि मानव दिवस सृजन कार्यक्रम के तहत उपलब्ध कराए गए रोजगार के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लॉकवार ओल्ड एज पेंशन के अंतर्गत कुल 45 दिन की समयावधि के अन्दर 372 तथा 45 दिन के उपरांत 388 आवेदन लंबित है। शहरी क्षेत्रों में ओल्ड एज पेंशन के अंतर्गत कुल 45 दिन की समयावधि के अन्दर 59 तथा 45 दिन के उपरांत 46 आवेदन लंबित है। डीएम के निर्देशित किया कि अभियान चलाते हुए सभी बीडीओ समय सीमा से पूर्व ही सत्यापन कराकर निस्तारण करें।

पिपराइच चीनी मिली के जीएम ने गन्ना क्रय केंद्रों का किया निरीक्षण

गन्ना क्रय केंद्रों पर लापरवाह कर्मचारियों की खैर नहीं : अरविन्द

क्रय केंद्र पर किसान को सम्मानित जीएम अरविंद कुमार

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। जिले में बने गन्ना क्रय केंद्रों का बुधवार को पिपराइच चीनी मिल के जीएम अरविंद कुमार ने निरीक्षण कर उसके स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जिले के खोठही, लक्ष्मीगंज गेट, कुर्मी पट्टी, चखनी भुमिहारी पट्टी, खानू छपरा आदि जगहों पर बने गन्ना क्रय केंद्रों का निरीक्षण कर वहां के स्थित का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खुद गन्ना के ट्रालियों पर चढ़कर गन्ना की गुणवत्ता की जांच की और तौल लिपिकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि गन्ना की गुणवत्ता भी साफ सुथरा होनी चाहिए। गन्ना की खरीद करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है। इस दौरान अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाले एक कर्मचारी को उसकी अनुपस्थिति में उसे दूरभाष के माध्यम से फटकार लगाते हुए कहा कि क्रय केन्द्र पर कर्मचारी के द्वारा लापरवाही करने वाले को तत्काल निलंबित कर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर जेल भेजा जाएगा। वहीं पर उन्होंने स्वयं कटर से गन्ने की जड़ व मिट्टियों की सफाई की।उन्होंने गन्ना किसानों को प्रोत्साहित करते हुए। 14 किसानों को जिनका गन्ना साफ सुथरा था उनको अंग व देकर सम्मानित किया। किसानों से अपील किया की आप सभी साफ सुथरा ताजा गन्ना लाए जिससे चीनी मिल की रिकवरी दर को बढ़ाया जा सके हमारी चीनी मिल एक सप्ताह में भुगतान कर रही है। इस दौरान कैन मैनेजर मनोज तिवारी नोडल अधिकारी श्री धर दुबे, गन्ना प्रबंधक अजीत कुशवाहा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सदन में उठा एथेनॉल फैक्ट्री मामला, सर्किल रेट से चार गुना मिले किसानों का मुआवजा

अवधनामा संवाददाता

हाटा विधायक मोहन वर्मा

हाटा, कुशीनगर। हाटा विधान सभा क्षेत्र के हरपुर में एथेनॉल फैक्ट्री के लिए किसानों की अधिग्रहित भूमि विवाद मामला को विधायक मोहन वर्मा ने सदन में उठाया। विधायक ने सदन में कहा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र हाटा जनपद कुशीनगर में एक मात्र संचालित न्यू इंडिया सुगर मिल के द्वारा पूर्व में अधिग्रहित की गई जमीन पर एथेनॉल की फैक्ट्री स्थापित की जा रही है। जिसमें किसानों ने 1 दिसंबर 2024 के सर्किल रेट से 4 गुना मुआवजा तथा जितने किसानों की जमीन फैक्ट्री के लिए अधिग्रहित की जा रही है उनको मिल में पर्मानेंट नौकरी की व्यवस्था किया जाए व किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस हो की मांग सदन में प्रमुखता से रखा। विधायक मोहन वर्मा ने सदन का ध्यान आकृष्ट कराते कहा मैं भी एक किसान परिवार से आता हूं। योगी आदित्यनाथ जी महाराज की सरकार किसान हितैषी है तथा ढाढा ग्राम हरपुर में किसानों के साथ अविलंब न्यायोचित कार्यवाही किया जाना चाहिए।

- किसानों के घर से एक एक को मिले परमानेंट नौकरी, दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग

किसान दिसंबर माह के अंत तक करा लें रबी फसलों का बीमा एवं फार्मर रजिस्ट्री भी हो तैयार

अवधनामा ब्यूरो

कलेक्ट्रेट सभागार में किसान गोष्ठी को संबोधित करती सीडीओ

कुशीनगर। मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी की अध्यक्षता में बुधवार को माह दिसम्बर 2024 का किसान दिवस कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपस्थित किसानों से आग्रह किया गया कि वह अपनी किसान सम्मान निधि निर्बाध रूप से प्राप्त करने के लिए अपनी फार्मर रजिस्ट्री ग्राम पंचायत स्तरीय कैंपों या सहज जन सेवा केंद्रों के माध्यम से 31 दिसंबर तक अवश्य तैयार करा लें।

उप कृषि निदेशक द्वारा इस अवसर पर किसानों को अवगत कराया की रबी फसलों का बीमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 है। सभी ऋण लेने वाले किसान यदि चाहे तो 24 दिसम्बर 2024 तक बैंकों को लिखित प्रार्थना-पत्र देकर योजना के अंतर्गत अपना फसल बीमा न करने का अनुरोध कर सकते हैं। अन्यथा की दशा में योजना के प्रावधानों के अनुसार बैंकों द्वारा उनका फसल बीमा प्रीमियम काटकर संबंधित बीमा कंपनी को भेजा जाएगा। इसके उपरांत पिछले किसान दिवस में प्राप्त प्रकरणों की निस्तारण आख्या उप कृषि निदेशक द्वारा पटल के सामने रखी गई। कृषक राम आधार कुशवाहा एवं रमेश कुशवाहा ने यूपी नेडा से एग्रीगेटर की सब्सिडी न मिलने के प्रश्न पर यूपी नेडा के प्रतिनिधि द्वारा सब्सिडी शीघ्र ही मिलने से सदन को अवगत कराया गया।

इंडियन ऑयल द्वारा धुरियापार सीबीजी संयंत्र हेतु जनपद से अभी तक पराली न लेने के लिए पत्राचार करने हेतु मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया गया। महेंद्र मणि त्रिपाठी द्वारा धान क्रय में तेजी लाने एवं क्रय केंद्रों पर सभी आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करने एवं सभी समितियों पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया गया। अधिशासी अभियंता विद्युत ने किसानों को नया कनेक्शन प्राप्त करने के संबंध में जानकारी प्रदान की। अधिशासी अभियंता नलकूप द्वारा जनपद में 8 नए नलकूपों की स्थापना के संबंध में सभी को अवगत कराया गया। किसान दिवस में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉक्टर रविंद्र प्रसाद, जिला कृषि अधिकारी डॉक्टर मेनका, भूमि संरक्षण अधिकारी, समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश संगठन मंत्री बनाए जाने पर सचिवों ने मदन मोहन पाठक का किया स्वागत

देवरिया अवधनामा संवाददाता। जिले के बरहज ब्लॉक के प्रभारी एडीओ पंचायत व उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष मदन मोहन पाठक को संगठन का प्रदेश संगठन मंत्री बनाया गया है। इस आशय की जानकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने पत्र जारी कर दी है।श्री पाठक को ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के प्रदेश संगठन मंत्री बनाए जाने पर जिले के तमाम ग्राम पंचायत अधिकारियों ने मंगलवार को जिला स्थित विकास भवन में एक कार्यक्रम आयोजित कर श्री पाठक का फूल-ल मालाओं से स्वागत किया।इस दौरान संगठन के जिला उपाध्यक्ष धनन्जय यादव,जिला मंत्री नागेश प्रताप सिंह, जिला कोषाध्यक्ष रत्नेश द्विवेदी, जिला संगठन मंत्री मेहताब आलम, लेखा परीक्षक ज्योति स्वरूप, मीडिया प्रभारी दीनानाथ प्रजापति, संयुक्त मंत्री राकेश सिंह, अभिषेक राव, मनोज राजभर, संजय यादव,राकेश यादव,प्रअश्विनि कुमार, पंकज आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे संगठन को मजबूती मिलेगी।वहीं अपने स्वागत से अभिभूत नवनियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री श्री पाठक ने कहा कि मेरे स्तर से ग्राम पंचायत अधिकारियों की समस्याओं के समाधान व उनके मान-सम्मान के लिए जो भी हो सकेगा, उसे करूँगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत अधिकारियों के हितों की सुरक्षा करना संगठन का मुख्य उद्देश्य है।

नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा कराने के लिए डीएम व एसपी ने की बैठक

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा-2024 को नकलविहीन व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार व पी0सी0एस0 प्रारम्भिक परीक्षा-2024 में आयोग द्वारा नामित पर्यवेक्षक विजय बहादुर उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त केन्द्र व्यवस्थापक/स्टैटिक मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट को अवगत कराया कि 22 दिसम्बर 2024 को जनपद में दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जानी है। उक्त परीक्षा का समय पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे एवं अपरान्ह 02:30 बजे से 04.30 बजे तक निर्धारित की गयी है जिसके लिए जनपद में कुल 12 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा नकल विहीन, शुचितापूर्ण एवं शान्तिमय वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत स्टैटिक/सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगायी गयी है। इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था प्रकाश पेयजल प्रवेश-निकास प्रबन्धन की जांच की उचित व्यवस्था की जाए। सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रहने चाहिए। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश से पहले संघन तलाशी ली जाय जिससे प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा हाल में न ले जायी जा सके। उन्होंने कहा की परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्र के आसपास की फोटो कॉपी की दुकानें बंद रखी जाएंगी इसके लिए फोटोकॉपी दुकानदारों को पूर्व में ही सूचित कर दिया जाए। पुलिस अधीक्षक ने बैठक में बताया कि आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाए। परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वालों पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत परीक्षा ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को परीक्षा से पूर्व प्रशिक्षित भी किया जाएगा।

किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने को लेकर एसडीएम ने सीएससी संचालकों के साथ की बैठक

अमेठी। कलेक्ट्रेट सभागार में उपजिलाधिकारी गौरीगंज दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को सीएससी केंद्र संचालकों के साथ फार्मर रजिस्ट्री बनाने के संबंध में बैठक आयोजित हुई। जिसमें एसडीएम द्वारा बताया गया कि फार्मर रजिस्ट्री प्रत्येक किसान का बनना अनिवार्य है जिससे कि उनको किसी भी सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके।सीएससी केंद्र संचालकों को निर्देश दिया गया कि आप सभी लोग ज्यादा से ज्यादा कैंप लगाकर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाएं। जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी नहीं होगी उनको भविष्य में पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलेगा। बैठक में तहसीलदार नायब तहसीलदार सीएससी जिला प्रबंधक एवं सीएससी केंद्र संचालक उपस्थित रहे।

मथौली कप की तैयारी में जुटे आयोजन समिति के लोग

अवधनामा संवाददाता

मथौली बाजार, कुशीनगर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मथौली कप प्रतियोगिता को संपन्न कराने के लिए आयोजन समिति के लोग तैयारी में जुट गए है। समिति के सदस्यों ने बताया कि इस बार मथौली कप प्रतियोगिता सबसे अलग होगा।

बता दें कि नगर पंचायत मथौली में स्थित किसान इंटर कालेज के खेल मैदान में पिछले कई वर्षों से मथौली कप प्रतियोगिता का आयोजन होता रहा है। इस बार भी आगामी 28 दिसंबर से भव्यता के साथ शुरू होने वाला है। इसकी तैयारी में जुटे समिति के लोग पिच की बनावट, ग्राउंड में पानी का फुहार, ऊबड़ खाबड़ जमीन में मिट्टी डालकर अच्छे से सजाने में लग गए है। समिति के लोगों ने बताया कि इस बार मथौली कप प्रतियोगिता का शुभारंभ भव्यता के साथ किया जाएगा, जो हर वर्ष से कुछ अलग रहेगा।

यहां अंतरराष्ट्रीय नियमों का हर हाल में पालन भी सुनिश्चित होगा। इस दौरान सभासद प्रतिनिधि अदालत प्रसाद, पूर्व प्रधान बृजेश उपाध्याय, सभासद प्रिंस जायसवाल, रामकृपाल उर्फ धमारी यादव, प्रिंस मद्धेशिया, रविंद्र सैनी, अमन जायसवाल, मिंटू सिंह, करन कसौधन आदि मौजूद रहे।

ग्राम रोजगार सेवक के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से की मुलाकात

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रस्तावित आंदोलन के दृष्टिगत 16 दिसम्बर को संगठन के पदाधिकारियों की पहली बैठक अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में मनरेगा सेल लखनऊ के अधिकारियों श्री मान अनिल कुमार पांडेय जी संयुक्त आयुक्त मनरेगा एवं भूपेंद्र सिंह जी उपायुक्त मनरेगा से हुई जिसमें मांगपत्र के क्रम में बिंदुवार चर्चा हुई।

दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को पुनः एक बैठक अपर मुख्य सचिव हिमांशु कुमार जी के निर्देश के क्रम में ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश को अवैध करार देने वाले ग्राम्य विकास विभाग के विशेष सचिव श्री मान अमनदीप हुली जी से उनके कार्यालय कक्ष में संगठन के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की विस्तृत वार्ता लगभग एक घंटे तक चली जिसमें विशेष सचिव जी ने प्रत्येक बिंदु के सापेक्ष हमारे द्वारा प्रस्तुत किए गए अन्य प्रदेशों के शासनादेशों को भी गहनता से पढ़ा और एक हफ्ते बाद पुनः संगठन के पदाधिकारियों को वार्ता हेतु बुलाया है। दोपहर बाद हमारी वार्ता ग्राम्य विकास राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम जी के कार्यालय कक्ष में काफी समय तक चली, सदन की कार्यवाही समाप्ति के बाद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी से पुनः भेंट कर ज्ञापन के बिंदुओं पर सूक्ष्म चर्चा की गई जिसमें मा विधायक सुरेन्द्र कुमार चौरसिया का विशेष सहयोग रहा, सत्र समाप्त होने के पश्चात संगठन के पदाधिकारियों से मंत्री ने पुनः वार्ता कर समस्याओं के निदान व मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं पर कार्यवाही को आगे बढ़ाने का भरोसा दिया है। पंचायत सहायक से ग्राम पंचायतों में मनरेगा का लॉगिन आई डी एवं पासवर्ड वापस लेने पर सहमति बनी, मृतक आश्रितों के शासनादेश को स्पष्ट रूप से जारी कराते हुए मृतकों के परिजनों को उसका लाभ देने पर भी विभाग सहमत दिखा। मानदेय भुगतान समय से हो इसके लिए भी विभाग पूर्व की व्यवस्था का परीक्षण कराएगा। एचआर पॉलिसी का ड्राफ्ट विभाग से पुनः तैयार कराया जाएगा। लंबित मामलों को उप मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में आगे बढ़ाया जाएगा। सत्र समाप्ति के बाद हम सब पुनः अपने सहयोगियों के साथ लखनऊ में रुककर प्रभावी पैरवी करेंगे और आपके पक्ष में निर्णय कराने का प्रयास होगा। वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े सभी पदाधिकारी सक्रियता बनाए रखें और प्रदेश के सभी साथी हम पर भरोसा रखें पूर्व के लोगों से बेहतर परिणाम हम आपको दिलाएंगे। प्रदेश संगठन के सभी वेलफेयर एसोसिएशन के पदधिकारियों लखनऊ में उपस्थित बड़े भाई कुलदीप द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष, आकाश त्रिपाठी, योगेश्वर राव, प्रेमलता सूरज प्रताप, राहुल आर्य उपस्थित रहे।

क्रमिक अनशन के पाँचवे दिन मज़दूर संगठन ने दिया समर्थन

देवरिया अवधनामा संवाददाता। आज पाँचवे दिन भी क्रमिक अनशन पर किसानो को मज़दूर संगठन ने समर्थन दिया इस दौरान व कुदाल -बेलचा लेकर मच पर पहुँचे इस दौरान युनियन के अध्यक्ष रामेश्वर कुमार ने कहा की रामजानकी मार्ग भुमी अधिग्रहण मे किसानो को उचित मुआवज़ा नही मिला और कटौती बन्द नही हुई तो किसानो के साथ मज़दूर संगठन भी धरने पर बैठने का काम करेगा यह भाजपा की सरकार जबसे बनी है तबसे किसानो व्यापारी नौजवानों मज़दूरों का शोषण करने का काम कर रही है यह सरकार किसान नौजवान व व्यापार विरोधी है अगर किसानो को उचित मुआवज़ा नही मिलेगा तो सड़क मे किसानो की जमिन जाने से कितने बिना घर व बिना भुमी के हो जाएगा जिसका दुष परिणाम भाजपा की सरकार व अधिकारियों को भुगतना पड़ेगा। सपा नेता विजय रावत ने कहा की भाजपा सरकार हिटलर जैसे काम कर रही है और किसानो के ज़मीन को जबरीया लेना चाह रही है जिसे किसान और मज़दूर संगठन मिल कर नही होने देंगे और दोनों मिलकर लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। इस दौरान रामजानकी मार्ग भुमी बचाओ समिति के अध्यक्ष राजा राम यादव व सुरेन्द्र जी आए हुए अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया इस दौरान मुख्य रूप से रणविजय सिह सत्येन्द्र यादव रामशेखर कुशवाहा राम प्रकाश यादव राजेश यादव धीरज पान्डे सतोष चौधरी अच्छे लाल सनोज यादव अजित कुमार तेजनरायन यादव राजेन्द्र प्रताप मो आबिद राकेश मदेशिया विकेन्द्र सिह विरेन्द्र सोनकर सहीत सैकड़ों की संख्या मे किसान मज़दूर नौजवान उपस्थित थे।

किसान दिवस में समस्याओं एवं सुझावों को सुनकर डीएम ने निस्तारण को दिए निर्देश

अमेठी अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया तथा मौके पर ही जिलाधिकारी द्वारा उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। किसान दिवस के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी किसान बन्धुओं को उपलब्ध कराई गई तथा किसानों को जैविक व प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी गई। किसान दिवस में जनपद के प्रगतिशील किसानों ने भी अपने-अपने विचार साझा किए तथा बताया कि कैसे उन्होंने शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर खेती की और अच्छा मुनाफा कमाया। किसान दिवस में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की किसानों से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों को दिया जाए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील करते हुए कहा कि शासन द्वारा कृषि मत्स्य उद्यान पशुपालन आदि विभागों में कई सारी जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं जिनका लाभ आप लोग लेकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार तिवारी जिला कृषि अधिकारी राजेश कुमार अधिशासी अभियंता सिंचाई नलकूप सहित अन्य संबंधित अधिकारी व किसान बंधु मौजूद रहे।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस रहेगीं पूर्णतः प्रतिबंधितः डीएम

अवधनामा संवाददाता

परीक्षार्थी केंद्र पर उक्त सामग्री लेकर न आएं अभ्यर्थी, परीक्षा प्रारंभ होने से 45 मिनट पूर्व प्रत्येक दशा में पहुंचें

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य, प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा-2024 जनपद के 13 परीक्षा केन्द्रों पर दि. 22 दिसम्बर को आयोजित होगी, उक्त परीक्षा में 5472 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेगें, परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु 13-13 सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये हैं, परीक्षा को शान्तिपूर्ण, नकल विहीन सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है, परीक्षा कक्ष में किसी भी परीक्षार्थी, कक्ष निरीक्षक, स्टेटिक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक आदि को इलैक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं होगी यदि किसी के पास मोबाइल मिला तो उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही होगी, प्रदेश की सबसे बडी परीक्षा की सुचिता, निष्ठा के साथ किसी को खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जायेगी यदि किसी के द्वारा परीक्षा में विघ्न डालने या अनुचित सामिग्री का प्रयोग करने की कोशिश की गयी तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे, प्रश्न पत्र खोलने से लेकर परीक्षा पूर्ण होने तक निर्वाध रूप से सीसीटीवी कैमरे संचालित रहेगें। उक्त निर्देश जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने केन्द्र व्यवस्थापको, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट की बैठक में देते हुये कहा कि परीक्षा को ईमानदारी से सुचिता के साथ सम्पन्न कराने में अहम भूमिका केन्द्र व्यवस्थापकों, कक्ष निरीक्षकों को निभानी है, इसलिए सभी केन्द्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक आयोग की परीक्षा को निर्विघ्न सम्पन्न कराने में सहयोग करें। उन्होने कहा कि यह परीक्षा सबसे प्रतिष्ठित, महत्वपूर्ण है इसलिए परीक्षा को सम्पन्न कराने में लगे प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी को इसकी सुचिता बनाये रखनी होगी, केन्द्र व्यवस्थापकों, कक्ष निरीक्षकों, स्टेटिक मजिस्ट्रेट को पूरी गंभीरता के साथ अपने दायित्वों को अंजाम देना होगा। उन्होने केन्द्र व्यवस्थापकों से कहा कि कक्ष निरीक्षकों को अपने स्तर से निर्देशित करें कि परीक्षा पूर्ण होने, ओ.एम.आर. शीट जमा होने के बाद ही परीक्षार्थियों को कक्ष से बाहर जाने दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पाली की परीक्षा पूर्ण होने पर कक्ष निरीक्षक बेहद संवेदनशील रहकर ओ.एम.आर. शीट एकत्र करें, अभ्यर्थी को नीले रंग की तृतीय प्रति उपलब्ध कराई जाए, हरे कलर की द्वितीय प्रति कोषागार हेतु एवं गुलाबी रंग की मूल प्रति आयोग को भेजी जाए। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि परीक्षा बेहद संवेदनशील है इसलिए परीक्षा में लगे सभी अधिकारी, शिक्षक प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखें, परीक्षा में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहेगा, पुलिस के अलावा स्थानीय अभिसूचना इकाई, एस.टी.एफ., स्पेशल ऑपरेशन फोर्स परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखेगी, परीक्षा के दृष्टिगत शहर के मुख्य चौराहों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात रहेगा।

ऊनी वस्त्रों और कंबल का वितरण

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। लायन्स क्लब सुल्तानपुर सैंट्रल द्वारा भयंकर सर्दी को देखते हुए समाज के वंचित लोगों को ऊनी कपड़े और कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री लाल चन्द सरोज,अधिशाषी अधिकारी (नगर पालिका, सुल्तानपुर) द्वारा विशिष्ठ अतिथि लायंस क्लब के पूर्व वाइस मल्टीपल कौंसिल चेयरमैन लायन सीए सौरभ कांत की उपस्थिति में किया गया। अधिशाषी अधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब की सराहना की और आगे भी ऐसे ही समाजसेवी कार्य क्लब के साथ मिलकर करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम को पूर्व वाइस मल्टीपल चेयरमैन लायन सीए सौरभ कांत, डिस्ट्रीक्ट प्रोग्राम मैनेजर श्री सौरभ मिश्रा, लायंस के पूर्व गवर्नर लायन सतीश श्रीवास्तव एवं क्लब अध्यक्ष लायन शबीहुल हसनैन ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव एडवोकेट लायन आशीष अग्रवाल ने किया। कंबल वितरण में विशेष योगदान लायन मनोहर सिंह का रहा। जिन्होंने अपनी स्वर्गीय पत्नी कमलजीत कौर के स्मृति में कार्यक्रम के लिए आर्थिक सहयोगी प्रदान किया। कार्यक्रम में ला. गुरदेव सिंह, कोषाध्यक्ष ला. जसबीर सिंह, ला. सुनील अग्रवाल, ला. धर्मेंद्र चोपडा, ला. विनोद जयसवाल, ला. जाहिर जैदी, ला. नर्जिस जैदी, ला. रागिनी जायसवाल, ला. प्रतिपाल सिंह, ला. आशेष श्रीवास्तव, ला. आज़ाद सेठ, ला. बृजेश खत्री, ला. सतपाल सिंह विजय अग्रवाल एवं सरिता यादव (सदस्य, बाल कल्याण समिति) आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

लाचार व्यक्तियों की सेवा करे निःस्वार्थ,जीवन में सुख व संतुष्टि मिलेगी : आशीष कुमार

बहराइच। जनपद में अत्यधिक ठंड को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा अनुसार दिव्यांग व निराश्रित व्यक्तियों को कंबल वितरण कार्यक्रम शिवदहा न्याय पंचायत तथा महसी के मासाड़ीहा के ग्राम पंचायत चंदवापुर, बीरपुर, पकडीकला, थवई, चन्दईपुर, डेरवा, सेंवढा, तथा शिवदहा ग्राम पंचायत में कुल चिन्हित 45 लाभार्थियों को निशुल्क कंबल नोडल प्रभारी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य दिनेश कुमार तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने वितरित कर सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों को प्रस्तुत किया, और कहा कि दीनहीन व लाचार व्यक्तियों की सेवा निःस्वार्थ भाव से करनी चाहिए इससे आत्मिक सुख व संतुष्टि मिलती हैं। इस कंबल वितरण कार्यक्रम में विकास क्षेत्र के एआरपी पयागपुर राजेश कुमार मिश्र,शिक्षक संकुल अजय श्रीवास्तव, लेखपाल मिथिलेश यादव, ने अपने विचार व्यक्त किए। वितरण कार्यक्रम में पंचायत मित्र जय प्रकाश सिंह, कामता प्रसाद मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक पवन पाँडेय ने किया पौराणिक विजेथुआ महावीरन धाम में दर्शन पूजन

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर संसदीय क्षेत्र से बसपा व समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ चुके अंबेडकर नगर के पूर्व विधायक बाहुबली नेता पवन पांडेय दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ विजेथुआ महावीरन धाम में हनुमान जी का दर्शन पूजन किया। इस दौरान श्री पांडे ने लक्ष्मी नारायण मंदिर में हवन कर मंगल कामना की प्रार्थना की। श्री पाँडेय ने मकरीकुँड में राहुल सिँह व अन्य द्वारा आयोजित महाआरती व भजन संध्या में एक शामिल हुए। श्री पाँडेय का दोस्तपुर, मुडिला, सूरापुर में समर्थकों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। पूर्व विधायक श्री पाँडेय के साथ दोस्तपुर के चेयरमैन रहे मिथिलेश मिश्र, पवन पाँडेय (लोहा), जगदम्बा उपाध्याय, रितेश दूबे, अम्बरीश मिश्र, विजय पाँडेय, आशीष मिश्र, विपिन पाँडेय, पँकज सिंह, आत्माराम मिश्र,प्रदीप दूबे, प्रवीण तिवारी, रमाशंकर पाठक, अंकुर पाठक, सौरभ तिवारी, चुन्नू शुक्ला आशुतोष पाठक, अमित पाठक, विक्की मिश्रा,राजेश यादव,रोहित यादव आदि मौजूद रहे।

कैरियर मार्गदर्शन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

सुलतानपुर। केश कुमारी स्कूल, सुलतानपुर में सेंटर फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (C.E.T.) के निदेशक इंजीनियर चन्दन बरनवाल द्वारा कैरियर मार्गदर्शन संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में 10वीं और 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों पर छात्रों को जानकारी दी गई। निदेशक ने छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, परीक्षा तैयारी रणनीतियों और अपनी रुचि व क्षमता के अनुरूप सही करियर चुनने के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।सत्र के दौरान छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे काफी प्रेरणादायक और जानकारीपूर्ण बताया। कई छात्रों ने कहा कि यह सत्र उनके करियर को लेकर उनकी समझ को और अधिक स्पष्ट करने में सहायक रहा। केश कुमारी स्कूल की टीम ने निदेशक और C.E.T. को उनके सहयोग और बच्चों के मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

भानीरामका में हुआ जनपद स्तरीय रसोईया पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन

बैकुंठा के रसोईया को प्रथम तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन द्वितीय स्थान पर

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद में आज बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत पीएम पोषण मध्यान भोजन योजना में जनपद स्तरीय रसोईया पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन भानीरामका अतिथि भवन में किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने की कार्यक्रम में एवं वित्त एवं लेखा अधिकारी वीरेश कुमार वर्मा की उपस्थिति में डीश्रसीश्च एमडीएम राकेश कुमार मिश्रा एवं कुमारी बबिता कंप्यूटर ऑपरेटर एमडीएम द्वारा आयोजित कराया गया। प्रतियोगिता में विजेताओं का चयन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जिला विद्यालय निरीक्षक बहराइच के द्वारा नामित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रवक्ता के द्वारा सभी रसोइयों के बनाए गए भोजन को चखते हुए किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड हुजूरपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय बैकुंठा के रसोईया द्वारा प्रथम स्थान ,नगर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन द्वितीय की रसोइया को द्वितीय स्थान तथा विकासखंड शिवपुर के प्राथमिक विद्यालय चीरपुर की रसोईया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया गया है। विजेताओं को प्रथम स्थान पर पैंतीस सौ, द्वितीय स्थान पच्चीस सौ तथा तृतीय स्थान को पंद्रह सौ रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।अन्य समस्त प्रतिभागी रसोईया को प्रमाणपत्र के साथ तीन सौ सांत्वना और तीन सौ आवागमन भत्ता के रूप में कुल रुपए छह सौ प्रति रसोईया नकद दिया गया है। इस मौके पर स्पेशल एजुकेटर जयवीर सिंह, एआरपी नगर क्षेत्र जितेंद्र एवं संदीप, प्रधानाध्यापक सुरूर अख्तर एवं संबंधित विद्यालय के अध्यापक उपस्थित रहे।

पुलिस को चकमा देकर सैकड़ों कांग्रेसी पहुंचे लखनऊ

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। बुधवार को लखनऊ में होने वाले कांग्रेसियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन को नाकाम बनाने के लिए सत्ता पक्ष के इशारे पर पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी है। बीती रात से ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा व शहर अध्यक्ष शकील अंसारी समेत दर्जनों कांग्रेसियों को पुलिस ने हाउस अरेस्ट करने हेतु धावा बोल दिया। जिसमें शहर अध्यक्ष शकील अंसारी को पुलिस ने रात 2 बजे से ही हाउस हाउस अरेस्ट कर लिया है, लेकिन कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने पुलिस को चकमा देकर सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को लेकर लखनऊ पहुंच गए। वार्ता के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि सुल्तानपुर में कांग्रेस नेताओं के ऊपर सत्ता पक्ष के इशारे पर पुलिस जिस तरह से बर्ताव कर रही है बेहद शर्मनाक है। हमारे दर्जनों नेताओं को पुलिस ने बीती राहत से ही नजर बंद कर रखा है जो पुलिस को नहीं करना चाहिए। वहीं उन्होंने बताया कि भाजपा के इशारे पर पुलिस की कार्रवाई देख हम लोग आज ही लखनऊ पहुंच गए हैं तो वही हमारे बहुत से साथी ट्रेन, बस व प्राइवेट वाहन से बिना झंडा बैनर के ही आज ही लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं।

पुलिस कांग्रेसियों पर अपराधियों जैसा कर रही बर्तावः शकील

शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा जनपद की पुलिस कांग्रेसियों पर अपराधियों जैसा बर्ताव कर रही है। सत्ता पक्ष के इशारे पर पुलिस कांग्रेस के सम्मानित नेताओ के घर पहुंच कर रात के 2 दरवाजा पीट रही है ऐसा लगता है कांग्रेसी बहुत बड़े क्रिमिनल हो गए हैं। हम कांग्रेस जन गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोग हैं हम लोकतांत्रिक तरीके से लखनऊ पहुंचकर अपने प्रदर्शन को सफल बनाएंगे पुलिस हम पर लाठी बरसाए गोली चलाई इससे हम कांग्रेस के लोग डरने वाले नहीं है।

"विधान से समाधान" की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

बहराइच। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव /अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विराट शिरोमणि की अध्यक्षता में विकास खण्ड तेजवापुर में महिलाओं के हितार्थ विधिक जागरूकता कार्याक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी तहसीलदार महसी, विकास खण्ड तेजवापुर हरिओम शास्त्री, सहायक विकास अधिकारी, मध्यस्थ अधिवक्ता, रिसोर्स पर्सन शिविका मौर्या व बाल संरक्षण अधिकरी अर्चना मिश्रा, समाज सेविका एवं महिलाएं उपस्थित रहे।सर्वप्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव शिरोमणि द्वारा शिविर में उपस्थित महिलाओं को जागरुक करते हुए बताया गया कि न्यायपालिका किसी भी जनतंत्र के तीन प्रमुख अंगों में से एक है। न्यायपालिका संविधान और कानून की रक्षक है।

सुदिती ग्लोबल अकैडमी में वार्षिक खेल दिवस का शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। फिरोजाबाद रोड स्थित सुदिती ग्लोबल अकैडमी में वार्षिक खेल दिवस का शुभारंभ एनडीए कैडेट किरन शर्मा पूर्व छात्रा द्वारा फीता काट कर एवं मशाल जलाकर किया गया।

ब्लू, ग्रीन, रेड और येलो चारों हाउस के कप्तान ने मशाल लेकर रेस कर खेलों को प्रारंभ किया, एनडीए कैडेट किरण शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को लगन के साथ पढ़ाई करने और खेलकूद में प्रतिभाग करने के लिए कहा क्योंकि पढ़ाई के संग खेलकूद भी बहुत जरूरी है खेलकूद में भाग लेने से हमारा शारीरिक विकास होता हैं। तत्पश्चात विद्यालय संचालक किताब सिंह ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व को समझाते हुए कहा की खेलने कूदने से इम्युनिटी पावर बढ़ती है और मन शांत रहता है। सांस्कृतिक नृत्य द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।

मंगलवार को प्रथम दिन विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया ,जैसे सेक रेस, लेमन रेस, 50 मीटर रेस, कैरम शतरंज, शॉट पुट आदि। जिसमें मुख्य रूप से प्रबल प्रताप सिंह सूर्यकांत शर्मा,वंदना संतोष शर्मा, पवन रावत, मोहिनी बघेल हेमलता शर्मा आदि शामिल रहे।

शमशान घाट के रास्ते को कोलोनाइजरों ने किया बंद लोगों में आक्रोश

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। नगर के मोहल्ला टुंडली में अनुसूचित जातियों के श्मशान घाट जाने वाले करीब 150 वर्ष पुराने रास्ते को कोलोनाइजरो ने दबंगई दिखाते हुए दीवार लगाकर बंद कर दिया है, जिससे जाटव समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। जाटव समाज के लोगों ने एक शिकायती पत्र उपजिलाधिकारी टूंडला को सौंपकर उक्त रास्ते को खुलवाने की गुहार लगाई है। बुधवार को जाटव समाज के लोगों ने उपजिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया गया है कि ग्राम टुंडली में गाटा संख्या 513 को 511,से एक रास्ता जो 150 वर्ष पुराना है,जिससे अनुसूचित जाति के लोग अपने बुजुर्गो का अंतिम संस्कार करने के लिए शमशान घाट जाते है, उस रास्ते को कॉलोनाइजर कोमल सिंह रामप्रकाश यादव व अन्य कोलोनाइजरो ने शमशान घाट के रास्ते पर दीवार खड़ी कर बंद कर दिया है। जिससे अनुसूचित जाति के लोगों में रोष व्याप्त है, अनुसूचित समाज के लोगों ने मांग की है कि उक्त शमशान के रास्ते को तत्काल खुलवाया जाए अन्यथा की स्थिति में समय रहते रास्ता नहीं खुलवाया गया तो अनुसूचित समाज का गुस्सा सड़क पर भड़क सकता है, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में मेवाराम मनीष नीरज कुमार मीना देवी महादेवी कविता ब्रजेश देवी रवि कुमार रंजीत सिंह नरेंद्र कुमार पिंटू मानवेंद्र सिंह रघुनाथ सिंह नीलेश कुमार गायत्री रेखा ओम प्रकाश संजीव कुमार रनवीर सिंह पीतांबर संतोष कुमार अवधेश राना आदि ने ज्ञापन सौंप मांग की है।

कार्यालय नगर निगम फिरोजाबाद

पत्रांक : 1247/पी0डब्ल्यू0डी0/ई-निविदा सूचना/2024-25 दिनांक : 17/12/2024

-: ई-निविदा सूचना संख्या :- 10/निर्माण/2024-25 :-

नगर निगम फिरोजाबाद द्वारा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (N-CAP) के अन्तर्गत कुल 7 कार्यों हेतु अर्ह ठेकेदारों से उनकी श्रेणी के अनुसार कार्यों की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंमत्रित कार्यों हेतु फर्म द्वारा उनकी श्रेणी अनुसार प्रतिभाग किया जायेगा। इन कार्यों की निविदा डबल बिड पद्धति के अन्तर्गत है। ई-निविदा के माध्यम से अधिकृत बेबसाइट www.etender.up.nic.in पोर्टल पर ई-निविदा निम्नांनुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	विवरण	तिथि व समय
1.	ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	20-12-2024
2.	ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	20-12-2024
3.	ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	06-01-2025 03:00 PM
4.	तकनीकी निविदा खोली जाने की तिथि/समय	06-01-2025 04:00 PM

नोट :- शेष नियम व शर्तें www. etender.up.nic.in पोर्टल पर देखी जा सकेगी।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, फिरोजाबाद

अराजक वातावरण से बुरा असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है बुरा असर

ऐसे कठिन समय में भी महिलाओं ने अपने आपको मजबूती के साथ सिद्ध किया हैमहिलाओं में स्वभाव से ही सृजनात्मकता है, कलात्मकता है, सहनशीलता है, वह उन्हे पुरूषों से कहीं ज्यादा मानसिक रूप से मजबूत बनाता हैः

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता में पी0एम0 श्री राजकीय इण्टर कॉलेज नसीरपुर में मिशन शक्ति 5.0 के साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के अन्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार के अलावा इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी रमेश रंजन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ-साथ बडी संख्या में जनपद स्तरीय अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि और उपस्थित विशिष्ट अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया, इस कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार ने सर्वप्रथम उपस्थित बच्चियों से उन महिलाओं के बारें में जानकारी लीं, जिनका जीवन प्रेरणा स्त्रोत बना हुआ है, इसमें उन्होने अरूणिमा सिंहा की चर्चा की, जिसने दिव्यांगता के बाबजूद दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउण्ट एवरेस्ट को फतेह किया, उन्होने फाल्गुनी नायर की चर्चा की जिसने कम उम्र में ही उद्यम के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की, साथ ही उन्होने मलाला युसूफजई की भी चर्चा की, जिसने कर्म उम्र में ही तालिबानी सोच से लडाई लड़ी।

उन्होने कहा कि यह कुछ ऐसे नाम है, जिनका जीवन अदम साहस, जिजीविषा और लगनशीलता हेतु हमे प्रेरित और प्रोत्साहित करता है, उन्होने आगे कहा कि दुनिया में लड़के और लडकियों में कोई भेद नही है, उन्होने कहा कि वहीं समाज और राष्ट्र आगे बढ़ सकता है, जिसमें महिलाओं की समान भागीदारी होती है, महिलाओं की सशक्तिकरण का मतलब आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्र में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करना, उन्होने कहा कि आपको सुरक्षा शिक्षा से मिलेगी और सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता से होगा, उन्होने कहा कि समाज में जब-जब अराजकता और अन्याय का वातावरण बना है, तब-तब तक इसका बुरा असर महिलाओं और बच्चों पर ही पडा है, ऐसे कठिन समय में भी महिलाओं ने अपने आपको मजबूती के साथ सिद्ध किया है, उन्होने कहा कि महिलाओं में स्वभाव से ही सृजनात्मकता है, कलात्मकता है, सहनशीलता है, वह उन्हे पुरूषों से कहीं ज्यादा मानसिक रूप से मजबूत बनाता है, साथ ही उन्होने वहां उपस्थित बच्चियों को सलाह देते हुए कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग सावधानी से करें, माता-पिता की आज्ञा का पालन करें, बिना मतलब सोशल मीडिया पर किसी को मित्र नही बनाए, आत्मनिर्भर बने, सशक्त बनें, साथ ही उन्होने सशक्त होने का मतलब भी बताया कि सशक्त होने का मतलब शिक्षित बनिए, तार्किक बनिए, तभी आप समाज में व्याप्त कुरितियों पर चितंन कर सकेंगे, और उसके विरोध में खड़े हो सकेंगे, उन्होने वहां उपस्थित बच्चियों से कहा कि आप अपनी ताकत को पहचानिए, और हमारें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के सपनों को साकार करने में अपना योगदान दिजिए, उन्होने कहा कि जीवन में बहुत समस्याऐं आयेंगी पर उससे घबराना नही है, इसका मजबूती से मुकाबला करना है, और यह सब तभी हो सकता है, जब आपको अपने पर विश्वास हो। इस दौरान उन्होने दिनकर जी की एक कविता सुनाकर वहां उपस्थित बच्चियों को प्रेरित भी किया।

''मुश्किलें दिल के इरादें को
आजमाती हैं,
सपनों के परदें निगाहों से हटाती है,
हौंसला मत हार ए मुसाफिर गिर
कर ठोकरें ही इंसान को चलना
सिखाती है''।

इस मौके पर बोलते हुए जिलाधिकारी रमेश रंजन ने कहा कि आज सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना इत्यादि के माध्यम से बालिकाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है, सरकार आज विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव उपस्थित कर रहीं है।

कार्यालय :- सहायक आयुक्त, राज्य कर, सचल दल पंचम इकाई, लखनऊ।

पत्रांक- 159/सहा0आयु0/स0द0पं0ई0-लखनऊ/ दिनांकः 16: दिसम्बरः 2024

नीलामी सूचना

सी.जी.एस.टी./एस.जी.एस.टी. अधिनियम 2017 की सुसंगत धारा 79(1)(बी) के अन्तर्गत माल की नीलामी की सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित अनुसूची (SCHEDULE) में वार्णित जब्त किए गए माल तम्बाकू तुलसी, तम्बाकू रत्ना, सिगरेट गोड फ्लेम व बीड़ी अनब्राण्डेड की नीलामी सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से ''जो जैसा है'' की स्थिति में अनुसूची में वर्णित विवरण के अनुसार दिनांक 23.12.2024(दिन सोमवार) को प्रातः 11.00 बजे कार्यालय सहायक आयुक्त, राज्य कर, सचल दल पंचम इकाई, लखनऊ राज्य कर भवन, 5 मीराबाई मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ के परिसर में नीलामी समिति के समक्ष आयोजित की जाएगी। नीलामी की तारीख से पूर्व देय सम्पूर्ण धनराशि के भुगतान हो जाने पर नीलामी की प्रक्रिया रोक दी जाएगी। जिसका विवरण एवं मुख्य शर्तें निम्नलिखित है-

अनुसूची (SCHEDULE)

क्र.सं.	माल का विवरण	झाल/नग	माल की मात्रा	कुल माल की धरोहर राशि (EARNEST MONEY)
1	2	3	4	5
1	तम्बाकू (तुलसी 00 ब्रांड)	01 नग	4000 जिपर/पैषे	10000.00
2	तम्बाकू (रत्ना ब्रांड)	01 नग	400 केन	10000.00
3	सिगरेट (GOAD FLAME ब्रांड)	01 नग	24000 पीस/Stick	10000.00
4	बीड़ी (अनब्राण्डेड)	04 बोरी	328320 पीस/Stick	10000.00

नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यापारीगण/व्यक्ति उक्त स्थल पर समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। नीलामी से सम्बंधित नियम एवं शर्तों की जानकारी कार्यालय-सहायक आयुक्त, राज्य कर, सचल दल पंचम इकाई, राज्य कर भवन, 5 मीराबाई मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से दिनांक 21.12.2024(दिन शनिवार) तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

नीलामी में प्रतिभाग करने के नियम एवं मुख्य शर्तें-

1. उचित अधिकारी (PROPER OFFICER)/अध्यक्ष नीलामी समिति को यह अधिकार होगा कि वह बिना कोई कारण बताए नीलामी निरस्त कर सकता है।
2. नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यापारीगण/व्यक्ति उक्त स्थल पर समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। नीलामी में जी.एस.टी. अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत व्यक्ति ही प्रतिभाग कर सकते हैं। साक्ष्य के रूप में प्रतिभाग करने वाले व्यक्ति को अपने जी0एस0टी0 पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करनी होगी।
3. नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग करने हेतु माल के विवरण के सम्मुख अंकित धरोहर राशि का बैंक ड्राफ्ट (DRAFT) ही मान्य होगा, जो सहायक आयुक्त, राज्य कर, सचल दल पंचम इकाई लखनऊ के नाम से देय होगा। जिस व्यक्ति के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जाएगी, उसे छोड़कर नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले शेष फर्म/व्यक्तियों की धरोहर राशि वापस कर दी जाएगी।
4. माल जिस दशा में है जहां है उसी प्रकार नीलाम किया जाएगा। बोलीकर्ता द्वारा माल की गुणवत्ता एवं माल का आकलन स्वयं उपस्थित होकर करना होगा। नीलामी के उपरान्त उक्त के सम्बंध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।
5. नीलामी समिति के समक्ष उच्चतम बोलीकर्ता द्वारा बोली गयी धनराशि को समिति द्वारा विवेकानुसार/नियमानुसार स्वीकार/अस्वीकार किया जा सकेगा तथा स्वीकार किए जाने की स्थिति में उच्चतम बोलीकर्ता को नीलामी का 25 प्रतिशत तुरन्त एवं शेष नीलामी की धनराशि निर्धारित समय एक सप्ताह के अन्दर जमा कर माल को जिस स्थिति में है उसी स्थिति में अपने संरक्षण में लेना होगा अन्यथा की स्थिति में उसका दावा निरस्त करते हुए धरोहर तथा 25 प्रतिशत जमा की गयी धनराशि राशि जब्त कर ली जायेगी।
6. माल एवं सेवाकर अधिनियम 2017 के अन्तर्गत नीलाम किए गए माल पर नियमानुसार निर्धारित कर देयता भी जमा की जाएगी।

(संतोष कुमार सिंह)
सहायक आयुक्त, राज्य कर,
सचल दल पंचम इकाई, लखनऊ।
(मो. 7235003247)

UPID-224273 Dated-17-12-2024
विज्ञापन आदेश के अनुसार www.upgov.in पर उपलब्ध

अस्थाई गौ आश्रय स्थलों के प्रबंधन संचालन एवं भरण को लेकर बैठक

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जनपद के अस्थाई गौ आश्रय स्थलों के प्रबंधन,संचालन एवं भरण पोषण एवं अन्ना गौवंश के संरक्षण के संबंध में जिलास्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी गौशालाओं में टीनशेड/ छाया आदि का प्रत्येक दशा में प्रबंध होना चाहिए। वर्तमान ठंड के दृष्टिगत गौशालाओं में पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सभी इंतजाम रखे जाएं। किसी भी स्तर पर की गई लापरवाही से गौशालाओं में अन्ना पशुओं की मृत्यु पर संबंधित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा की जिन गौशालाओं में अब तक टीनशेड/ छाया आदि का प्रबंध नहीं है वहां पर तत्काल इसका प्रबंध कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत गौशालाओं में टीनशेड की व्यवस्था कर सभी खंड विकास अधिकारियों इसका प्रमाण पत्र दिया जाए। कहा कि गौशाला में अन्ना गोवंशों को हरा चारा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद की गोचर भूमि में चारागाह विकसित किया जाए। शत प्रतिशत अन्ना गौवंश का गौशालाओं में संरक्षण हो जाना चाहिए। गौआश्रय स्थलों में चारा पानी भूसे तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अन्ना गोवंशों का संरक्षण शासन की प्राथमिकता में शामिल है अतः इसमें कोई लापरवाही न बरती जाए। पशुपालन विभाग द्वारा अन्ना पशुओं की ईयर टैगिंग ,टीकाकरण ,बधियाकरण की प्रगति में सुधार लाया जाए तथा कोई भी पशु की मृत्यु होने पर उसका समयबद्ध एवं समुचित ढंग से सम्मान के साथ अंतिम संस्कार/निस्तारण किया जाए। सभी गौशालाओं में चारा पानी भूसा आदि की समुचित व्यवस्था रखी जाए। कहा कि अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल के संचालन संबंधित समस्त कार्य निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार किया जाए। इनका नियमित रूप से क्रॉस चेक भी किया जाए।

इस मौके पर सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, समस्त बीडीओ, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

अटल भूजल योजना की समीक्षा बैठक का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में अटल भूजल योजना की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में जल संरक्षण संबंधी जो भी कार्य किए गए हैं उन सभी कार्यो का अच्छे ढंग से अभिलेखीकरण कर उससे संबंधित डेटा/ सूचना कल तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दिया जाए। इस कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता न बरती जाए। कल तक डाटा उपलब्ध न कराने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि जनपद में अटल भूजल योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन कर जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा दिया जाय। जल के परंपरागत स्रोतों यथा कुओं, तालाबो, पोखरों, झीलों का जीर्णोद्धार किया जाय। सभी सरकारी व अर्धसरकारी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किया जाय। खेत तालाब योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाय। जल संरक्षण संबंधी अच्छा कार्य कर जनपद के सेमी क्रिटिकल ब्लॉकों सुमेरपुर व गोहांड को सेफ जोन में लाया जाए। जिलाधिकारी ने कार्यदायी विभागों को निर्देशित किया कि अटल भूजल योजना के अनुरूप जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं जल संचयन की कार्य योजना बनायें जिससे आने वाले वर्षो में भूजल स्तर में सुधार आये और साथ ही साथ ग्राम पंचायत स्तर में जनपद बांदा के जखनी गांव के अनुरूप जन सहभागिता एवं जन जागरूकता को बढ़ावा मिले। इस मौके पर सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी, उपायुक्त मनरेगा, पीडी साधना दीक्षित, समस्त बीडीओ, जिला पंचायत राज अधिकारी ,जिला कृषि अधिकारी एवं अटल भूजल योजना के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस संपन्न

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। विशेष सचिव अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ अनुभाग-4, उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या-एमएस-32/52-4-2024-53/53 दिनांक-09 दिसम्बर 2024 के द्वारा निर्गत शासनादेश क्रम में दिनांक-18 दिसम्बर 2024 ''अल्पसंख्यक अधिकार दिवस'' का आयोजन।

उक्त आयोजन में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सोनभद्र, जिला सैनिक एवं पुनर्वास अधिकारी सोनभद्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) सोनभद्र तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोनभद्र की उपस्थिति में अल्पसंख्यक समुदाय के सिख जसबीर सिहं, भगवंत सिंह, कमलेश खाम्बे तथा हाफिज शरीफ खान, कौनेन अली, नजीर अहमद, मु0 उस्मान, मो0 मुस्तकीम अहमद, जफरूद्दीन, कमालुद्दीन सलाउद्दीन एवं अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम गॉधी जी एवं अम्बेडकर जी का मार्ल्यापण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया एवं स्वागत कार्य के पश्चात् अल्पसंख्यक समुदाय हेतु शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए चर्चा की गयी। उक्त के बाद हज प्रशिक्षक मो0 अब्दुल तलहा को हज यात्रियों को बेहतर प्रदान किये जाने हेतु, शरीफ अहमद प्रबंधक मदरसा रजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल पगिया बेहतर प्रबन्धन कार्य हेतु, सहायक अध्यापक कौनेन अली मदरसा दारूल उलूम कादरिया नूरिया बघाडू दुद्धी को बेहतर शिक्षण कार्य हेतु तथा मदरसा दारूल उलूम कादरिया नूरिया बघाडू दुद्धी, सोनभद्र कक्षा-8 की छात्रा कु0 अफशा नूरी एवं कक्षा-10 का छात्र जियाउल मुस्तफा को सर्वोतम प्रर्दशन प्राप्त करने हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) वैभव त्रिपाठी एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ए0के0 चौधरी व अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा धार्मिक सहिष्णुता, घर्म सद्भाव एवं धर्म समभाव के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अन्त में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोनभद्र सुधांशु शेखर शर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नेशनल हाईवे पर हादसा महिला सिपाही की मौत

अवधनामा संवाददाता

मौदहा हमीरपुर। नेशनल हाईवे 34 पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में महिला कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि कांस्टेबल का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। अपने घर से निजी फोरव्हीलर से अपने तैनाती स्थान खन्ना थाना आ रही महिला आरक्षी निशि अग्निहोत्री(30)पत्नी सौरभ मिश्रा की फोर व्हीलर जैसे ही बुण्देलखण्ड एक्सप्रेस वे से नीचे उतर कर नेशनल हाईवे 34 पर पहुंची तभी किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने कांस्टेबल की गाड़ी को टक्कर मार दी जिससे महिला कांस्टेबल निशि अग्निहोत्री और कार चालक बंटी को गंभीर रूप से घायल हो गए।दोनों घायलों को खन्ना पुलिस द्वारा इलाज के लिए मौदहा के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां पर डाक्टरों ने कांस्टेबल निशि को मृत घोषित कर दिया जबकि चालक बंटी को गंभीर चोंटो के चलते प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।फिलहाल ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।वहीं घटना का सम्बंध पड़ोसी जनपद खन्ना से होने के कारण थाना प्रभारी से बार बार दूरभाष पर सम्पर्क साधने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया जिसके चलते उनका वर्जन नहीं लिया जा सका।

मुख्यमंत्री, कमिश्नर को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा

अधिकारियों से मुलाकात कर पीड़ित पत्रकार को सुरक्षा देने की माँग की

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन (इंडिया)के प्रदेश अध्यक्ष सुघर सिंह पत्रकार व उनके पुत्र को गोली मारने व बम से उड़ाने की मिली धमकी मामले ने तूल पकड़ लिया है। एक सैकड़ा से अधिक पत्रकारों, वकीलों, समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री व मंडलायुक्त को संबोधित एक ज्ञापन बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट व जिला अधिकारी, एसएसपी को देकर पीड़ित पत्रकार व उसके पुत्र को सुरक्षा दिए जाने की मांग की व 48 घंटे में अभियुक्त की गिरफ्तारी की मांग की। पत्रकारों ने मांग की अगर मांगे पूरी नही हुई तो जिले भर के पत्रकार धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। मुख्यमंत्री व मंडलायुक्त कानपुर मंडल को संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट को दिए ज्ञापन व जिलाधिकारी व एसएसपी को दिए ज्ञापन में बताया गया कि दिनांक 13/14 दिसम्बर की रात्रि अज्ञात नंबर से तीन अपराधियो द्वारा सुघर सिंह व उनके बेटे को 7 बार गोली मारने व बम से उड़ाने की धमकी दी है। जिसका मुकदमा भी थाना सैफई में मुअस 247/24 धारा 352, 35(4)दर्ज किया गया हैं। घटना के 5 दिन वाद भी पुलिस के हाथ खाली है अभी तक अभियुक्तो के बारे में थाना सैफई पुलिस के पास कोई जानकारी नही है। पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। सुघर सिंह पत्रकार द्वारा वर्ष 2016 से 2024 तक लगभग 20 मुकदमे इटावा, नोएडा, अमेठी, कानपुर नगर, लखनऊ में दर्ज कराए गए हैं। जिनमें कई मुकदमों में चार्जसीट जा चुकी है। कुछ में न्यायालय में प्रोटेस्ट दाखिल है। सुघर सिंह पत्रकार को मिलने बाली धमकी की मुख्य बजह यह है कि उनके फेसबुक पर टैग करते हुए कुछ अपराधियो ने देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री पर अभद्र अश्लील आपत्तिजनक टिप्पड़ी की थी। जिस पर सुघर सिंह ने आरोपियों के विरुद्ध थाना सैफई में मुकदमा दर्ज कराया था उन अपराधियों के खिलाफ विभिन्न जनपदों में 50 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं और कई बार जेल भी जा चुके हैं। ऐसे अपराधी प्रदेश प्रभारी व उनके परिजनों की जान के दुश्मन बने हुए हैं और उनकी कभी भी हत्या हो सकती है। सुघर सिंह व उनके परिजनों एलआईयू से जांच कराकर स्थाई सुरक्षा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अगर सुघर सिंह पत्रकार के साथ कोई घटना घटित होती है तो इसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। अगर सुरक्षा नही दी जाती है तो इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पदाधिकारी धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर गणेश ज्ञानार्थी, प्रमोद दीक्षित, कुलदीप कुमार, रघुवीर यादव, मसूद तैमूरी, सैफ तैमूरी, राजीव यादव, कपिल यादव, असित यादव, गौरव कुमार, पवन मिश्रा एडवोकेट, अक्षय राज भदौरिया, अनिल चौधरी, राजू कुशवाह, मु0 शाहिद, सर्वेन्द्र कुशवाह, इकवाल, मेघ सिंह वर्मा, आशीष कुमार, पंकज राठौर, मनोज कुमार, राहुल यादव, सत्य नारायण राजपूत, वंदना यादव, राम नरेश पोरवाल, विशाल रावत, विनीत कुमार, मु0 नफीस, अनिल कुमार, चंद्रप्रताप सिंह, सुशील कांत, करुणानिधि, राम ब्रज, विष्णु राठौर, गौरव सिंह, कुमार रवि, कुलदीप कश्यप आदि पत्रकार मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पान कुँवर इंटरनेशनल स्कूल में स्पोर्ट्स वीक पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

इटावा, अवधनामा ब्यूरो। पानकुँवर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित स्पोर्ट्स वीक के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि डीएफओ अतुलकांत शुक्ला जी ने बच्चों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ.कैलाश चंद्र यादव (सीबीएसई डीटीसी)ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर और प्रतीक चिह्न प्रदान कर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने के लिए पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि श्री शुक्ला ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को प्रोत्साहित किया और पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभाशीर्वाद दिया। इस वर्ष ब्ल्यू हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और विजयी ट्रॉफी अपने नाम की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने विद्यार्थियों के उत्साह और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

सेजल प्रथम स्थान, कैफ़ी द्वितीय स्थान और प्रीति तृतीय स्थान पर रही

इटावा, अवधनामा ब्यूरो। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित परिसर के बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के आयोजन में प्रथम दिवस पर हुए खेलों में छात्राओं की 100 मीटर की दौड़ में सेजल प्रथम स्थान, कैफ़ी द्वितीय स्थान और प्रीति तृतीय स्थान पर रही अन्य खेल जिसमें लंबी कूद में सेजल प्रथम, अनु कुशवाहा पीहू तृतीय शॉट फुट में प्रथम अनु कुशवाहा, द्वितीय तनिष्का, तृतीय रिया चंद्रा, डिस्कस थ्रो में प्रथम प्रीती, द्वितीय अनू कुशवाहा और तृतीय प्रियांशी रही इसी प्रकार छात्रों की लंबी कूद में प्रथम विकास शर्मा, द्वितीय विशाल चौधरी, तृतीय अनुज यादव, शॉट फुट में प्रथम अभिषेक राय, द्वितीय रूद्रप्रकाश, तृतीय सूर्यकुमार, डिस्कस थ्रो में प्रथम अभिषेक राय, द्वितीय सूर्यकुमार, तृतीय अनुज यादव और 800 मीटर की दौड़ में प्रथम विकास, द्वितीय दीपांशु और तृतीय शौर्य कुमार विजय रहे। इन सभी विजयी छात्र-छात्राओं को डॉक्टर एन के शर्मा अधिष्ठाता ने बहुत-बहुत बधाई दी। खेल कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

गिरोह बनाकर साइबर ठगी करने वाले 6 ठगो को इटावा पुलिस ने किया गिरफ्तार

इटावा, अवधनामा ब्यूरो। गिरोह बनाकर साइबर ठगी करने वाले 6 ठगो को इटावा पुलिस ने गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बुधवार को पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता कर दी जानकारी। उन्होंने बताया कि ठगो से मोबाइल, सिम कार्ड, लग्जरी गाड़ियों समेत एक करोड़ से ज्यादा का सामान बरामद। आम लोगों को मनरेगा, इंश्योरेंस, पीडब्ल्यूडी इत्यादि में काम दिलाने का झांसा देकर खुलवाते थे बैंक अकाउंड, खाता धारक को झांसे में लेकर उनकी चेकबुक, एटीएम, इत्यादि रख लेते थे अपने पास। बिना खाता धारक को बताए इन अकाउंट का साइबर ठगी के रुपए खोलने में करते थे इस्तेमाल। ठगी के रूपयों को विभिन्न ऐप के जरिए डॉलर में कन्वर्ट करके बेच कर मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर से मिले संदिग्ध खातों की सूचना के बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही की। एसएसपी संजय कुमार के निर्देशन में और एसपी ग्रामीण सत्यपाल सिंह और सीओ सैफई पहुंप सिंह ने नेतृत्व में थानाध्यक्ष बसरेहर समित चौधरी, उप निरी.अनीस अहमद, उप निरी सौरभ राणा, उप निरी राघवेंद्र और थाना पुलिस के साथ साइबर थाना प्रभारी रणबहादुर सिंह कॉन्स्टेबल ब्रजेश गोला और संदीप ने की कार्यवाही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को इनाम देने के लिए भी कहा है।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर गोष्ठी आयोजित

मौदहा हमीरपुर। कस्बे के एक मदरसा परिसर में अंतरराष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया गया, जिसमें अल्पसंख्यकों के अधिकारों, दायित्वों तथा उनके कार्यो पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। कस्बे के मदरसा रहमानिया अनवारूल उलूम में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी हिमांशु अग्रवाल की मौजूदगी में अल्पसंख्यक अधिकार दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अल्पसंख्यक अधिकारी ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के अधिकारों, दायित्वों पर विशेष प्रकाश डाला। इस दौरान मौजूद रहमानिया कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ रजिया सुल्तान ने भी अपने संबोधन के जरिए अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को देश प्रेम में ओतप्रोत रहने की बात कही। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस में मुख्य रूप से मदरसा यादगार मोहम्मदी हुसैनी के प्रधानाचार्य नसीम आलम, हलीम मुस्लिम यतीम खाना के प्रधानाचार्य मौलाना अतार्रहमान, मकतब रहमानिया सदर मुदर्रिस सनाउल्लाह, कुतुबुद्दीन जुम्मू समेत सैकड़ों की तादाद में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग एवं विद्यालय के छात्र छात्राएं मौजूद रही।

जनपद स्तरीय कैरियर गाइडेंस मेला का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। बुधवार को समग्र शिक्षा माध्यमिक ,उत्तर प्रदेश के निर्देशन में जनपद स्तरीय कैरियर गाइडेंस मेला कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रॉबर्ट्सगंज परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडिशनल एस. पी. कालू सिंह एवं ट्रस्ट्र राधा गोविंद यादव अतिथि द्वय सहित जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह की अध्यक्षता में मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पूजन अर्चन से किया गया। इस मौके पर विद्यालय परिवार की छात्राओं द्वारा सुंदर सरस्वती वंदना, स्वागत गीत सहित रोजगार विषयक सुंदर नाटक की प्रस्तुति की गई। कक्षा 9वी 10वीं 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं के कैरियर निर्माण विषयक पर आधारित इस मेले में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित पंख योजना अंतर्गत अपनी रुचि व प्रतिभा अनुरूप रोजगार क्षेत्र के चयन संबंधित जानकारी मुहैया करा के उनके कैरियर निर्माण संबंधी कई उपादानों की सुंदर प्रस्तुति मेले में की गई। इस आयोजन में पी एम श्री बालिका इंटर कॉलेज रॉबर्ट्सगंज, GIC पिपरी, राजकीय बालिका हाई स्कूल चतरा, पीएम GGIC दुद्धी, GIC डोहरी सहित जन पद के सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभागिता की गई। इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि रूप में विवेकानंद मिश्र (प्रधानाचार्य), डी. पी.सिंह (प्रधानाचार्य), सहित आयोजक विद्यालय प्रधानाचार्या वंदना सिंह, GGIC प्रवक्ता डॉ. रितिका श्रीवास्तव व जनपदीय नोडल संजय कुमार व अन्य गणमान्यो द्वारा अपने उद्बोधन सत्र में विद्यार्थियों के द्वारा अपने कैरियर निर्माण संबंधी सावधानियां और सरकार द्वारा संचालित योजना के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया।

एसडीएम व न0पा0 ईओ ने नहर बाई पास से हटवाया अतिक्रमण

राठ (हमीरपुर)। चौथे दिन नगर के नहर बाईपास रोड पर नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण किए दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने की चेतावनी देने के बाद भी उनके द्वारा अपने सामानों को न हटाए जाने पर बुधवार को सख्ती के साथ अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान सड़क किनारे ईट गुम्मा व गुमटियों को हटाकर हजारों रुपया का जुर्माना भी वसूला गया। बुधवार को उपजिलाधिकारी अभिमन्यु कुमार, नगर पालिका के ईओ राजेश कुमार वर्मा ने पुलिस बल के साथ नवीन गल्ला मंडी बाईपास से उरई रोड नहर बाईपास तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे रखे ईट व गुमटियों पर नगर पालिका का बुलडोजर चलाया गया। साथ ही नगर पालिका कर्मियों ने हजारों का जुर्माना बसूला गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। नगर पालिका ईओ राजेश सिंह ने बताया कि यह अभियान अभी लगातार जारी रहेगा। गुरुवार को बाजार से अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। सभी दुकानदारों को पहले से नोटिस व चेतावनी दे दी गई थी।

स्टेशन सलाहकार समिति ने स्टेशन का किया निरीक्षण

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। बुधवार को सोनभद्र स्टेशन सलाहकार समिति की हुई बैठक बैठक स्टेशन अधीक्षक सोनभद्र राममनी सारस्वत व मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मिर्जापुर पूर्व राजेश प्रसाद के नेतृत्व में सोनभद्र स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक हुई, तथा सोनभद्र स्टेशन के हो रहे कार्यों सघन रूप से निरीक्षण किया गया। स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्य बलराम सोनी, राकेश मेहता, यादवेन्द्र दत्त द्विवेदी, रजनीश रघुवंशी के साथ स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में बैठक हुई। जिसमें यात्री सुविधा के विकास के साथ अन्य महत्वपूर्ण पहलू पर चर्चा की गई चर्चा के दौरान स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा निम्न मांग व सुझाव प्रस्तुत किये गये। स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्यों ने स्टेशन परिसर के निरीक्षण के दौरान सुझाव दिया कि चोपन से दिल्ली के लिए एक सुपरफास्ट ट्रेन का संचालन किया जाए वर्तमान में जो ट्रेन चल रही हैं उसका लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिल रहा है गाड़ी पकड़ने के लिए लोगों को बनारस या दीनदयाल उपाध्याय नगर तथा मिर्जापुर जाना पड़ता है। लखनऊ के लिए जाने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस के संचालन टाइम को मैनेज किया जाए ताकि स्थानीय यात्री समय से लखनऊ पहुंच सके। स्टेशन भवन नव निर्माण कार्य अतिसिघ्र गुणवत्तापूर्ण के साथ कराया जाए। प्लेटफार्म पर हुए कार्य की गुणवत्ता में कमी है और बाकी निर्माण कार्य में अत्यधिक विलंब व धीमी गति से कराया जा रहा है और रेलवे सोनभद्र रेलवे क्रॉसिंग पर प्रतिदिन घंटो जाम लगने की वजह से एंबुलेंस व सुबह विद्यालय वाहन आदि को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ओवरब्रिज निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण कराया जाए ताकि लोगों को आये दिन हो रहे जाम से मुक्ति मिल सके।

गोवा मुक्ति दिवस कार्यक्रम के लिए पत्रकारगण गोवा रवाना

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। गोवा की आज़ादी का जश्न मनाने पत्रकारगण विजय शंकर चतुर्वेदी और सनोज तिवारी गोवा रवाना हो गए हैं जहां वे गोवा सरकार व विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे, उल्लेखनीय है कि देश की आज़ादी के 14 वर्षों बाद 19 दिसंबर 1961 को गोवा को पूर्ण आज़ादी मिली थी। गोवा मुक्ति दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात पत्रकारगण 20 दिसंबर को गोवा के मुख्यमंत्री से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। पोंडा स्थित पीसफुल सोसाइटी के गोवा मुक्ति दिवस के कार्यक्रमों में भाग लेने के पश्चात वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार विजय शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि वर्ष 1498 में वास्को डी गामा गोवा के रास्ते भारत पहुंचा था, इसी मार्ग का लाभ उठाते हुए वर्ष 1505 में पुर्तगालियों ने गोवा पर कुदृष्टि डालना प्रारंभ कर दी थी, पुर्तगालियों और अंग्रेजों के आतंक और कब्जे से गोवा 19 दिसंबर 1961 को स्वतंत्र हुआ, भारत सरकार ने 19 दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस की घोषणा की , 20 दिसंबर को गोवा में चुनाव हुए और दयानंद भंडारकर गोवा के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री हुए. 1967 में हुए जनमत संग्रह में गोवा के लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश के रूप में रहना स्वीकार किया, इस तरह 30 मई 1987 को गोवा को भारत के 26 वें राज्य के रूप में मान्यता दी गई।

कुलपति ने डॉ. आशीष को विक्रम वि.वि. में किया सम्मानित

डॉ. हरस्वरूप लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, 2024 से अलंकृत हुए सर्पमित्र डॉ. आशीष त्रिपाठी

वहाज अली निहाल

इटावा/उज्जैन। विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रो.अर्पण भारद्वाज ने उत्तर प्रदेश के जनपद इटावा के वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र डॉ.आशीष त्रिपाठी को अपने कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित कर शॉल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया। इसी क्रम में उनके द्वारा

अंतरराष्ट्रीय जीव विज्ञानी प्रो.हरस्वरूप जी के जीवन पर लिखी लघु पत्रिका का भी विमोचन किया गया। कुलपति ने डॉ. आशीष के द्वारा जनपद इटावा में चलाई जा रही स्नेक बाइट हेल्पलाइन की प्रशंशा करते हुए विश्विद्यालय के बच्चों को सर्पदंश से बचाव के बारे में जागरूक करने की अपील की। विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन के प्राणी विज्ञान विभाग में आयोजित हुए दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिवस में विश्विद्यालय के प्रतिकुलपति, चीफ प्रॉक्टर प्रो.शैलेंद्र शर्मा ने डॉ.आशीष त्रिपाठी को 20 वीं सदी के महान अंतरराष्ट्रीय जीव विज्ञानी की याद में ब्रांड एंबेसडर ऑफ डॉ हरस्वरूप का भी प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने डॉ आशीष के द्वारा चलाए जा रहे सर्पदंश जागरूकता अभियान और वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में पूर्व प्राचार्य एवं सुप्रसिद्ध हरपेटोसाईंटिस्ट प्रो.तेज प्रकाश पूर्णानंद व्यास सहित विश्विद्यालय के प्रोफेसर डॉ.जीवन सिंह सोलंकी, माधव साइंस कालेज के प्राचार्य डॉ हरीश व्यास, प्रोफेसर डॉ अनिल पाण्डेय, प्रोफेसर डॉ ढांढ, कॉमर्स विभाग विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन उपस्थित रहे। इसी क्रम में देर शाम कुलपति महोदय के विशेष निवेदन पर सर्प एवम वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ आशीष त्रिपाठी ने विश्वविध्यालय के कृषि संकाय केबॉयज हॉस्टल में कुलपति महोदय के साथ जाकर कई सैकड़ा छात्रों एवम गर्ल्स हॉस्टल जाकर सैकड़ों छात्राओ को सर्प पहचान, सर्पदंश उपचार का विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर जागरूक किया।

इस अवसर पर देररात्रि तक कुलपति महोदय स्वयं सर्पदंश जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगातार उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि, जनपद इटावा के वन्यजीव विशेषज्ञ, सरीसृप विज्ञानी सर्पमित्र डॉ आशीष त्रिपाठी को 2024 का यह प्रतिष्ठित अवार्ड जनपद इटावा में उनके वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में किए गए अथक प्रयासों एवम विशेष सर्पदंश जागरूकता अभियान के माध्यम से हजारों लोगों की सर्पदंश से जान बचाने की अमूल्य समाज सेवा के लिए प्रदान किया गया है। डॉ.आशीष की इस अल्पकालीन विशिष्ट उपलब्धि पर उनके इष्ट मित्रों ने उन्हें हार्दिक

लखनऊ-मेरठ वंदे भारत ट्रेन का हुआ विस्तार

■ अब वाराणसी तक चलेगी यह गाड़ी, शेड्यूल जारी

अवधनामा ब्यूरो

समय सारणी हुई जारी

22490 मेरठ सिटी-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस, मेरठ सिटी सुबह - 6:35 बजे, मुरादाबाद -8:35/8:40 बजे, बरेली 9:56/9:58 बजे, लखनऊ-दोपहर 1:45 बजे/1:55 बजे, अयोध्या- शाम 3:53/3:55 बजे, वाराणसी- शाम 6:25 बजे, 22489 वाराणसी -मेरठ सिटी वंदे भारत एक्सप्रेस, वाराणसी- सुबह 9:10 बजे, अयोध्या- सुबह 11:40 बजे/11:42 बजे, लखनऊ- दोपहर 1:40 बजे/1:50 बजे, बरेली-शाम 5:15/1:17 बजे, मुरादाबाद- शाम 6:50/6:55 बजे, मेरठ सिटी रात - 09:05 बजे

लखनऊ। मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस वाया अयोध्या होकर वाराणसी तक चलेगी। रेलवे ने ट्रेन का टाइम शेड्यूल जारी कर दिया है। चलने की तारीख की जल्द घोषणा की जाएगी। वंदे भारत का वाराणसी तक विस्तार होने से मेरठ समेत अन्य जनपद के यात्रियों को अयोध्या और वाराणसी दोनों तीर्थ स्थलों तक सीधी ट्रेन मिल गई है। इसके चलने से श्रद्धालुओं के साथ व्यापारियों, कारोबारियों और उद्यमियों को भी इसका लाभ मिलेगा। इसी साल 31 अगस्त को मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन शुरू हुआ था। मेरठ के निवासी इस ट्रेन को वाराणसी तक चलाने की मांग कर रहे थे। अयोध्या के लिए भी ट्रेन की मांग की जा रही है। राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर इस ट्रेन को वाया अयोध्या होकर वाराणसी तक चलाने की मांग की थी। मेरठ-लखनऊ के बीच ट्रेन को यात्री भी कम मिल रहे हैं। इन सबको देखते हुए रेलवे ने मेरठ-लखनऊ वंदे भारत को रेलवे ने वाया अयोध्या होकर वाराणसी तक चलाने की घोषणा कर दी है। रेलवे ने समय सारणी भी जारी कर दी है।

काफी समय से हो रही थी मांग मेरठ-लखनऊ वंदे भारत

एक्सप्रेस का विस्तार वाया अयोध्या होकर वाराणसी तक किया गया है। काफी मांग इसकी हो रही थी। टाइम शेड्यूल जारी कर दिया गया है। जल्द ही इसके चलने की घोषणा की जाएगी। - हिमांशु शेखर उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे

12 घंटे में पहुंचेगी वाराणसी

वंदे भारत एक्सप्रेस 12 घंटे में मेरठ से वाराणसी पहुंचेगी। मेरठ से सुबह साढ़े छह बजे चलकर ट्रेन शाम छह बजे वाराणसी पहुंचेगी। इसी प्रकार वाराणसी से सुबह नौ बजे चलकर रात नौ बजे मेरठ आएगी। दूरी अधिक होने के कारण इस ट्रेन के दो रैक चलेंगे।

एलडीए में सिंगल विण्डो सिस्टम का ट्रायल रन शुरू

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में बुधवार से सिंगल विण्डो सिस्टम का ट्रायल रन शुरू हुआ। इस दौरान लविप्रा उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने खुद काउण्टर पर टोकन लेकर व्यवस्था का जायजा लिया। सिंगल विण्डो सिस्टम होने से सम्पत्ति आवंटन, रजिस्ट्री, फ्री-होल्ड व नामांतरण जैसे कामों के लिए आने वालों को अलग-अलग अनुभागों के चक्कर लगाने से निजात मिलेगी और एक ही जगह सभी कामों की जानकारी मिल जाएगी। लविप्रा सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि लोगों को अपने कामों को लेकर अलग-अलग पटलों पर भटकना पड़ता था। इसे ध्यान में रख उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्राधिकरण भवन के गेट नम्बर-2 के पास सिंगल विण्डो प्रणाली के तहत 12 काउण्टर बनाए गये हैं। यहां ई-स्टाम्प, ई-चालान, रजिस्ट्री, नामांतरण, फ्री-होल्ड, व्यवसायिक सम्पत्ति, मानचित्र, अर्जन, आईजीपी-पार्कस की बुकिंग व प्रधानमंत्री आवास से संबंधित कामों के आवेदन प्राप्त किये जाएंगे। इसके अलावा पहले आओ-पहले पाओ योजना के तहत बेचे जा रहे फ्लैटों की जानकारी भी यहीं से मिल सकेगी। लोगों की सुविधा के लिए इसमें एक काउण्टर सामान्य पूछताछ का भी बनाया गया है। प्राधिकरण मित्र करेंगे मदद हर काउण्टर पर प्राधिकरण मित्र की तैनाती की गयी है, जो आम जनता को संबंधित कामों की जानकारी देने के साथ ही समयबद्ध तरीके से उनके काम निस्तारित कराएंगे। काउण्टर पर प्रार्थना पत्र देने वालों को एक टोकन नम्बर मिलेगा, जिससे वे अपने काम की प्रगति की जानकारी कर सकेंगे। निस्तारण पर भेजी जाएगी सूचना लविप्रा उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने सिंगल विण्डो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूछताछ काउण्टर पर टोकन लेकर रजिस्ट्री व नामांतरण के बारे में जानकारी की। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिये कि सिंगल विण्डो सिस्टम में आवेदन करने वालों का काम होने पर उन्हें कॉल सेंटर से सूचना भी भेजी जाए। फाइलों के डिजिटाइजेशन का काम शुरू उपाध्यक्ष के निर्देश पर लविप्रा में सम्पत्ति व मानचित्र आदि की महत्वपूर्ण फाइलों के डिजिटाइजेशन का काम शुरू हो गया है। बुधवार को उपाध्यक्ष ने रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण कर कार्रवाई का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में डिजिटाइजेशन का काम कराने के निर्देश दिये।

उत्तर प्रदेश में विदेशी वि.वि. परिसरों को मिली मंजूरी

लखनऊ। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा ने उच्च शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव लाने वाले चार विधेयकों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। इन विधेयकों के तहत राज्य में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को शैक्षिक हब बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उच्च शिक्षा क्षेत्र में यह सुधार राज्य की छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगा। नए विश्वविद्यालयों और विदेशी परिसरों के माध्यम से छात्रों को उनके गृह राज्य में ही विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विदेशी विश्वविद्यालय के आने से प्रदेश के छात्रों को अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा, उन्हें उच्च स्तरीय शिक्षा अपने प्रदेश में ही अब सस्ती और सहज मिलेगी।

संगणना प्रदेश के लिए अति महत्वपूर्णः प्रभाष

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लघु सिंचाई योजनाओं, जल निकायों एवं मध्यम व वृहद सिंचाई योजनाओं आदि की संगणना प्रदेश के लिए अति महत्वपूर्ण है। उ0प्र0 सहित उत्तराखण्ड, दिल्ली, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ से आये प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्ष 2022-23 को आधार मानकर की जाने वाली संगणना पूर्ण शुद्धता के साथ की जानी आवश्यक है, जिससे कि विभिन्न संबंधित विभागों द्वारा इसका उपयोग नवीन परियोजनाओं में किया जा सके एवं प्रदेश की कृषि उत्पादकता में वृद्धि हो सके। उक्त विचार भ्वजमस त्महमदजं ब्वदमितमदबम ींससए स्नबादवू में आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला के शुभारम्भ के अवसर पर विशेष सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई), प्रभाष कुमार ने व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि लघु सिंचाई योजनाओं की 7 वीं संगणना एवं जल निकायों की द्वितीय संगणना लघु सिंचाई विभाग द्वारा की जानी है, जबकि वृहद व मध्यम सिंचाई योजनाओं तथा स्प्रिंग संगणना का कार्य सिंचाई विभाग द्वारा सम्पन्न कराया जाना है।

मनरेगा योजना से गांवों में करायें जाये चारागाह विकास के कार्य

- चारागाह विकास कार्य मनरेगा में हैं अनुमन्य
- पशुधन हेतु चारा उपलब्ध कराने पर विभाग का जोर
- जनपदों में अधिक से अधिक चारागाह का विकास कराने के निर्देश

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल नेतृत्व में ग्राम्य विकास विभाग निरंतर ग्रामीण विकास एवं ग्रामीणों की आजीविका संवर्धन हेतु कार्य कर रहा है। मनरेगा योजनांतर्गत सामुदायिक एवं व्यक्तिगत कार्यों के माध्यम से ग्रामीण विकास एवं ग्रामीणों की आय में वृद्धि करने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर पशुधन उत्पादकता बढ़ाने के लिए पर्याप्त मात्रा में चारे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए मनरेगा से चारागाह विकास कार्य करने के निर्देश उत्तर प्रदेश शासन द्वारा समस्त जिलाधिकारियों को दिये गये हैं। ग्राम्य विकास विभाग की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चारागाह का विकास कार्य कराने के निर्देश निर्गत किये गये हैं। शासन स्तर से समस्त जनपदों को निर्देशित किया गया है कि पशुधन हेतु चारे की पर्याप्त उपलब्धता हेतु अधिक से अधिक चारागाह का विकास कराने के निर्देश दिये गये हैं। जिलों को जारी पत्र द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किसी योग्य भूमि, चारागाह की भूमि/ सामुदायिक भूमि व विक्रति एवं बंजर भूमि पर चारागाह का विकास कर पशुधन हेतु चारा उपलब्ध कराया जा सकता है। बता दें कि ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चारागाह विकास कार्य मनरेगा में अनुमन्य है, जिसके अनुसार ग्राम पंचायतों में चारागाह का विकास कार्य किया जा सकता है। प्रदेश में पशुधन उत्पादकता बढ़ाने पर विभाग का विशेष जोर है, पशुधन के लिए चारे की पर्याप्त उपलब्धता भी बेहद आवश्यक है। ग्राम पंचायतों में चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए गांव की किसी योग्य भूमि, चारागाह की भूमि/सामुदायिक भूमि, विक्रति एवं बंजर भूमि पर चारागाह का विकास कर पशुधन हेतु चारा उपलब्ध कराया जा सकता है। इस संबंध में विभाग की ओर से पहले भी जनपदों को दिशा-निर्देश जारी किये जा चुके हैं।

एलडीए ने की सैदापुर गांव में कार्रवाई

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर बुधवार को जोन-4 की टीम ने सैरपुर थानाक्षेत्र के सैदापुर गांव में कार्रवाई की। इस दौरान लगभग 50 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही अवैध प्लाटिंग ध्वस्त कराई गयी। प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि वीरेन्द्र यादव, जन्नतुन निसां, हबीबुन निसां, हसीम बेग व नफीस बेग की ओर से आईआईएम रोड पर सैदापुर में मुबारकरपुर चौराहे के पास लगभग 50 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करते हुए अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ विहित न्यायालय ने ध्वस्तीकरण के आदेश दिये थे। बुधवार को सहायक अभियंता शिवा सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता सत्यवीर सिंह व शिवानंद शुक्ला ने अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कराई। इस दौरान स्थल पर विकसित की गयी सड़क, नालियां, बाउण्ड्रीवॉल व भूखण्डों के डिमार्केशन के लिए ईंटों से की गयी चुनाई आदि को पूरी तरह ध्वस्त कराया गया।

पर्यटन मंत्री ने त्रिदिवसीय भातखंडे संगीत उत्सव-2024 का शुभारम्भ किया

भातखंडे विश्वविद्यालय भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास को बढ़ावा देने के लिए अहम भूमिका निभा रहा : जयवीर सिंह

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि भातखंडे विश्वविद्यालय अपने विकास यात्रा के दौरान देश के निर्माण में सराहनीय भूमिका अदा की है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्रायें अपनी लगन और निष्ठा से जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़े और प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि यहां से निकलने वाले छात्र वैज्ञानिक बने, संगीतकार बने तथा जिस क्षेत्र में जाये, सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित करें।

जयवीर सिंह आज त्रिदिवसीय भातखंडे संगीत उत्सव-2024 का शुभारम्भ के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्रायें, कला प्रेमियों, कत्थक, नृत्य, गायन, संगीत वादन आदि विधाओं से जुड़े छात्र-छात्राओं की उपस्थिति थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जो सपना हमारे देश के नेताओं ने देखा था, उसको साकार करने की जिम्मेदारी छात्र-छात्राओं पर है। वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि छात्र-छात्रायें पूरी ईमानदारी से देशसेवा का संकल्प लें। जिस विधा में उनकी रूचि हो, उस विधा को ऊचाईयों पर लेकर जायें। यह विश्वविद्यालय देश की ही नहीं बल्कि विश्व का सर्वोच्च विश्वविद्यालय होगा। इस विद्यालय के बच्चे अपनी कला एवं निष्ठा से समाज एवं राष्ट्र के निर्माण का संकल्प ले। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में इस संस्थान को डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता था। अब विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करके स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा के विभिन्न विषयों पर शोध कार्य भी संचालित किये जा रहे हैं। संस्कृति विभाग के सभी संस्थाओं तथा अकादमी को विश्वविद्यालय द्वारा संबंद्ध कर दिया गया है।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवसः पूर्व सरकारों ने अल्पसंख्यकों की हमेशा उपेक्षा की : दानिश

■ संविधान सभी नागरिकों को समान अवसर और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार देता है

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर कहा कि यह महत्वपूर्ण दिन है, जब हम अपने देश में रहने वाले अल्पसंख्यक समदुाय के अधिकारों और कल्याण पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। भारत एक बहु सांस्कृतिक और बहु धार्मिक देश है जहां विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग सद् भाव से रहते हैं। संविधान सभी नागरिकों को समानता, समान अवसर और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। श्री अंसारी ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने अल्पसंख्यक समुदायों को हमेशा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेलने का काम किया। उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सेवा और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक से दूर रखा। आज केन्द्र और प्रदेश की सरकार अल्पसंख्यकों को समान शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य मुहैया करा रही है। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस का मकसद अल्पसंख्यक समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर कर उनके अधिकारों की रक्षा करना है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी नागरिकों को समान अवसर मिले और वे अपनी पूरी क्षमता का विकास कर सकें। प्रदेश सरकार अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए अनेक कदम उठा रही है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाना, रोजगार के अवसर बढ़ाना, अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना, स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच, अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके खिलाफ होने वाले किसी भी तरह के भेदभाव या हिंसा को रोकना और अल्पसंख्यकों को सशक्त बनाने, सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

हर छात्रा को भविष्य में मिल सकेगी स्वकेंद्र की सुविधा

लखनऊ। प्रदेश में हर साल आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में सभी छात्राओं को स्वकेंद्र सुविधा मिले या कम से कम दूरी पर परीक्षा केंद्र आवंटित करने पर सरकार विचार करेगी। यह आश्वासन माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने बुधवार को विधान परिषद में बोर्ड परीक्षा के लिए अधिकतम केंद्र बनाने व स्वकेंद्र परीक्षा व्यवस्था लागू करने के सवाल पर दिया। नियम 105 के तहत एमएलसी डॉ. आकाश अग्रवाल व राजबहादुर चंदेल ने परीक्षा केंद्र निर्धारण में अधिकारियों की मनमानी व छात्राओं को दूर परीक्षा देने जाने में होने वाली असुविधा का मामला उठाया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जो विद्यालय परीक्षा केंद्र बनते हैं वहां की छात्राओं के लिए तो स्वकेंद्र व्यवस्था है। किंतु जो विद्यालय परीक्षा केंद्र नहीं बनते हैं वहां की छात्राओं को 7 किलोमीटर दूर तक परीक्षा देने जाना पड़ता है।ऐसे में मानक पूरा करने वाले हर वित्तविहीन विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र निर्धारण में अधिकारियों के संरक्षण में मनमानी व गड़बड़ी की जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर गोष्ठी

अवधनामा ब्यूरो

■ देश का संविधान अल्पसंख्यकों को उनके धर्म पर पूरी आजादी का अधिकार देता है

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ट्रस्ट की ओर से ऐशबाग ईदगाह स्थित इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर गोष्ठी आयोजित हुई। इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि यह हमारे देश की खुशकिस्मती है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने जो संविधान बनाया उसमें तमाम बातों का पहले से ही ध्यान रखा। देश का संविधान हर नागरिक को बराबर अधिकार देने के साथ ही अल्पसंख्यकों को उनके धर्म पर पूरी आजादी के साथ अमल का कानूनी अधिकार देता है। संविधान की धारा 25 से 30 तक इन तमाम अधिकारों का विस्तार से वर्णन है। संविधान ने अल्पसंख्यकों को उनके शैक्षिक संस्थान बनाने और उनके प्रबंधन व संचालन की पूरी आजादी दी। गोष्ठी में महाबौद्ध सोसाइटी के अध्यक्ष भंते गियाना लोक ने कहा कि आज के दिन सरकार इस बात का आंकलन करे कि देश में रहने वाले और बसने वाले अल्पसंख्यकों के साथ कहां तक हक और इंसाफ किया गया। उन्हें कितने अधिकार दिये गये और उन्हें किस तरह से उन्नति के मार्ग पर ले जाया जा सकता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ट्रस्ट के चेयरमैन अब्दुल नसीर नासिर ने कहा कि सरकार से हमारी मांग है कि जो अधिकार संविधान ने दिये हैं उनमें कोई रुकावट पैदा न करे। हमारे लिए भी उन्नति के मार्ग को प्रशस्त किया जाए। गोष्ठी में राशिद अली मीनाई ने भी अपने विचार व्यक्त किये। गोष्ठी के अंत में अब्दुल नसीर नासिर ने अतिथियों का आभार जताया। वहीं अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर मोमिन अन्सार सभा की ओर से मुसलमानों के संवैधानिक अधिकार और चुनौतियां विषयक गोष्ठी मौलवीगंज स्थित पालकी पैलेस में की गयी। इस मौके पर बढ़ती साम्प्रदायिकता और नफरतबाजों का पुतला फूंक कर अपना रोष व्यक्त करते हुए नफरतवाद मुर्दाबाद, हिन्दुस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाये गये। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए संगठन के अध्यक्ष मोहम्मद अकरम अंसारी ने कहा कि 1950 में सत्ता संभालते ही सभी नागरिकों के समान अधिकारों का हनन करते हुए पसमांदा मुसलमानों को दलित आरक्षण से वंचित किया गया। मौजूदा वक्त में मस्जिदों से अजान पर रोक लगाने के लिए मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारे जा रहे हैं। मुसलमानों की इबादत करने में दिक्कतें खड़ी की जा रही हैं।

मंदिर के पर्यटन विकास के लिये सात करोड़ स्वीकृत

लखनऊ। पर्यटन विभाग ने जौनपुर स्थित मां शीतला चौकिया धाम और लखनऊ के रहीमाबाद मालरोड स्थित सिद्धपीठ बाराही देवी मंदिर का पर्यटन विकास के लिए लगभग 7.13 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है, जिसमें से लगभग 3.5 करोड़ रूपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। यह दोनों धार्मिक स्थल पर्यटन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। विभिन्न अवसरों पर यहां मेले लगते हैं। इसके अलावा सालभर इन दोनों स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। पर्यटन विभाग धार्मिक स्थलों पर बुनियादी सुविधायें सुलभ कराने के लिए इन दोनों स्थलों के सौन्दर्यीकरण कराने का निर्णय लिया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि जौनपुर स्थित मां शीतला चौकियां धाम प्रसिद्ध सिद्धपीठ है। यह पावन स्थल सनातन आस्था का केंद्र है, जहां दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। नवरात्रि में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगती हैं। बच्चों के मुंडन-संस्कार के लिए भी बड़ी संख्या में भक्त आते हैं।

गोरखपुर में सूर्य सखी का छः दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं यूपीनेडा के अन्तर्गत जनपद - गोरखपुर के ब्लॉक - गगहा की 30 ग्राम पंचायत से 30 समूह की महिलाओं को सूर्य सखी योजना के तहत दिनांक 13 दिसंबर से 18 दिसंबर तक 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया है। इस टेक्निकल प्रशिक्षण में सभी सूर्य सखी को सोलर स्ट्रीट लाइट ,सोलर टोर्च ,इन्वर्टर बल्ब ,एलईडी बल्ब सोलर लैंप आदि प्रोडक्ट बनाना व स्थापना व रखरखाव के बारे में यूपीनेडा अनुभवी ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

साथ साथ सोलर पैनल ,बैट्री पीसीबी की टेस्टिंग एवं सोल्डरिंग करना भी सिखाया गया है। यूपीएसआरएलएम एवं उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा) द्वारा राज्य की सभी 57,702 ग्राम पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट, रूफ टॉप कि स्थापना, रख- रखाव करने का कार्य सूर्य सखी के माध्यम से कराने हेतु रूचि दिखाई गई एवं उक्त कार्यों को कराने हेतु यूपीएसआरएलएम से साथ यूपीनेडा का अनुबंध किया गया। उक्त अनुबंध के अनुसार यूपीनेडा के सौर ऊर्जा के कार्यों को सूर्य सखी द्वारा किया जाएगा एवं सौर ऊर्जा का कार्य करने वाली समूह सदस्यों को सूर्य सखी का नाम दिया गया है। इन सूर्य सखियों को कार्य करने हेतु उत्पाद की कुल मूल्य के अनुसार कमीशन के रूप में दिया जाएगा। उक्त अनुबंध के अनुसार आगामी 3 बर्षों में प्रदेश की सभी 57,702 ग्राम पंचायतों में सूर्य सखियाँ पदस्थ की जाएँगी। सूर्य सखी की न्यूनतम योग्यता हाई स्कूल पास तय किया गया है। सूर्य सखियों को तकनीकी कौशल, उद्यमशीलता एवं व्यवसाय संचालन का 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, सूर्य सखियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने और विस्तार करने का कार्य करेंगी। सूर्य सखी ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के अपार अवसर पैदा करने की दिशा में एक कदम होंगी। सूर्य सखियां सौर उत्पादों की मरम्मत और विपणन में व्यापक रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे वे कुशल सौर तकनीशियन और उद्यमी बन सकेंगी।

मौलाना यासूब अब्बास ने मजलिस को किया ख़िताब

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। डॉ0 सै0 अली शब्बर रिज़वी मरहूम की मजलिस को मौलाना डॉ0 यासूब अब्बास ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पैग़म्बरे इस्लाम ने फ़रमाया कि मैं इल्म का शहर हूँ और अली उसके दरवाज़ा, लिहाज़ा जिसको इल्म हासिल करना हो वह दरे अली तक आये। मौलाना ने मरहूम डॉ0 अली शब्बर रिज़वी की इल्मी, दीनी और समाजी ख़िदमात (सेवाओं) का ज़िक्र किया। आख़िर में मौलाना ने जनाबे अली अकबर के मसाएब का ज़िक्र किया जिसको सुन कर अज़ादार गिरया (रोने) करने लगे।

मजलिस से पहले शायरे अहलेबैत शकील संदीलवी, प्रिंस इक़बाल मिर्ज़ा, मोजिज़ लखनवी ने बारगाहे इमाम में नज़रान-ए-अक़ीदत पेश किया और सै0 हसन रज़ा रिज़वी ने सोज़ो सलाम पेश किया। अन्त में मरहूम के पुत्र डॉ0 सै0 सरताज़ शब्बर रिज़वी अर्शी ने मजलिस में आये सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया।

आरडीएसओ में अंतर निदेशालय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। आरडीएसओ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु आरडीएसओ में अंतर निदेशालय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। महानिदेशक, आरडीएसओ, उदय बोरवणकर की उपस्थिति में लाडले हुसैन, ग्राउंड्समैन द्वारा टूर्नामेंट का उदघाटन कर इस टूर्नामेंट की शुरुआत की गयी। इसके अंतर्गत आरडीएसओ स्टेडियम में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का प्रथम मैच गावस्कर इलेवन और कपिल इलेवन के बीच खेला गया। गावस्कर इलेवनने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया एवं निर्धारित 20 ओवेरों में एक विकेट खोकर 180 रन बनाए। कपिल इलेवन मैच के 180 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए 9 विकेट पर 94 रन ही बना सकी एवं गावस्कर इलेवन ने 86 रनों से विजय प्राप्त की। महानिदेशक आरडीएसओ, उदय बोरवणकर ने इस आयोजन के लिए पी.के. पाण्डेय, प्रेसिडेंट/ आरडीएसओ स्पोर्ट एसोशिएसन, आशीष गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी/ आरडीएसओ स्पोर्ट एसोशिएसन एवं विजय प्रकाश/ सेक्रेटरी क्रिकेट आरडीएसओ स्पोर्ट एसोशिएसन के प्रयासों की सराहना की। इस मैच के दौरान पी.एस शमी, महानिदेशक (विशेष) वी.डी., एस.एस. केडिया, पीईडी/इन्फ्रा- एवं कार्यवाहक अपर महानिदेशक/ आरडीएसओ, विनीत द्विवेदी, कार्यकारी निदेशक/वित्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे और मैच का आनंद उठाया। इस टूर्नामेंट के अंतर्गत विभिन्न अन्य खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।